ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हिट एंड रन का मामला बहुत हो गया, अब जनता के सामने दस्तावेज @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 02 अक्टूबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-271

आरएसएस की यात्रा त्याग, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की मिसाल

संघ ने देश के सामने आने वाली हर चुनौतियों का डटकर सामना किया : मोदी

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने अपनी प्राथमिकताओं को राष्ट्र की प्राथमिकताओं के साथ संरेखित करते हुए हर युग में देश के सामने आने वाली बड़ी चुनौतियों का डटकर सामना किया है।

श्री मोदी ने बुधवार को यहां आरएसएस के शताब्दी समारोह में कहा कि गुरुवार को विजयादशमी का महापर्व है जो भारतीय संस्कृति के शाश्वत उद्घोष का प्रतीक है। ऐसे ही पावन अवसर पर शताब्दी वर्ष पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना कोई संयोग नहीं है। उन्होंने कहा कि यह हजारों वर्षों से चली आ रही एक प्राचीन परंपरा का पुनरुद्धार है जिसमें राष्ट्रीय चेतना प्रत्येक युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए नए रूपों में प्रकट होती है। उन्होंने इस उपलक्ष्य में एक विशेष डाक टिकट और स्मारक सिक्का जारी किया है। 100 रुपये के इस सिक्के पर एक ओर राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न और दूसरी ओर स्वयंसेवकों द्वारा सलामी दिए जा रहे सिंह के साथ वरद मुद्रा में भारत माता की भव्य छवि अंकित है। श्री मोदी ने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में संभवतः यह पहली बार है जब भारत माता की छवि भारतीय मुद्रा पर दिखाई दी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि 1963 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने देशभक्ति की धुनों पर ताल से ताल मिलाते हुए बड़े गर्व के साथ परेड में भाग लिया था। उन्होंने कहा कि यह डाक टिकट उस ऐतिहासिक क्षण की स्मृति को समेटे हुए है।

प्रधानमंत्री ने संघ के शताब्दी वर्ष पर जारी किया डाक टिकट-सिक्का

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार महान नदियाँ अपने तटों पर मानव सभ्यताओं का पोषण करती है उसी प्रकार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी असंख्य जीवन को पोषित और समृद्ध किया है। एक नदी जो अपने माध्यम से बहने वाली भूमि, गाँवों और क्षेत्रों को आशीर्वाद देती है इसी प्रकार संघ ने भारतीय समाज के हर क्षेत्र और राष्ट्र के हर क्षेत्र को छुआ है। श्री मोदी ने कहा कि संघ के अनेक धाराओं में विस्तार के बावजूद उनमें कभी विभाजन नहीं हुआ।

श्री मोदी ने कहा, अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने एक महान उद्देश्य - राष्ट्र निर्माण - को अपनाया है। उन्होंने कहा कि संघ अपनी स्थापना के समय से ही देशभक्ति और सेवा का पर्याय रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि विभाजन के कष्टदायक दौर में जब लाखों परिवार विस्थापित हुए थे, स्वयंसेवक सीमित संसाधनों के बावजूद शरणार्थियों की सेवा में सबसे आगे खड़े रहे। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह केवल राहत कार्य नहीं था, बल्कि राष्ट्र की आत्मा को मज़बूत करने का कार्य था।

उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में भी पंजाब में बाढ़, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में आई आपदाओं और केरल के वायनाड में हुई त्रासदी जैसी आपदाओं में स्वयंसेवक सबसे पहले राहत पहुंचाने वालों में से हैं। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान पूरी दुनिया ने संघ के साहस और सेवा भावना को प्रत्यक्ष रूप से देखा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जाति-आधारित भेदभाव जैसी गहरी जड़ें जमाए बैठी सामाजिक बुराइयाँ लंबे समय से हिंदू समाज के लिए एक गंभीर चुनौती रही हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. हेडगेवार से लेकर आज तक संघ के प्रत्येक सरसंघचालक ने भेदभाव और छुआछूत के विरुद्ध लड़ाई लड़ी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरसंघचालक मोहन भागवत ने समाज के सामने सामाजिक समरसता का एक स्पष्ट लक्ष्य रखा है जिसमें एक कुआँ, एक मंदिर और एक श्मशान की बात कही गयी है। उन्होंने कहा कि संघ ने इस संदेश को देश के कोने-कोने तक पहुँचाया है और भेदभाव, विभाजन और कलह से मुक्त समाज का निर्माण किया है। उन्होंने कहा कि यही समरसता और समावेशी समाज के संकल्प का आधार है, जिसे संघ नए जोश के साथ मज़बूत करता रहता है।

श्री मोदी ने कहा कि एक सदी पहले जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई थी, उस समय की जरूरतें और संघर्ष अलग थे। भारत सदियों पुरानी राजनीतिक पराधीनता से

▶10पर

केंद्रीय कर्मचारियों को दिवाली का तोहफा

तीन प्रतिशत बढ़ा डीए

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

नए महीने की शुरुआत के साथ ही फेस्टिव सीजन में केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों और पेंशनधारकों को दिवाली का तोहफा दे दिया है। कैबिनेट की बैठक में लिए फैसले के तहत केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनधारकों के लिए महंगाई भत्ता बढ़ा दिया गया है। महंगाई भत्ते को लेकर 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी की घोषणा की गई है, जिसके बाद महगाई भत्ता कर्मचारियों की बेसिक सैलरी का 58 प्रतिशत हो गया है। केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनधारकों के लिए यह बढ़ा हुए डीए इस वर्ष के 1 जुलाई से प्रभावी होगा। केंद्र सरकार के इस फैसले से करीब 49.19 लाख कर्मचारियों और 68.72 लाख पेंशनभोगियों को लाभ मिलेगा। यह बढ़ोतरी स्वीकृत फॉर्मूले के अनुसार की गई है, जो 7वें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों पर आधारित है। अमूमन सरकार की ओर से महंगाई भत्ते को लेकर बढ़ोतरी का एलान फेस्टिव सीजन के दौरान ही होता है। केंद्र की ओर से सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को महंगाई से राहत देने के लिए महंगाई भत्ता और महंगाई राहत दी जाती है।

केंद्रीय कैबिनेट की ओर से इससे पहले इस वर्ष की शुरुआत 1 जनवरी 2025 को महंगाई भत्ते और महंगाई राहत (डीआर) में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई थी। इस बढ़ोतरी का करीब 1.15 करोड़ केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगी को फायदा मिला था। सरकार द्वारा इस बढ़ोतरी के बाद महंगाई भत्ता बैसिक सैलरी के 55 प्रतिशत हो गया था। यह बढ़ोतरी 7वें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों पर तय फॉर्मूले के तहत की गई थी।

डीए 58 प्रतिशत होने के बाद केंद्रीय कर्मचारियों को भत्ते के तौर पर कितने रुपए मिलेंगे इसे एक उदाहरण से समझा जा सकता है। मान लीजिए किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी 50 हजार रुपए है तो उन्हें महंगाई भत्ते के रूप में अभी तक 27,500 रुपए मिलते होंगे। डीए में इस वर्तमान बढ़ोतरी के बाद यही राशि 29,000 रुपए हो जाएगी। यानी 50 हजार रुपए की बेसिक सैलरी वाले कर्मचारी को इस बढ़ोतरी से कुल 1500 रुपए अधिक मिलेंगे। यह बढ़ोतरी कर्मचारियों की ग्रॉस सैलरी में देखी जाएगी।

कर्मचारियों को जुलाई, अगस्त और सितंबर की बकाया राशि अक्टूबर की सैलरी के साथ ही दिया जाएगा।

गेहूं का नया एमएसपी 2582 रुपए हुआ

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने रबी फसल वर्ष 2026-27 के लिए गेहूं सहित चुनींदा फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने विपणन सत्र 2026-27 के लिए एमएसपी में वृद्धि को हरी झंडी दिखायी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी देते हुए कहा कि गेहूं का एमएसपी 2585 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है।

बीते साल से 160 रुपए का हुआ इजाफा

इसके अलावा जौ का एमएसपी 2150 रुपये प्रति क्विंटल, चना 5875 रुपये प्रति क्विंटल, मसूर 7000 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों /रेपसीड 6200 रुपये प्रति क्विंटल और सैफफ्लावर (कुसुम) का एमएसपी 6540 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है।

अगर साल रबी फसल वर्ष 2025-26 से तुलना करें तो गेहूं के एमएसपी में 160 रुपये प्रति क्विंटल का इजाफा किया गया है। इसी तरह जौ में 170 रुपये, चने में 225 रुपये, मसूर में 300 रुपये, सरसों में 250 रुपये और सैफफ्लावर के एमएसपी में 600 रुपये क्विंटल का इजाफा कर दिया गया है।

तिलहन में सबसे ज्यादा एमएसपी सैफफ्लावर का बढ़ाया गया है जबकि दलहन में मसूर का एमएसपी सबसे अधिक किया गया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 में गेहूं की लागत 1239 रुपये आंकी गई है और नये एमएसपी 2585 के हिसाब से किसान को लागत का 109 प्रतिशत अधिक भाव मिलेगा। इसी तरह जौ की लागत साल 2026-27 में 1361 रुपये आंकी गई है और उसकी नयी एमएसपी 2150 के अनुसार किसान को लागत से 58 प्रतिशत अधिक भाव मिलेगा। इस तरह चने की लागत 3699 रुपये की तुलना में किसान को 5875 रुपये नयी

▶10पर

तेलंगाना सरकार ने दिव्यांग निगम कर्मचारियों की 15 साल पुरानी मांग पूरी की

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना राज्य दिव्यांग निगम के अध्यक्ष मुत्तिनेनी वीरैया ने 2010, 2015 और 2020 के पीआरसी (वेतन संशोधन आयोग) को लागू करके दिव्यांग कर्मचारियों की एक लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, और मंत्री आदलुरी लक्ष्मण कुमार का हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

बुधवार को यहां एक बयान में, वीरैया ने कहा कि सरकार की मंजूरी के साथ, संशोधित वेतन मंगलवार को जारी कर दिए गए, जिसके परिणामस्वरूप प्रत्येक कर्मचारी के वेतन में औसतन 55,000 रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हुई। उन्होंने बताया कि पिछले 15 वर्षों में बार-बार के प्रयासों के बावजूद, पिछली बीआरएस सरकार ने इन मांगों की अनदेखी की थी, जिससे कर्मचारी निराश थे।

वीरैया ने कहा, जैसे ही इन तीन पीआरसी को मंजूरी मिली, हमने तत्काल कार्यान्वयन सुनिश्चित किया और कर्मचारियों को कल ही उनका बढ़ा हुआ वेतन मिल गया। यह एक ऐतिहासिक कदम है जो दशहरे के त्योहारी माहौल के साथ मेल खाता है। उन्होंने पीआरसी के बकाये का भुगतान सुनिश्चित करने के प्रयासों के लिए मंत्री आदलुरी लक्ष्मण कुमार और इस प्रक्रिया में सहयोग

▶10पर

दशहरा की बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं

सभी सुधी पाठकों, एजेंटों, हॉकरों, विज्ञापनदाताओं, विज्ञापन एजेंसियों व शुभचिंतकों को **शुभ-लाभ** की ओर से असत्य पर सत्य की जीत के पर्व **दशहरा** की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

प्रबंधक

देश में खुलेंगे 57 नए केंद्रीय विद्यालय

4 हजार से अधिक नौकरियों के अवसर

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में एक बड़ा कदम उठाते हुए देशभर में 57 नए केंद्रीय विद्यालय खोलने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस निर्णय को अंतिम रूप दिया गया, जिससे न केवल शिक्षा के क्षेत्र में विस्तार होगा, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी कि प्रस्तावित 57 विद्यालयों में से 7 स्कूल केंद्र सरकार के अधीन होंगे, जबकि शेष 50 स्कूलों का संचालन राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा किया जाएगा। इन विद्यालयों से 86,640 से अधिक छात्रों को लाभ मिलेगा। मंत्री ने बताया कि वर्तमान में देश में 1,288 केंद्रीय विद्यालय कार्यरत हैं,

▶10पर

दिसंबर के पहले हफ्ते में भारत दौरे पर आ सकते हैं रूसी राष्ट्रपति पुतिन

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दिसंबर महीने के पहले सप्ताह में भारत का दौरा कर सकते हैं। इस दौरान उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक प्रस्तावित है। सूत्रों के अनुसार, यह यात्रा भारत और रूस के बीच बढ़ते रणनीतिक और व्यापारिक संबंधों को और मज़बूत करने की दिशा में एक अहम कदम होगी।पुतिन की

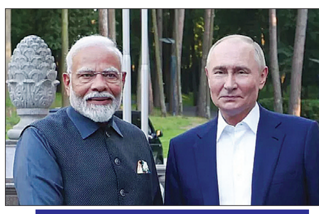

पीएम मोदी से होगी द्विपक्षीय बैठक

भारत यात्रा की घोषणा सबसे पहले अगस्त में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की मास्को यात्रा के दौरान हुई थी, हालांकि उस समय तारीखें तय नहीं की गई थीं। इसके बाद चीन में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में पुतिन और मोदी की मुलाकात हुई, जहाँ दोनों नेताओं ने पुतिन की लिमोजिन में एक घंटे तक बातचीत की।यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक तनाव बढ़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत द्वारा रूसी तेल

▶10पर

माओवादियों में आत्मसमर्पण को लेकर दरार

पार्टी के भीतर गहराती फूट

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (माओवादी) के वैचारिक प्रमुख और मुख्य प्रवक्ता वेणुगोपाल राव उर्फ सोनू (70) ने एक और पत्र जारी किया है, जिसमें उन्होंने सशस्त्र संघर्ष को रोकने की वकालत की है। सोनू ने अपने नवीनतम पत्र के साथ हालिया तस्वीर भी साझा की है। इससे पहले 15 अगस्त को सोनू का पहला पत्र सामने आया था, जिसे 12 सितंबर को आम जनता के बीच जारी किया गया। उस पत्र का पार्टी की केंद्रीय समिति और तेलंगाना राज्य समिति ने कड़ा विरोध किया था। सोनू को ङ्गगद्दारफ कहकर संबोधित किया गया। इसके बाद यह स्पष्ट हो गया कि माओवादियों के अंदर आत्मसमर्पण के मुद्दे पर गहरी मतभेद की स्थिति बन चुकी है। तेलंगाना राज्य समिति के प्रवक्ता जगन ने

▶10पर

अवकाश-सूचना

दशहरा के उपलक्ष्य में शुभ-लाभ कार्यालय में गुरुवार दिनांक 02 अक्टूबर, 2025 को अवकाश रहेगा। शुभ-लाभ का अगला अंक शनिवार दि. 04 अक्टूबर 2025 को आपके समक्ष प्रस्तुत होगा।

-प्रबंधक

सराफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,20,640/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,50,100/- (प्रति किलोग्राम)

कार्टून कॉर्नर

भारत के 1,687 अमीरों की कुल संपत्ति 167 लाख करोड़

9.55 लाख करोड़ के साथ अंबानी परिवार सबसे ऊपर

मुंबई, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत के सबसे अमीर हस्तियों की लिस्ट में मुकेश अंबानी परिवार टॉप पर काबिज है। उनकी नेटवर्थ 9.55 लाख करोड़ है। गौतम अडानी और उनका परिवार 8.15 लाख करोड़ की नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर है। बुधवार यानी 1 अक्टूबर को जारी एम3एम हुरुन रिच लिस्ट 2025 में इस बार 1,687 व्यक्तियों को शामिल किया गया है। सभी अमीरों की कुल नेटवर्थ 167 लाख करोड़ है, जो भारत की जीडीपी का लगभग आधा है।एम3एम हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 में सबसे कम उम्र के 22 साल के कैवल्य वोहरा हैं, जो जेप्टो के को-फाउंडर हैं। वो अपने पार्टनर 23 साल के आदित पालिचा के साथ 5.9 बिलियन डॉलर की क्विक कॉमर्स स्टार्टअप चलाते हैं, जो लिस्ट में दूसरे सबसे कम उम्र के शख्स हैं। महज 22 साल की उम्र में वोहरा ने 4,480 करोड़ की निजी संपत्ति बनाई है, जबकि इस लिस्ट में औसत उम्र 65 साल है।

फैमिली/पर्सन	संपत्ति	चेंज
मुकेश अंबानी फैमिली (रिलायंस इंडस्ट्रीज)	9,55,410 करोड़	▼6%
गौतम अडाणी परिवार (अडाणी ग्रुप)	8,14,720 करोड़	▼30%
रोशनी नाडर मल्होत्रा फैमिली (HCL)	2,84,120 करोड़	नई एंट्री
सायरस पूनावाला फैमिली (सीरम इंस्टीट्यूट)	2,46,460 करोड़	▼15%
कुमार मंगलम बिड़ला फैमिली (आदित्य बिड़ला)	2,32,850 करोड़	▼1%
नीरज बजाज फैमिली (बजाज ग्रुप)	2,32,680 करोड़	▲43%
दिलीप संघवी (सन फार्मा)	2,30,560 करोड़	▼8%
अजीम प्रेमजी फैमिली (विप्रो)	2,21,250 करोड़	▲16%
गोपीचंद हिंदूजा फैमिली (हिंदुजा ग्रुप)	1,85,310 करोड़	▼4%

पहली बार अरबपतियों की लिस्ट में शामिल हुए शाहरुख खान बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान 12,490 करोड़ की नेटवर्थ के साथ पहली बार अरबपतियों की लिस्ट में शामिल हुए। पेटीएम के संस्थापक विजय शेखर शर्मा फिर से अरबपति बन गए हैं। उनकी नेटवर्थ 15,930 करोड़ है। पर्प्लेक्सिटी एआई के फाउंडर अरविंद श्रीनिवास 21,190 करोड़ की नेटवर्थ के साथ सबसे कम उम्र के बिलियनेयर हैं। उनकी उम्र 31 साल है। देश में अरबपतियों की कुल संख्या अब 350 के पार हो गई है, जो 13 साल पहले लिस्ट शुरू होने के बाद से छह गुना बढ़ोतरी है।

मुंबई से सबसे ज्यादा 451 लोग इस लिस्ट में शामिल इस बार 1,687 व्यक्तियों को शामिल किया गया, जिनकी संपत्ति 1,000 करोड़ से अधिक है। इनमें 284 नए नाम हैं। मुंबई से सबसे अधिक 451 लोग इस लिस्ट में शामिल हुए, इसके बाद दिल्ली (223) और बेंगलुरु (116) हैं। 101 महिलाएं भी इस लिस्ट में शामिल हैं। 2012 में पहली बार जारी हुई थी लिस्ट एम3एम हुरुन इंडिया रिच लिस्ट

▶10पर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29^0

न्यूनतम : 23^0

जेबीएन वी. कनेक्ट और जेएलडब्ल्यू नॉर्थ का संयुक्त औद्योगिक भ्रमण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेबीएन वी. कनेक्ट और जेएलडब्ल्यू नॉर्थ के संयुक्त तत्वावधान में बेंगलूरु के पिन्या स्थित विशाल पॉलीमर्स में एक औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उद्योग जगत की नवीनतम प्रगति एवं तकनीकों को समझना और सदस्य उद्यमियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था।

इस अवसर पर करीब 40 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन रेफरल हेड मीना जैन, रेफरल लीड लीला पितलिया एवं रेफरल सेक्रेटरी सीए सुखदेवी जैन के निर्देशन में हुआ तथा शुरुआत नवकार मंत्र से की गई। भ्रमण के दौरान उद्योग के मालिक अक्षत

जैन ने उपस्थितजनों के साथ अपने अनुभव और ज्ञान को साझा किया। सदस्यों को प्लास्टिक निर्माण प्रक्रिया, रीसाइक्लिंग तकनीकों तथा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपनाई जाने वाली पहल की जानकारी दी गई। बताया गया कि प्लास्टिक निर्माण में क्रूड ऑयल से बने एचबीडी और एनबीडी रेजिन का उपयोग होता है, वहीं प्लास्टिक पर अंकित 1, 2, 4 और 5 नंबर रीसाइक्लिंग में अपेक्षाकृत सरल होते हैं। दूसरी ओर, पॉलीस्टायरीन रीसाइक्लिंग के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने 'रीसाइक्लिंग फर्स्ट' दृष्टिकोण और स्थिरता के महत्व को समझते हुए अपने प्रश्नों के समाधान भी प्राप्त किए। इस भ्रमण ने विशेष रूप से महिला सदस्यों को यह समझने का अवसर दिया कि वे प्लास्टिक रीसाइक्लिंग और पर्यावरण संरक्षण में कैसे योगदान दे सकती हैं। जेबीएन वी. कनेक्ट की लीडरशिप टीम की ओर से विशेष आभार व्यक्त किया गया, जिसमें लक्ष्मी बाफना (अध्यक्षा) और रक्षा छाजेड़ (मुख्य सचिव, जे.एल.डब्ल्यू. बेंगलूरु नॉर्थ) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस आयोजन से न केवल सदस्यों को उद्योग जगत की नवीनतम जानकारी प्राप्त हुई बल्कि उन्हें पर्यावरण संरक्षण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए भी प्रेरणा मिली। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

हिन्दी पखवाड़ का एक भव्य कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आरजेएस फर्स्ट ग्रेड कॉलेज में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में 'हिन्दी पखवाड़' का एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें छात्रों और शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हिन्दी भाषा के महत्व और उसकी समृद्धि को मनाना था। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और गणपती जी की वंदना से हुई। इसके बाद छात्रों ने हिन्दी कविता पाठ, नृत्य, निबंध लेखन, आशु भाषण,

पहेलियाँ, वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में भाग लिया। छात्रों ने हिन्दी साहित्य के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए और हिन्दी भाषा के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. विनय कुमार यादव (बिशप कॉटन वुमेन्स

क्रिश्चियन कॉलेज, बेंगलूरु) ने अपने संबोधन में कहा कि हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा है।

हमें इसको गर्व के साथ अपनाना चाहिए। उन्होंने छात्रों को हिन्दी साहित्य के प्रति अधिक रुचि लेने और इसे अपनी दैनिक जीवन में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नागभूषण रेड्डी ने अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि हिन्दी हमारी सांस्कृतिक धरोहर है और हमें इसे संजोकर रखना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को पुरस्कार और बेंगलूरु सिटी यूनिवर्सिटी में हिन्दी भाषा में उत्तम श्रेणी में अंक पाने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की संचालिका डॉ. ललिता ने सभी का आभार जताया।

नवाह्निक आध्यात्मिक अनुष्ठान का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आचार्यश्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी श्री पुण्ययशाजी के सानिध्य में नवाह्निक आध्यात्मिक अनुष्ठान सानन्द संपन्न हुआ। साध्वी श्री जी ने प्रवचन के दौरान कहा आरोग्य, सौभाग्य आदि भौतिक और आध्यात्मिक लाभ देने वाला यह नवरात्रि अनुष्ठान अक्षय शक्ति का स्रोत है। आध्यात्मिक अनुष्ठान में मंत्र की ध्वनि तरंगों के प्रकंपनों के द्वारा अन्तःकरण में ऊर्जा का विस्फोट होता है, जिसके प्रभाव से हमारी आध्यात्मिक शक्तियाँ जाग जाती है। आध्यात्मिक शक्तियों के जागृत होने पर शरीर के भिन्न-भिन्न चेतना केन्द्र

शक्तिशाली और ज्योतिर्मय होकर रोग, शोक, चिंता आदि भावनात्मक दोषों को नष्ट कर देते हैं। उक्त विचार व्यक्त करते हुए साध्वी जी ने कहा अनुष्ठान के साथ तप जुड़ने से वह अनुष्ठान और अधिक शक्तिशाली बन जाता है। साध्वियों की प्रेरणा से अनेक भाई-बहन अनुष्ठान के साथ-साथ एकासन, आयम्बिल, उपवास आदि तपस्याओं से भी संवृत हुए। इस अवसर पर सीमा सहलोत ने साध्वीश्री से तपस्या का प्रत्याख्यान किया। साध्वी विनितयशाजी, साध्वी वर्धमानयशाजी, साध्वी बोधिप्रभाजी ने गीतिका के माध्यम से तप की अनुमोदना की। ऋद्धि और नवमी-दोनों ने अपनी भुआ के तप की अनुमोदना एक सुमधुर गीतिका से की।

इस अवसर पर ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं, तनीषा सहलोत, पिस्ता पितलिया ने अपने भावों की अभिव्यक्ति दी। तेरापंथ सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने तप की महिमा को उजागर करते हुए तपस्विनी बहन का अभिनंदन किया। कई भाई बहनों ने बेले, तेले की भेंट से तप की अनुमोदना की। मंच का संचालन विपुलानी पितलिया ने कुशलता से किया।

मन हारा तो रावण है, मन जीता तो राम: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने विजयादशमी के अवसर पर समझाते हुए कहा कि विजयादशमी आत्मशुद्धि का महायज्ञ है। यह पर्व हमें आत्मावलोकन का अवसर प्रदान करता है। दशानन रावण के दस मुख काम, क्रोध, लोभ, मद, मोह, मत्सर आदि विकारों के प्रतीक हैं, जो हमारे ही भीतर छिपे दानव हैं। इन विकारों के दहन का संकल्प ही दशहरे का वास्तविक मर्म है। राजा राम थे तो, रावण भी राजा था। परमवीर राम थे तो, रावण भी महाबली था। ज्ञानी राम

थे तो, महाज्ञानी रावण भी था। सन्यासी राम बने तो, संयमी रावण भी रहा। पति धर्म राम ने पूरा किया तो, भ्राता धर्म रावण ने पूर्ण किया। पिता को दिया वचन राम ने निभाया तो, बहन को दिया वचन रावण ने भी निभाया। सत्य राम थे तो झूठा रावण भी नहीं था। फिर युद्ध क्यों? राम की जीत और रावण की हार क्यों? यह युद्ध था ज्ञान और महाज्ञान के सही-गलत उपयोग का। सत्य से ऊपर अति आत्मविश्वास का।

परिजन की सलाह नकारने का। मर्यादा पुरुषोत्तम राम और मतिभ्रम दशानन रावण का। राम नीति और रावण प्रवृत्ति का। त्यागी राम और अहंकारी रावण का। उन्होने कहा कि आइये इस दशहरे पर देश, समाज और अपने अंदर के राम-रावण को पहचाने। ज्ञान और बल के सही-गलत उपयोग को जाने। सत्य और अहंकार के भेद को पहचाने। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि मन हारा तो रावण है, मन जीता तो राम। मन ही मन में चल रहा, देवासुर संग्राम।

मन ही अंगद, मन बजरंगी, मन की शक्ति अपार। मन में हो यदि श्रीराम तो, वानर भी कर जाये लंका पार। अभिषेक का लाभ मनुबाई मोहनलाल जितेन्द्र कुमार रिंकु देवी ने लिया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री मांजीसा भक्त मण्डल ट्रस्ट बेंगलूरु द्वारा निमिशम्मबा देवी कल्याण मंडप में आयोजित नवरात्रि महोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत का सम्मान करते हुए ट्रस्ट के सदस्य। मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर अपने वक्तव्य में कहा शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा के नव रूपों की आराधना का अनादि काल से चला आ रहा सनातन संस्कृति का पर्व है नवरात्रि।

परमात्मा द्वारा अंतिम समय में दी गई श्रेष्ठ वाणी है उत्तराध्ययन सूत्र: साध्वी नंदिनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। साध्वी निर्मला जी के सानिध्य में उत्तराध्ययन सूत्र आराधना के प्रथम अध्ययन का विवेचन करते हुए साध्वी उपासना ने कहा कि परमात्मा महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराध्ययन सूत्र आराधना जगत कल्याण के लिए फरमाई गई है। जिस प्रकार हिंदू धर्म में गीता का महत्व है उसी प्रकार जैन धर्म में उत्तराध्ययन सूत्र का विशिष्ट महत्व है। उत्तराध्ययन यानि परमात्मा द्वारा अंतिम समय में दी गई श्रेष्ठ वाणी।

पहला अध्ययन का विवेचन

करते हुए कहा कि साधना के क्षेत्र में अगर सिद्धि प्राप्त करनी है तो उसकी प्रथम सीढ़ी है विनय धर्म। पहले अध्ययन का विवेचन करते हुए कहा कि साधना के क्षेत्र में अगर सिद्धि प्राप्त करनी है तो उसकी प्रथम सीढ़ी है विनय धर्म। जीवन में विनयवान बने। विनयवान व्यक्ति हर जगह सम्मान पाता है। विनय के बिना गुण संपदा की प्राप्ति नहीं होती। विनयवान व्यक्ति सदगुणों का भंडार सहजता से ही प्राप्त कर लेता है और हर जगह विनय गुण के कारण प्रशंसा का पात्र बनता है। जो अभिमानी होता है वह जीवन में अच्छाइयों को छोड़ बुराईयों को ग्रहण करता है। जो गुणों को छोड़ दुर्गुणों को जीवन में अपनाता है वह अहंकारी और अभिमानी होता है। जो विनयवान होता है वह जीवन में सद्गुणों को ग्रहण करता है।

ग्रहणशीलता से ही गुणों का विकास होता है और गुणों से जीवन में विनय की प्राप्ति होती है। जो विनयवान शिष्य होता है वह आज्ञा के निर्देश का पालन कर सभी को विनयवान बना देता है। विनयवान का सारा संसार पूजा करता है। अभिमानी सब को क्रोधी बना देता है। अगर हम अपने जीवन में महावीर प्रभु के चारित्र का एक प्रतिशत भी आचरण कर लेंगे तो हमारा जीवन सार्थक बन जाएगा।

पूर्व में साध्वी ऋषिता ने उत्तराध्ययन सूत्र का वांचन एवं स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में साध्वी निर्मलाजी ने मंगलपाठ प्रदान किया। श्रीमद उत्तराध्ययन सूत्र आराधना का आयोजन प्रतिदिन प्रातः 8.15 से 10.00 बजे तक रहेगी और 2 से 4 अक्टूबर तक धार्मिक प्रीमियर लीग प्रतियोगिता आयोजित होगी। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

शक्ति योजना ने एक और विश्व रिकॉर्ड बनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। महिला सशक्तिकरण हेतु राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना, शक्ति योजना ने 500 करोड़ महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा टिकटों का एक और विश्व रिकॉर्ड बनाया है। इसे पहले ही गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल किया जा चुका है। परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने चारों राज्य सड़क परिवहन कंपनियों के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और श्रमिक नेताओं को बधाई दी है। शक्ति योजना ने राज्य की महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और व्यावसायिक रूप से सशक्त बनाया है। देश के विभिन्न राज्यों में शक्ति योजना के कार्यान्वयन ने शक्ति योजना की सफलता को दर्शाया है। परिवहन मंत्री ने कहा कि यह गर्व की बात है कि इसे एक और विश्व रिकॉर्ड में शामिल किया गया है। उन्होंने महिला यात्रियों को भी बधाई दी।

धन नहीं पुण्य जीवन की नैया करेगा पार: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि नवपद की आराधना के मंगल पर्व चल रहे हैं। जिसमें देव, गुरु और धर्म पद होते हैं। जब मानव को संकट आता है तो भगवान याद आते हैं। सुख होने पर मनुष्य भगवान को याद ही नहीं करता है। अगर सुख में सुमिरन करें तो दुख आए ही न। भगवान को हर वक्त सुमिरन में रखना चाहिए। अरिहंत भगवान मानव को सिद्ध का स्वरूप बताते हैं। अगर उनका ध्यान रखा जाए तो कर्म कट जाते हैं। तीसरे गुरु भगवन्तों के नायक आचार्य भगवंत को आज नमन कर रहे हैं। ऐसे आचार्य हैं कि पहले खुद पालते हैं फिर दूसरों को पालने की प्रेणना देते है। आचार्य चंद्रमा की तरह होते है। हजारों तारों में जैसे चंद्रमा सुशोभित होता है। वैसे

ही आचार्य होते हैं। हजार के बीच भी वे अलग होते हैं। आचार्य गुरुओं के शिरोमणि होते हैं। जैसे मानव कपड़ा सिलाने जाता है तो दर्जी कपड़े को खंड खंड कर के पुनः अच्छा बना देता है। जिससे मानव बहुत खुश होता है। जैसे सोनार को सोना देने पर वह तपाता है फिर उसे अच्छा बना देता है। ऐसे ही आचार्य भी होते हैं। उनकी कृपा से ही मनुष्य सही मार्ग पर जाता है। महान आचार्य ही संघ को आगे बढ़ाने का काम करते हैं। आचार्य भगवन्तों की कृपा बनने पर मानव जीवन बदल जाता है। कोई उम्र होने से बड़ा और विद्वान नहीं होता हैं। बहुत सारे लोग छोटी उम्र में भी विद्वान बन जाते हैं। उम्र महत्व नहीं रखता है। मनुष्य का गुण महत्वपूर्ण होता है। गुणवान मनुष्य पूजा जाता है। ऐसे ही हमारे आचार्य सुशोभित होते हैं। जैसे लाखों लोगों में राजा सुशोभित होता है। वैसे ही आचार्य सुशोभित होते हैं। ऐसे ही कोई आचार्य नहीं बन जाता है। गुणों का भंडार होने पर आचार्य बनते हैं। आज के समय में थोड़ा होने पर मनुष्य गुमान करने लगता है। लेकिन बड़े बड़े विद्वान गुमान करने से बचते है। गुमान कर के मानव नीच गति को प्राप्त कर रहा है। ऐसे गुमान से मानव को बच जाना चाहिए। धन देख कर मानव गुमान करने लगता है। लेकिन याद रखो धन नहीं पुण्य जीवन की नैया पार करेगा। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन करते हुए बताया कि गुरुवार को आचार्य सम्राट 1008 भूधर जी महाराज साहब की जन्म जयंती एवं स्मृति दिवस मनाई जाएगी। साथ ही विजयादशमी महापर्व भी मनाई जाएगी।

नौ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में विश्व शांति के लिए दी आहूतियां

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज बेंगलूरु शाखा के मार्गदर्शन में गायत्री परिवार, राजपुरोहित संघ व समाज द्वारा 9 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन तुलसी तोट्टा स्थित खेतेश्वर भवन में सम्पन्न हुआ, जिसमें शांतिकुंज के वरिष्ठ प्रतिनिधि एवं दक्षिण भारत प्रभारी नरेंद्र ठाकुर ने अध्यक्षता की। यज्ञ का शुभारंभ शोभा राजपुरोहित द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार से हुआ। कार्यक्रम में बेंगलूरु के सांसद पी सी मोहन और कर्नाटक के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। अतिथियों का स्वागत गायत्री परिवार बेंगलूरु के मुख्य ट्रस्टी हरिशंकर राजपुरोहित एवं राज्य समन्वयक शेखर चतुर्वेदी ने किया। इस आयोजन में शांतिकुंज से लाया गया दिव्य ज्योति कलश मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहा। इस यज्ञ में कुल ग्यारह हजार वैदिक मंत्रों की आहुति दी गई, जिसमें मानव कल्याण व राष्ट्र निर्माण की कामनाएं की गईं। इस कार्यक्रम में बेंगलूरु मध्य के भाजपा जिलाध्यक्ष सप्तगीरि गौड़ा, राजपुरोहित समाज के अध्यक्ष नारायणसिंह तालकीया, राजपुरोहित संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बलवंत सिंह नून सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

कुमारस्वामी मुझे जेल भेजने पर तुले हुए हैं

हिट एंड रन का मामला बहुत हो गया, अब जनता के सामने दस्तावेज पेश करें: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी से उनके निराधार 'हिट एंड रन' जैसे आरोप बंद करने का आह्वान करते हुए, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने उन्हें सार्वजनिक बहस के लिए चुनौती दी। केपीसीसी कार्यालय और विधान सौधा में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कुमारस्वामी मुझ पर 'हिट एंड रन' कर रहे हैं। इसे बंद करने की जरूरत है। मीडिया को खुली बहस करने दीजिए, मैं उनसे सार्वजनिक रूप से भिड़ने के लिए तैयार हूँ। कुमारस्वामी के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि डीके शिवकुमार जल्द ही जेल जा सकते हैं, उन्होंने कहा कुमारस्वामी मुझे जेल भेजने के लिए लंबे समय से साजिश रच रहे हैं। वह अब भी वही बकवास जारी रखे हुए हैं। मैं त्योहार के बाद उन्हें जवाब दूँगा। कुमारस्वामी ने अपनी बात कह दी है, मैं उन्हें शुभकामनाएँ देता हूँ। मेरे परिवार के खिलाफ उनके परिवार की साजिश कोई नई बात नहीं है। अब वह कह रहे हैं कि मैं जल्द ही जेल जा सकता हूँ। मैंने उन्हें विधानसभा में आकर मुझसे बहस करने की चुनौती दी थी, लेकिन वह संसद चले गए। मीडिया को मंच तैयार करने दीजिए, मैं उनसे सार्वजनिक रूप से बहस करूँगा। उनके आरोपों पर खुली बहस हो। मैं दस्तावेज पेश करूँगा, उन्हें अपने दस्तावेज पेश करने दीजिए। किसी को जेल भेजने का अधिकार केवल न्यायाधीशों को ही होता है। कुमारस्वामी एक न्यायाधीश की तरह बात कर रहे हैं, लेकिन वह अपने कई मामलों की सुनवाई के लिए अदालत भी जा रहे हैं।

कुमारस्वामी के इस सुझाव के बारे में पूछे जाने पर कि राज्य सरकार को अधिक धनराशि प्राप्त करने के लिए केंद्र के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध विकसित करने चाहिए, उन्होंने कहा कुमारस्वामी केंद्रीय मंत्री हैं। राज्य प्रतिनिधिमंडल उनके नेतृत्व में दिल्ली जाने को तैयार है। उन्होंने यह भी कहा है कि वे मांड्या और रामनगर जिलों सहित राज्य में उद्योग स्थापित करेंगे और उन्होंने हमारी मदद मांगी है। हमारी सरकार औद्योगिक पार्क स्थापित करने के लिए हर आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। अगर वे अपनी जमीन पर भी उद्योग स्थापित करते हैं तो हम अनुमति देने के लिए तैयार हैं। राजसी संपत्ति के लाभ के लिए बिदादी टाउनशिप बनाने के आरोप के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा मुझे उनसे रियल एस्टेट के बारे में सीखने की जरूरत नहीं है। मैं बेंगलूरुवासी हूँ और मेरी सारी संपत्तियाँ बेंगलूरु में हैं। मैं कोई बाहरी व्यक्ति नहीं हूँ जो बेंगलूरु आकर संपत्तियाँ खरीद ले। ब्राह्मणों की जमीन हड़पने के कुमारस्वामी के आरोप का जवाब देते हुए उन्होंने कहा मैं ऐसा करने के लिए इतना गिर नहीं गया हूँ। उन्हें औपचारिक शिकायत दर्ज करानी चाहिए और जाँच करवानी चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या बेंगलूरु के लिए कंजेशन टैक्स तय किया गया है, उन्होंने कहा यह गलत है। कुछ उद्योगपतियों ने बेंगलूरुवासियों के हित में यह सलाह दी है। यह केंद्र सरकार के समक्ष एक प्रस्ताव होना चाहिए। हमारे पास ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। मंत्रिमंडल फेरबदल पर कुछ मंत्रियों के बयानों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। जिन लोगों को इस बारे में जानकारी है, वे इसके बारे में बताएँगे।

उन्होंने कहा मैं कर्नाटक के लोगों को दशहरा की शुभकामनाएँ देता हूँ। हमने पार्टी कार्यालय और विधान सौधा में आयुध पूजा मनाई। राज्य में अच्छी बारिश हुई है और मैं राज्य के लिए देवी चामुंडेश्वरी का आशीर्वाद चाहता हूँ।

भाजपा दल ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र और विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने मंगलवार को जिले के बारिश और बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर उनका निरीक्षण किया। इस दौरान ज्यादातर किसानों ने प्रस्ताव रखा कि इस क्षेत्र को 'हरित सूखा क्षेत्र' घोषित किया जाए और ज्यादा राहत प्रदान की जाए। कलबुर्गी से लौटते समय, उन्होंने शाहपुर तालुका के सद्यापुर गाँव में योगेश मल्लिकार्जुन के खेत का दौरा किया। जैसे ही भाजपा दल खेत में दाखिल हुआ, योगेश ने कहा तीन महीने की फसल, अगर और हफ्ते बीत जाते, तो लाखों रुपये की होती। लेकिन बारिश ने सब कुछ बहा दिया। एक भी अधिकारी हमसे मिलने नहीं आया, न ही हमारी शिकायतें सुनी गईं।

मौजूदा फसल को हटाकर दोबारा बोने के लिए पैसे नहीं हैं, और बोई गई फसल के आने की भी कोई उम्मीद नहीं है। हम भीषण सूखे का सामना कर रहे हैं। इसके बाद, वे वडगेरा तालुका के बाढ़ प्रभावित नाइकल गाँव गए। उन्होंने पानी में डूबे घरों का दौरा किया और समस्याएँ सुनीं। उन्होंने शाहपुर रोड पर धान के खेतों का भी दौरा किया। वहाँ इंतजार कर रहे किसानों ने सूखा घोषित करने और अधिक मुआवजा देने की माँग की। वहाँ से टीम बेंडेगुम्बल्ली गई और भीमा नदी की बाढ़ से क्षतिग्रस्त फसलों और घरों का निरीक्षण किया। उन्होंने शिवपुरा के ग्रामीणों से मुलाकात की, जो मोरारजी देसाई आवासीय विद्यालय में रह रहे हैं। वहाँ के लोगों ने शिवपुरा गाँव को स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था। इस अवसर पर भाजपा रायता मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ए.एस. पाटिल नदहल्ली, नगर परिषद अध्यक्ष कलालिथा अना-पुरा, जो राज्य सचिव भी हैं, भाजपा जिला अध्यक्ष बसवराज विभूतिहल्ली, नेता अमरनाथ पाटिल, अमीन रेड्डी यालागी, शरणभूपाल रेड्डी, रचना गौड़ा मुदनाल, महेशारेड्डी मुदनाल, ना-गरत्न कुप्पी, चन्द्रशेखर गौड़ा मगनूर, देविन्द्रनाथ नाडा, देवराज नायक उल्लेसुगुरा और कई अन्य उपस्थित थे।

जम्बू सवारी-पंजिना परेड देखने के लिए केवल पास के साथ प्रवेश

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विश्व प्रसिद्ध जम्बू सवारी की उल्टी गिनती शुरू हो गई है, और पुलिस विभाग ने सुरक्षा की दृष्टि से जम्बू सवारी परेड और पंजिना परेड के लिए कई नियम लागू किए हैं। पंजिना परेड और जम्बू सवारी को व्यवस्थित ढंग से आयोजित करने के लिए, केवल निर्दिष्ट पास धारकों को ही प्रवेश की अनुमति होगी।

बिना पास वालों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। कार्यक्रम में आने वाले लोगों को अपने वाहन निर्दिष्ट स्थान पर ही पार्क करने होंगे। जिन सड़कों से जम्बू सवारी गुजरती है,

वहाँ कई जर्जर इमारतें हैं, और इस बार इमारतों पर चढ़कर देखना प्रतिबंधित है। सुरक्षा के लिए तैनात पुलिस द्वारा दिए गए निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन किया जाना चाहिए। मैसूरु पुलिस आयुक्त सीमा लाटकर ने कहा कि बेंगलूरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ और हाल ही में अभिनेता विजय की रैली में हुई घटनाओं को ध्यान में रखते हुए, ये कदम जनता के हित में उठाए गए हैं।

असमानता खत्म करने के लिए सर्वेक्षण जरूरी: सीएम सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सर्वेक्षण का बचाव करते हुए कहा है कि समाज में असमानता है और इसे दूर करने के लिए सर्वेक्षण के आँकड़े जरूरी हैं। यह जानने के लिए सर्वेक्षण जरूरी है कि कौन सी जाति के लोग निरक्षर, गरीब, भूमिहीन आदि हैं। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा है कि जाति सर्वेक्षण से समाज का उत्थान नहीं हो सकता।

उन्हें पाप का पता नहीं, समाज में असमानता है। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर की इच्छा थी कि समानता का निर्माण हो।

समानता लाने के लिए असमानता को दूर करना होगा। इसके लिए कमजोर लोगों को समाज की मुख्यधारा में आने का अवसर मिलना चाहिए। इसके लिए कल्याणकारी कार्यक्रम बनाने हेतु आँकड़े जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि हम इसे इकट्ठा करने के लिए सर्वेक्षण कर रहे हैं। भाजपा चाहती है कि समाज में असमानता बनी रहे। उन्होंने कहा कि भाजपा चाहती है कि एक खास जाति सबसे ऊपर रहे और कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और राज्य सरकार के आग्रह पर केंद्र सरकार भी जाति जनगणना कराने की दिशा में आगे बढ़ रही है। राज्य के बाकी जिलों की तुलना में, लगभग 95 प्रतिशत बाढ़ उत्तरी कर्नाटक के लगभग 9 जिलों में आई। उन्होंने कहा कि बेलगावी, विजयपुरा, बागलकोट, बीदर, यादगीर, रायचूर, हुब्बल्ली, धारवाड़ और गदग जिले बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के इस बयान पर कि राज्य सरकार संघर्ष का रास्ता छोड़कर केंद्र सरकार से मुआवजा देने का प्रस्ताव पेश करे, प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कुमारस्वामी का बयान स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि हम केंद्र से अनुरोध करेंगे। मुआवजा दिया जाए। लेकिन जब 2023 में राज्य में सूखा पड़ा, तो केंद्र सरकार ने सूखा राहत नहीं दी, बल्कि सुप्रीम कोर्ट जाकर मुआवजा ले लिया। उन्होंने कहा कि अगर कुमारस्वामी अब मुआवजा देते हैं, तो यह स्वागत योग्य होगा। उन्होंने कहा कि वह मैसूरु दशहरा समारोह के लिए वहाँ जा रहे हैं और जंबू सवारी और पंजिना परेड में भाग लेंगे।

मैसूरु पैलेस में शस्त्र पूजा समारोह आयोजित

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

महल में बुधवार को शस्त्र पूजन को लेकर काफी उत्साह रहा। मैसूरु के अंबाविलास महल में शस्त्र पूजन हुआ और महाराजा यदुवीर कृष्णदत्त चामराज वॉडियार ने पूजन किया।

सुबह 6 बजे चंडिका होम शुरू हुआ और फिर 7.55 बजे शस्त्रों को पालकी में कोडी सोमेश्वर मंदिर ले जाया गया।

इन शस्त्रों को साफ करके महल वापस भेज दिया जाएगा। इन शस्त्रों को महल के हाथी द्वार से कल्याण मंडप तक ले जाया गया, उन्हें जोड़ा गया और सिंहासन पर लगे सिंह की पूजा की गई। इसके बाद, यदुवीर वॉडियार ने राज पुरोहितों के मार्गदर्शन में शस्त्र पूजन किया।

यदुवीर ने करिकाल्लु तालाब में पूजन किया। साथ ही, महल में मौजूद हाथी, घोड़े, ऊँट, गाय और आलीशान कार व अन्य वाहनों की भी पूजा की गई। शाम को एक निजी दरबार लगा और राजा ने बेलीद्वार से प्रवेश किया। दरबार के बाद, पुलिस बैंड द्वारा संस्थान गीत बजाई गई। सभा के सदस्यों ने राजा को सम्मान और सुरक्षा प्रदान की।

महलों का शहर जम्बूसवारी जुलूस के लिए पूरी तरह तैयार

सीएम आज करेंगे पूजा

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

महलों का शहर जम्बूसवारी जुलूस के लिए पूरी तरह तैयार है, जो दशहरा महोत्सव का सबसे महत्वपूर्ण आकर्षण है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया गुरुवार दोपहर 1 से 1.18 बजे के बीच शुभ धनु लग्न पर कोटे अंजनेय स्वामी मंदिर के पास नंदी ध्वज पूजा करेंगे। जुलूस के बाद, मुख्यमंत्री शाम 4.42 से 5.06 बजे के बीच शुभ कुंभ लग्न पर देवी चामुंडेश्वरी को स्वर्ण पालकी में ले जाने वाले हाथी अभिमन्यु को पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इस बार, 60 स्थिर चित्रों सहित सौ से अधिक विभिन्न कला समूह जुलूस में शामिल होंगे। सबसे पहले, नंदी ध्वज जुलूस में शामिल होगा, उसके बाद निशान और नोपथ हाथी जुलूस में शामिल होंगे। इसके साथ ही, पुलिस बल, घुड़सवार सेना, पुलिस बैंड और मंगला वाद्य के साथ जम्बू सावरी जुलूस महल से बन्नी मंडप तक जाएगा। जुलूस में विभिन्न कला समूहों के बीच स्थिर चित्र भी चलेंगे। जम्बू सवारी देखने के लिए मैसूरु पैलेस परिसर में 45,000 बैठने की व्यवस्था की गई है। गोल्ड कार्ड टिकट और पास धारकों के लिए अलग-अलग बैठने की व्यवस्था की गई है। मैसूरु जिला प्रशासन और नगर पुलिस ने जम्बू सवारी जुलूस के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाए हैं। इस बार, पुलिस ने जनता को जम्बू सवारी जुलूस के मार्ग में पुरानी और जर्जर इमारतों और पेड़ों पर चढ़कर विजयादशमी जुलूस देखने से रोकने के लिए उपाय किए हैं। 6384 नागरिक और यातायात पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। सुरक्षा के लिए 35 केएसआरपी प्लाटून, 15 सीएआर और डीआर प्लाटून, 29 एएससी, एक गरुड़ बल और 1500 होमगार्ड भी तैनात किए गए हैं। इनके साथ, 35 डीएसपी और 140 निरीक्षक भी सुरक्षा का कार्यभार संभालेंगे। पुलिस विभाग द्वारा जम्बू सावरी मार्ग पर 220 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

एफएसएल रिपोर्ट ने धर्मस्थल मामले में तीन नर खोपड़ियों की बरामदगी की पुष्टि की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

धर्मस्थल में दफनाने के संबंध में चिन्नय्या द्वारा लगाए गए आरोपों की विशेष जाँच दल (एसआईटी) द्वारा की गई जाँच के दौरान बरामद खोपड़ियों पर फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई है। एफएसएल रिपोर्ट के अनुसार, तीन खोपड़ियों और अस्थि अवशेषों की जाँच की गई, जिनमें चिन्नय्या द्वारा अदालत में पेश की गई खोपड़ी भी शामिल है। रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला गया कि चिन्नय्या द्वारा प्रस्तुत खोपड़ी लगभग 40 वर्ष की आयु के एक पुरुष की थी। स्थल संख्या 6 से बरामद एक दूसरी खोपड़ी और हड्डियों की पहचान 25 से 30 वर्ष की आयु के एक पुरुष के रूप में हुई। स्थल संख्या 15 पर पेड़ की जड़ों के पास मिले अवशेषों का तीसरा समूह 35 से 39 वर्ष की आयु के एक पुरुष का पाया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि तीनों व्यक्तियों की मृत्यु का कारण पता नहीं चल सका। हड्डियों पर फ्रैक्चर या हमले से संबंधित चोटों के कोई निशान नहीं पाए गए। संभावित जहर की जाँच के लिए आगे के परीक्षण किए जा रहे हैं, और नमूने अहमदाबाद स्थित एफएसएल को भेजे गए हैं। इस बीच, बंगलेगुड्डा में बाद में हुई खुदाई के दौरान, सात अतिरिक्त खोपड़ियाँ और कंकाल मिले। इन नमूनों को अभी फोरेंसिक जाँच के लिए भेजा जाना बाकी है।

घर में रहस्यमय विस्फोट में घायल दम्पति की मौत

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

पुलिस ने बुधवार को बताया कि हासन जिले के अलूर तालुका स्थित एक घर में हुए रहस्यमयी विस्फोट में गंभीर रूप से घायल हुए एक दंपत्ति की बेंगलूरु के एक अस्पताल में मौत हो गई। सुदर्शन (32) और काव्या (28) को आगे के इलाज के लिए हासन जिले से बेंगलूरु के विक्टोरिया अस्पताल ले जाया गया। हालाँकि, इलाज के अभाव में मंगलवार देर रात उनकी मौत हो गई। सोमवार रात हासन जिले के अलूर तालुका स्थित उनके घर में विस्फोट हुआ। शुरुआत में, यह संदेह था कि यह सिलेंडर विस्फोट हो सकता है। हालाँकि, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस अभी तक विस्फोट के सही कारण की पुष्टि नहीं कर पाई है। पुलिस के अनुसार 29 सितंबर को मोहन कुमार द्वारा अपने घर में हुए विस्फोट के बारे में दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर अलूर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता के अनुसार, सोमवार रात लगभग 8.30 बजे, वह, उनका बेटा, बहू और पोते-पोतियाँ घर पर थे, तभी उन्होंने शौचालय के पास एक विस्फोट की आवाज सुनी। पुलिस ने बताया कि विस्फोट में उनके बेटे और बहू गंभीर रूप से घायल हो गए। मोहन कुमार और उनके पोते-पोतियाँ, जो घर की लॉबी में थे, बाल-बाल बच गए। उन्होंने कहा हमारी जाँच के अनुसार, विस्फोट उस समय हुआ जब काव्या और सुदर्शन घर के गलियारे में कुछ काम कर रहे थे। शिकायतकर्ता के बयान के अनुसार, यह संदेह है कि यह सिलेंडर विस्फोट या किसी अन्य वस्तु का विस्फोट हो सकता है। हम इस मामले की जाँच कर रहे हैं।

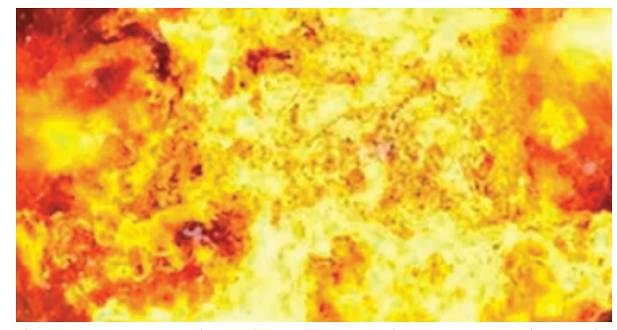

बेंगलूरु में शस्त्र पूजा, मंदिरों में विशेष पूजा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य भर में बुधवार को शस्त्रों का उत्सव मनाया गया और शहर के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धापूर्वक विशेष पूजा-अर्चना की गई। मंगलवार से ही सरकारी कार्यालयों, उद्योगों और निजी कार्यालयों में शस्त्र पूजा की जा रही थी और बुधवार को भी कई जगहों पर पूजा-अर्चना की गई। कुछ लोगों ने अपने घरों के पास अपने वाहनों की सफाई और सजावट की और पूजा-अर्चना की, जबकि अन्य ने प्रमुख मंदिरों के पास वाहनों पर कद्दू फेंककर पूजा-अर्चना की। गली अंजनेय मंदिर, विजयनगर स्थित मारुति मंदिर, बनशंकरी मंदिर, राजाजीनगर स्थित राम मंदिर, गवी गंगाधरेश्वर, कडु मल्लेश्वर आदि सहित विभिन्न मंदिरों में विशेष फूलों की सजावट की गई और सुबह से ही पूजा-अर्चना की गई। चूँकि बुधवार और गुरुवार को छुट्टी है, इसलिए लोगों ने सुबह अपने वाहनों में ही पूजा-अर्चना की और अपने शहरों, मंदिरों और पर्यटन स्थलों की ओर प्रस्थान किया। शहर में जल सेवा केंद्रों के सामने लोग अपने वाहनों को धोने और फिर उन्हें ले जाने के लिए कतारों में खड़े देखे गए।

शिवकुमार ने सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री और बेंगलूरु विकास मंत्री डी.के. शिवकुमार ने मंगलवार शाम को कहा कि शहर भर में अब तक 13,000 गड्ढे भरे जा चुके हैं, और प्रत्येक गड्ढे की फोटो और वीडियो रिकॉर्डिंग भी की गई है। उन्होंने शहर में सड़क निर्माण कार्यों के निरीक्षण के दौरान मीडिया को इन दावों की पुष्टि के लिए आमंत्रित किया। शिवकुमार ने चल रहे कार्यों की समीक्षा के बाद संवाददाताओं से कहा अधिकारी सरकारी आदेशों का पालन कर रहे हैं और गड्ढे भरने का काम कर रहे हैं। मैंने निर्देश दिया है कि 550 किलोमीटर प्रमुख सड़कों के विकास के लिए 1,100 करोड़ की कार्य योजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि प्रमुख सड़कों के जंक्शनों पर कंक्रीट बिछाने में लगभग 26 दिन लगेंगे और इस दौरान यातायात प्रबंधन पर चर्चा चल रही है। उन्होंने कहा मैं बेंगलूरु की सड़कों के लिए एक स्थायी समाधान प्रदान करने का प्रयास कर रहा हूँ। मुख्यमंत्री ने गड्ढे भरने के लिए 750 करोड़ देने का भी आश्वासन दिया है। वार्ड स्तर के विकास के संबंध में, शिवकुमार ने घोषणा की कि विधायकों को उनके निर्वाचन क्षेत्रों में सड़क सुधार के लिए विशेष रूप से 1,100 करोड़ जारी किए जाएँगे। शहर के कचरा प्रबंधन की समस्याओं पर बात करते हुए, मंत्री ने स्वीकार किया कि समस्या अभी भी बनी हुई है। कांग्रेस कार्यालय जाते समय, मैंने देखा कि किसी ने जयमहल रोड पर रातोंरात एक ट्रक कचरा फेंक दिया था। मैंने अधिकारियों को सीसीटीवी कैमरों के जरिए अपराधी का पता लगाने, मामला दर्ज करने और वाहन को जब्त करने का निर्देश दिया है। साथ ही, उन्होंने कचरा निपटान में जनता के सहयोग की कमी की ओर भी इशारा किया। जब पत्रकारों ने बेंगलूरु में भीड़भाड़ कर लगाने की योजना के बारे में पूछा, तो शिवकुमार ने उन्हें खारिज कर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया यह झूठ है। हो सकता है कि कुछ उद्योगपतियों ने केंद्र सरकार को इसका सुझाव दिया हो, लेकिन हमारे सामने ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

अलग-अलग दुर्घटनाओं में बुजुर्ग महिला समेत दो की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चिक्कबनवारा में एक कार ने रिवर्स करने की कोशिश में 65 वर्षीय महिला को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान दशरहल्ली निवासी गंगम्मा के रूप में हुई है। वह अपने परिवार के साथ मंदिर में दर्शन करने आई थीं। मंदिर में दर्शन करने के बाद, वह बाहर आईं और सीढ़ियों पर बैठकर अपने परिवार का इंतजार कर रही थीं। इसी बीच, मंदिर में दर्शन करने आए एक कैब ड्राइवर ने कार पास में ही खड़ी कर दी और रिवर्स करने की कोशिश में महिला को टक्कर मार दी। राहगीर दौड़कर उनकी मदद के लिए आए और खून से लथपथ गंगम्मा को पास के अस्पताल ले गए, जहाँ बाद में उनकी मौत हो गई। दुर्घटना के तुरंत बाद आरोपी कार लेकर फरार हो गया। चिक्कबनवारा पुलिस ने टक्कर मारकर भागने का मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश जारी है। एक अन्य घटना में, सोमवार को मधुगिरी रोड पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने 36 वर्षीय एक मजदूर की मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक हनुमंत काम से घर लौट रहे थे जब यह घटना घटी। डोबस्पेट पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जाँच कर रही है।

निर्माणाधीन इमारत में भूस्खलन से दो मजदूरों की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मडीवाला के सिद्धार्थ कॉलोनी में एक निर्माणाधीन इमारत में मिट्टी का ढेर गिरने से दो मजदूर जिंदा दब गए, जबकि एक घायल हो गया। मृतकों की पहचान 33 वर्षीय रजाउद्दीन और 32 वर्षीय लाल मुद्दीन के रूप में हुई है। उनका दोस्त 28 वर्षीय सफाउल घायल हो गया। तीनों झारखंड के मूल निवासी हैं। वे एक बहुमंजिला इमारत का खंभा खड़ा करने के लिए मिट्टी खोद रहे थे। तीन मजदूर गड्ढे के अंदर थे, जबकि कुछ अन्य ऊपर खड़े थे।

पुलिस के अनुसार, यह घटना मंगलवार शाम करीब 7 बजे हुई। जब मिट्टी का ढेर गड्ढे के अंदर मौजूद लोगों पर गिरा, तो बाहर मौजूद मजदूरों ने शोर मचाया और उनमें से एक को बाहर निकालने में कामयाब रहे, जबकि दो अन्य के शव बाद में अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने बरामद किए। मृतकों में से एक के भाई साकिब अंसार की शिकायत के आधार पर, पुलिस ने इमारत के मालिक, ठेकेदार और इंजीनियर के खिलाफ लापरवाही के कारण मौत का मामला दर्ज किया है।

पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना ने बलात्कार मामले में दोषसिद्धि को कर्नाटक उच्च न्यायालय में चुनौती दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व जद(एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना ने बलात्कार के एक मामले में अपनी दोषसिद्धि के खिलाफ कर्नाटक उच्च न्यायालय में अपील दायर की है। अगस्त में रेवन्ना को दोषी ठहराने वाली एक विशेष अदालत ने उनके खिलाफ दर्ज चार यौन शोषण और बलात्कार के मामलों में से एक में उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी और जुर्माना भी लगाया था।

सांसदों, विधायकों की विशेष अदालत के न्यायाधीश संतोष गजानन भट, जिन्होंने 2 अगस्त को आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी राजनेता को सजा सुनाई थी, ने उन पर कुल 11.50 लाख का जुर्माना लगाया था और कहा था कि इस जुर्माने की राशि में से 11.25 लाख पीड़िता को दिए जाएँगे। जर्मनी से लौटने के बाद मई 2024 में गिरफ्तार किए गए रेवन्ना कई आधारों पर फैसले को चुनौती दे रहे हैं, जिनमें पीड़िता की गवाही में विरोधाभास और अभियोजन पक्ष द्वारा पेश किए गए सबूतों में विसंगतियां शामिल हैं। जिस मामले में प्रज्वल को सजा सुनाई गई है, वह एक 48 वर्षीय महिला से जुड़ा है, जो कर्नाटक के हासन जिले के होलेनरसीपुरा स्थित परिवार के गन्निकाडा फार्महाउस में सहायिका के रूप में काम करती थी। 2021 में उसके साथ कथित तौर पर दो बार बलात्कार किया गया - हासन फार्महाउस और परिवार के बेंगलूरु स्थित आवास पर - और इस कृत्य को आरोपी ने अपने मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड कर लिया था। निचली अदालत ने उसे दोषी ठहराने के लिए वीडियो फुटेज, बालों के रेशों के डीएनए विश्लेषण और पीड़िता के कपड़ों पर पाए गए जैविक निशानों सहित कई सबूतों का सहारा लिया था। अपनी याचिका में, रेवन्ना ने तर्क दिया है कि शिकायतकर्ता का बयान उसकी पुलिस शिकायत से मेल नहीं खाता है। उन्होंने कुछ सबूतों की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाए हैं, उदाहरण के लिए, उन्होंने बताया कि मई 2024 में जांचे गए गद्दे पर लगे दाग कथित तौर पर हमले के समय से साफ नहीं किए गए थे, जो जनवरी 2021 और जनवरी 2022 के बीच हुआ बताया गया है।

उनकी याचिका में शिकायत दर्ज करने में देरी और इस तथ्य का भी हवाला दिया गया है कि पीड़िता बाद में 2023 में उसी फार्महाउस में एक गृह प्रवेश समारोह में शामिल हुई थी। विशेष अदालत ने रेवन्ना को धारा 376(2)(के) के तहत आजीवन कारावास और 5 लाख जुर्माने की सजा सुनाई है, और धारा 376(2)(एन) के तहत आजीवन कारावास, जिसका अर्थ है शेष प्राकृतिक जीवनकाल, और 5 लाख जुर्माने की सजा सुनाई है। उन्हें धारा 354ए के तहत 3 साल के कठोर कारावास और 25,000 जुर्माने, धारा 354बी के तहत 7 साल के कठोर कारावास और 50,000 जुर्माने, धारा 354सी के तहत 3 साल के कठोर कारावास और 25,000 जुर्माने की सजा सुनाई गई है।

उन्हें धारा 506 के तहत 2 साल के कठोर कारावास और 10,000 के जुर्माने, धारा 201 के तहत 3 साल के कारावास और 25,000 के जुर्माने, और आईटी अधिनियम की धारा 66ए के तहत 3 साल के कारावास और 25,000 के जुर्माने की सजा सुनाई गई है। पिछले हफ्ते, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने रेवन्ना की एक याचिका खारिज कर दी, जिसमें उन्होंने पक्षपात का आरोप लगाते हुए दो अन्य मामलों को वर्तमान में सुनवाई कर रहे न्यायाधीश से स्थानांतरित करने की मांग की थी। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने प्रज्वल रेवन्ना की मुकदमे को किसी अन्य सत्र न्यायालय में स्थानांतरित करने की याचिका खारिज कर दी। अदालत ने अभी तक उनकी नवीनतम अपील पर सुनवाई निर्धारित नहीं की है।

सीएम ने मल्लिकार्जुन खड़गे के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से अस्पताल में मुलाकात की, उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मल्लिकार्जुन खड़गे मंगलवार को नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए एमएस रमैया अस्पताल गए थे। उन्हें सांस लेने में तकलीफ के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कुशल डॉक्टरों की एक टीम गहन चिकित्सा इकाई में खड़गे का इलाज कर रही है। बुधवार सुबह मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरणप्रकाश पाटिल और कई अन्य लोग अस्पताल गए और खड़गे के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली।

विधान परिषद सदस्य एम.आर. सीताराम, पूर्व सदस्य यू.बी. वेंकटेश और अन्य लोग उनके साथ थे। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे का स्वास्थ्य अच्छा है।

उन्होंने सभी से आराम से बात की। वह नियमित जांच के लिए आए थे और इलाज के लिए भर्ती हुए थे। उन्होंने कहा कि वह कल अस्पताल से छुट्टी ले लेंगे।

हम जाति जनगणना के मुद्दे पर भ्रम पैदा नहीं कर रहे: सांसद

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

सांसद गोविंद करजोल ने मंगलवार को कहा कि हम जाति जनगणना के मुद्दे पर भ्रम पैदा नहीं कर रहे हैं। कांग्रेस सरकार और उसका आलाकमान भ्रम पैदा कर रहे हैं।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर कोई आर्थिक और शैक्षणिक चिंता है, तो सिद्धरामैया 2013 से 2018 तक मुख्यमंत्री थे। कांताराजू को नियुक्त किया गया और रिपोर्ट ली गई। 180 करोड़ खर्च करने वाली उस रिपोर्ट का क्या हुआ? उन्होंने सिद्धरामैया पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उसे कूड़ेदान में फेंक दिया गया। हम गुमराह नहीं कर रहे हैं। सिद्धरामैया-कांग्रेस पार्टी गुमराह कर रही है। उन्होंने उस समय जाति के आंकड़े जारी किए थे। जो आंकड़े गुप्त रखे जाने चाहिए थे, उन्हें गुप्त क्यों नहीं रखा गया। क्या ईसाई लिंगायत हैं? क्या जैन पंचमसाली हैं? क्या ईसाई दलित हैं? उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति धर्म परिवर्तन के दिन से धर्मांतरण नहीं करता है, लेकिन धर्म परिवर्तन के दिन से, उसका पिछला धर्म उसकी जिम्मेदारी नहीं रह जाता है। पिछले धर्म से नाता टूट जाता है। अगर वह धर्मांतरण करता है, तो ईसाई ही रहेगा और अगर मुसलमान बनता है, तो इस्लामी ही रहेगा।

खड़गे को नियोजित प्रक्रिया के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के आईटी मंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे ने अपने पिता के स्वास्थ्य पर एक अपडेट साझा करते हुए कहा कि वह स्थिर हैं और अच्छा कर रहे हैं। बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट में प्रियांक ने कहा खड़गे को पेसमेकर लगाने की सलाह दी गई है और उन्हें नियोजित प्रक्रिया के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उनकी हालत स्थिर है और वे अच्छा कर रहे हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को बुधवार सुबह चिकित्सा उपचार के लिए बेंगलूरु के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस बीच, खड़गे 7 अक्टूबर को कोहिमा का दौरा करेंगे और नागा सॉलिडेरिटी पार्क में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करेंगे।

नागालैंड प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष एवं लोकसभा सांसद एस. सुपोंगमेरेन जमीर ने कोहिमा स्थित कांग्रेस भवन में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान यह घोषणा की। जमीर के अनुसार, कांग्रेस को इस रैली में कम से कम 10,000 लोगों के जुटने की उम्मीद है। सुरक्षित लोकतंत्र, सुरक्षित धर्मनिरपेक्षता और सुरक्षित नागालैंड' की थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में युवा रोजगार, उद्यमिता, सुशासन और सड़क संपर्क जैसे प्रमुख मुद्दों पर भी प्रकाश डाला जाएगा। बयान में कहा गया है कि रैली के बाद खड़गे और कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति, समर्थक समिति और जिला कांग्रेस समितियों (डीसीसी) के अध्यक्षों के बीच अलग-अलग बैठकें होंगी।

जेल में बंद पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति पर हमला

कैदी ने रॉड से मारा परिवार ने लगाया साजिश का आरोप

लखनऊ, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। लखनऊ जिला जेल में बंद पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति पर मंगलवार की शाम एक बंदी ने हमला कर दिया। बंदी ने लोहे की रॉड से गायत्री प्रजापति का सिर फोड़ दिया। प्रजापति के सिर में छह टांके लगे हैं। पूर्व मंत्री पर हमले के बाद उनके परिवार ने उनकी सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। परिवार ने हमले को साजिश का हिस्सा बताया है।

अस्पताल से निकलते समय प्रजापति ने बताया कि उन पर एक सजायाफ्ता कैदी विश्वास ने चाकू से हमला किया। उनकी बेटी अंकिता प्रजापति ने कहा कि उनके पिता पिछले आठ वर्षों से एक ऐसे अपराध (सामूहिक दुष्कर्म) के लिए जेल में हैं जो उन्होंने कभी किया ही नहीं। आरोपी (महिला) का मेडिकल नहीं कराया गया और पिता को आजीवन कारावास की सजा सुना दी गई। हमारी बात नहीं सुनी गई। हमने मुख्यमंत्री से मिलने और मदद करने का अनुरोध किया। मेरे पिता निर्दोष हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पिता की जान को खतरा है और जेल में उनकी सुरक्षा बढ़ाई जानी चाहिए। अमेठी से सपा विधायक और गायत्री की पत्नी महाराजी प्रजापति ने कहा कि जेल में जो कुछ भी हुआ वह एक साजिश थी। उन्होंने कहा कि जब सुई भी अंदर नहीं पहुंच सकती, तो चाकू जेल में कैसे पहुंच गया? मैं सरकार से अपने पति के साथ न्याय की मांग करती हूं।

पुलिस ने बताया कि अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री रहे प्रजापति पर एक साथी कैदी ने हमला कर दिया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि झगड़े के दौरान कैदी ने कथित तौर पर प्रजापति पर अलमारी की एक स्लाइडिंग हिस्से से प्रहार किया, जिससे उन्हें चोट आई। प्रजापति अब पूरी तरह से ठीक हो गए हैं। प्रजापति दुष्कर्म सहित कुछ मामलों में न्यायिक हिरासत में हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उन पर हुए कथित हमले की न्यायिक जांच की मांग की है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री गायत्री प्रजापति पर जेल में हुए जानलेवा हमले की निष्पक्ष न्यायिक जांच होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश में कहीं भी कोई सुरक्षित नहीं है।

लखनऊ जिला जेल में बंद पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति पर मंगलवार की शाम एक बंदी ने हमला कर दिया। बंदी ने लोहे की रॉड से गायत्री प्रजापति का सिर फोड़ दिया। जेल के चिकित्सक ने छह टांके लगाते हुए प्राथमिक उपचार किया। मौके पर जेल अधीक्षक व जेलर समेत अन्य अधिकारी भी पहुंच गए। चोट को देखते हुए पूर्व मंत्री को कड़ी सुरक्षा के बीच ट्रॉमा सेंटर भेजा गया। सामूहिक दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे गायत्री प्रजापति डायबिटीज, बीपी, किडनी, कमर दर्द समेत अन्य बीमारियों से ग्रसित हैं।

इसी वजह से उन्हें जेल अस्पताल में रखा गया है। जेल अफसरों के मुताबिक, मंगलवार की शाम करीब साढ़े छह बजे उन्होंने अस्पताल में साफ सफाई करने वाले बंदी विश्वास को पानी देने के लिए बुलाया था। पानी लाने में देरी होने पर गायत्री ने बंदी से कुछ कह दिया। इस पर दोनों में बहस हो गई। नाराज बंदी ने मेज की दराज से एक छोटी लोहे की रॉड निकाली और उनके सिर पर ताबड़तोड़ कई वार कर दिए। पूर्व मंत्री सिर पकड़ कर बैठ गए। डॉक्टर ने मरहम पट्टी करके उन्हें केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर भेजा।

यूपी : जेल से निकलने के बाद भी कम नहीं होंगी पूर्व विधायक इरफान सोलंकी की मुश्किलें

पुलिस की बड़ी चूक आई सामने

लखनऊ, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। कानपुर की सीसामऊ सीट से पूर्व विधायक इरफान सोलंकी को जमानत मिलने के बाद भी उनकी मुश्किलें कम नहीं हुई हैं। इरफान के खिलाफ जांच कर रहा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अगले सप्ताह उनके खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल करने की तैयारी में है, जिसके बाद इरफान पर कानूनी शिकंजा और मजबूत होगा। वहीं दूसरी ओर इरफान और उनके करीबी परिजनों की संपत्तियों की ईडी जांच में फिलहाल अड़चन पैदा हो गई है। ईडी उनकी संपत्तियों पर कार्रवाई के लिए दूसरे तरीके आजमाने की तैयारी में है।

सूत्रों की मानें तो इरफान सोलंकी के खिलाफ पुलिस द्वारा दर्ज मुकदमों के आधार पर ईडी ने भी प्रिवेंशन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी और इरफान व उनके करीबियों के ठिकानों पर छापे मारकर अहम सुबूत जुटाए थे। ईडी ने इरफान की कानपुर और मुंबई की कई संपत्तियों का भी पता लगाया था।

हालांकि संपत्तियों की जांच में पुलिस द्वारा दर्ज मुकदमों में हुई चूक की वजह से कार्रवाई नहीं हो सकी। दरअसल, पुलिस ने इरफान के खिलाफ दर्ज मुकदमों में ऐसी कोई धारा नहीं लगाई, जिसके तहत मनी लांड्रिंग एक्ट की कार्रवाई की जा सके। अब ईडी इरफान के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले की जांच कर संपत्तियों को जब्त करने की तैयारी में है। खासकर कानपुर के जिस बिल्डर के साथ उन्होंने बेशकीमती जमीनें खरीदी थीं, उसे बेनामी एक्ट के तहत जब्त किया जाएगा। इसके लिए ईडी के अधिकारी इरफान द्वारा चुनावों में घोषित संपत्तियों के साथ उनके आयकर विवरण की भी गहनता से पड़ताल कर रहे हैं।

कीचड़ के छींटे पड़ने से नाराज स्कूटर सवार को ड्राइवर ने कीचड़ धोने में की मदद

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सुब्रमण्यम-कडाबा राज्य राजमार्ग पर नेट्टाना पुल के पास एक घटना घटी जब एक स्कूटर सवार ने केएसआरटीसी बस द्वारा उसके वाहन पर कीचड़ उछालने पर अपना गुस्सा जाहिर किया। सवार ने बस रोकी और कंडक्टर व ड्राइवर से भिड़ गया, तथा उन्हें इस घटना के लिए डाँटा। हालाँकि कर्मचारियों ने उसे शांत करने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माना। सूत्रों ने बताया कि आखिरकार, बस चालक दल ने पास के एक नाले से बाल्टी में पानी भरकर स्कूटर से कीचड़ धोने में मदद की, जिससे सवार शांत हो गया।

तटीय कर्नाटक में 15 नवंबर से शुरू होगा कंबाला सीजन

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तटीय कर्नाटक में बहुचर्चित कम्बाला भैंसा दौड़ का मौसम 15 नवंबर से शुरू होने वाला है, जिससे ऑफ-सीजन के बाद यह रोमांचकारी पारंपरिक खेल फिर से वापस आ जाएगा। इस वर्ष के उत्सवों का आधिकारिक कैलेंडर रविवार को जारी किया गया, जिससे पूरे क्षेत्र में रोमांचक दौड़ों की एक श्रृंखला की पुष्टि हुई। इस वर्ष, एक बार फिर, बेंगलूरु और शिवमोग्गा में दौड़ें रसद संबंधी कारणों से नहीं होंगी, जिससे तटीय क्षेत्रों पर ही मुख्य ध्यान केंद्रित रहेगा, जहाँ कम्बाला की जड़ें सबसे मजबूत हैं। कम्बाला का मौसम तेज गति के रोमांच और पारंपरिक उत्साह का वादा करता है क्योंकि किसान अपने भैंसों को कीचड़ भरे धान के खेतों में दौड़ाने के लिए तैयार करते हैं, एक जीवंत सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन करते हैं जो हर साल हजारों लोगों को आकर्षित करती है।

दो केएसआरटीसी बसों की टक्कर में 16 घायल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु और मेंगलूरु को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 75 पर शिराडी के पास रविवार शाम को कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की दो बसों की टक्कर में सोलह यात्री घायल हो गए। इस दुर्घटना के कारण लगभग तीन घंटे तक यातायात बाधित रहा। शिराडी गाँव के गुंड्या के पास बेंगलूरु से धर्मस्थल जा रही केएसआरटीसी बस और मेंगलूरु से बेंगलूरु जा रही राजहंस बस के बीच टक्कर हुई। धर्मस्थल जा रही बस में नौ यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि राजहंस बस में सात यात्रियों को मामूली चोटें आईं। नेल्ल्याडी चौकी से पुलिस मौके पर पहुँची और यातायात को सुचारू रूप से बहाल कराया।

पवन सिंह को लेकर बोले उपेंद्र कुशवाहा

व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं, एनडीए के हक में बात करते हैं

सासाराम, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। भोजपुरी स्टार पवन सिंह ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा एवं राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा से मुलाकात कर एनडीए में शामिल होने के संकेत दे दिए हैं। हालांकि इस पूरे मामले में एनडीए एवं पवन सिंह की ओर से अभी तक कोई भी आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन इतना तय है कि एनडीए का शीर्ष नेतृत्व भोजपुरी स्टार पवन सिंह की लोकप्रियता को बिहार विधानसभा चुनाव में भुनाने की तैयारी में जुट गया है।

दिल्ली में पवन सिंह के साथ मुलाकात पर बुधवार को सासाराम पहुंचे उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि हम किसी पर व्यक्तिगत टिप्पणी कभी नहीं करते हैं। हम हमेशा एनडीए के हक में सोचते हैं, क्योंकि एनडीए जनता के हित की बात करता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पवन सिंह के साथ सार्वजनिक रूप से मुलाकात हुई है और निश्चित रूप से एनडीए को इसका फायदा मिलेगा।

उपेंद्र कुशवाहा ने काराकाट के पिछले लोकसभा चुनाव परिणाम की चर्चा करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में एनडीए के वोटों का बंटवारा हो गया, जिसके कारण परिणाम एनडीए के विपरीत आया। लेकिन इस बार एनडीए वोटों के बंटवारे को रोकेगा और बिहार के सभी क्षेत्रों में एनडीए की जीत होगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस बार विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए एनडीए मजबूत रणनीति बनाएगा और हम सभी इस दिशा में मिलकर आगे बढ़ रहे हैं। एनडीए की जीत को अब कोई रोक नहीं सकता। बता दें कि आरएलएम सुप्रीमो सह राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सासाराम आए थे, जहां उनके साथ पार्टी नेता आलोक सिंह भी मौजूद रहे।

जम्मू-कश्मीर में आपराधिक घटनाएं घटीं

पर महिलाओं के खिलाफ साइबर अपराध बढ़े, 425 केस हुए दर्ज

जम्मू, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में आपराधिक घटनाओं में कमी आई है मगर महिलाओं के खिलाफ साइबर अपराध बढ़ रहे हैं। इन अपराधों में केंद्र शासित प्रदेशों में जम्मू-कश्मीर शीर्ष पर है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एन-सीआरबी) 2023 की वार्षिक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। इस साल 43 महिलाओं ने साइबर अपराध की शिकायत दर्ज कराई जिनमें 39 मामले अश्लील सामग्री प्रसारित करने और चार मामले ब्लैकमेलिंग या तस्वीरों से छेड़छाड़ के रहे।

एनसीआरबी की 2023 की वार्षिक रिपोर्ट में 2021 में 31,675 के मुकाबले 2023 में 2,080 की कमी के साथ 29,595 आपराधिक मामले दर्ज किए गए। महिलाओं के खिलाफ अपराध में 7.21 फीसदी की कमी हुई है लेकिन साइबर अपराध बढ़ा है।

रिपोर्ट के अनुसार जम्मू-कश्मीर में महिलाओं के खिलाफ 2023 में 3,653 मामले दर्ज हुए, जबकि 2021 में ये संख्या 3,937 थी। प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ दर्ज सबसे आम अपराध अपहरण रहा। इसमें 2023 में 895 मामले सामने आए। इसके बाद घरेलू हिंसा (पति की क्रूरता) के 524 मामले और दुष्कर्म के 231 मामले दर्ज किए गए।

अपहरण के 1004 मामले सामने आए। 2023 में लापरवाही से हुई मौतों से जुड़े 673 मामले दर्ज किए गए। इनमें हिट-एंड-रन जैसी सड़क दुर्घटनाओं में हुई मौतों के ही 639 मामले शामिल हैं।

अलगाववादी नेटवर्क पर शिकंजा

सोपोर में जमात-ए-इस्लामी से जुड़े ठिकानों पर छापा, आपत्तिजनक सामग्री जब्त

बारामुला, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले के सोपोर में अलगाववादी व आतंकवादी नेटवर्क के खिलाफ अभियान में जमात-ए-इस्लामी से जुड़े लोगों के यहां छापा मारा गया। इस दौरान आपत्तिजनकर सामग्री जब्त की गई।जम्मू कश्मीर पुलिस ने बुधवार को जालूरा इलाके में जमात-ए-इस्लामी (जीआई) से जुड़े दो लोगों के घरों पर तलाशी अभियान चलाया। पुलिस के अनुसार एक सक्षम अदालत से गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत उचित तलाशी वारंट प्राप्त करने के बाद ये तलाशी ली गई।

अधिकारियों ने पुष्टि की कि जालूरा सोपोर निवासी मोहम्मद मकबूल भट और तनवीर अहमद डार - दोनों के घरों की स्थानीय मजिस्ट्रेट और स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में गहन तलाशी ली गई। पुलिस ने कहा कि यह प्रक्रिया सख्त कानूनी अनुपालन और पारदर्शिता के साथ की गई। सूत्रों के अनुसार तलाशी के दौरान आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई जिसके प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी से जुड़े होने की आशंका है। जब्त की गई सामग्री को कब्जे में ले लिया गया है और जांच के तहत उसकी आगे जांच की जाएगी।अधिकारियों ने जांच की संवेदनशीलता का हवाला देते हुए विस्तृत जानकारी देने से इन्कार किया लेकिन कहा कि यह सामग्री अलगाववादी और गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल नेटवर्क का पता लगाने में अहम साबित हो सकती है। पुलिस ने कहा कि ये छापे अचानक नहीं मारे गए बल्कि यूएपीए के तहत दर्ज मामलों से जुड़ी एक व्यापक जांच प्रक्रिया का हिस्सा थे। इस कार्रवाई का उद्देश्य उन सहायक ढांचों की पहचान करना और उन्हें ध्वस्त करना है जो अलगाववादी विचारधारा को बढ़ावा देते हैं या प्रतिबंधित संगठनों को रसद सहायता प्रदान करते हैं।

महबूबा मुफ्ती का आरोप : बंदूक की नोक पर राष्ट्रगान के लिए खड़ा करना दुर्भाग्यपूर्ण, शहीद स्मारक कहीं और बनाएं

श्रीनगर, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को भाजपा पर कश्मीर के लोगों को मुश्किल में डालने का आरोप लगाया। कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि लोगों को बंदूक की नोक पर राष्ट्रगान के लिए खड़े होने के लिए मजबूर किया जाता है।

मुफ्ती ने संवाददाताओं से कहा, मुझे अपने छात्र जीवन याद हैं जब भी राष्ट्रगान बजता था हम उसके सम्मान में खड़े होते थे। कोई जबरदस्ती नहीं की जाती थी। यह भाजपा की विफलता है। वह मंगलवार शाम टीआरसी फुटबॉल मैदान में राष्ट्रगान बजने के दौरान बैठे देखे गए एक दर्जन युवकों को पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रही थीं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने बागात बरजुल्ला स्थित मुस्लिम एजुकेशनल ट्रस्ट (एमईटी) के खेल के मैदान का दौरा किया। ऐसी खबरें हैं कि पुलिस उस जमीन का इस्तेमाल शहीद स्मारक बनाने के लिए करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, मैं डीजीपी से इस मामले में हस्तक्षेप करने और एमईटी स्कूल के मैदान को खाली करने की अपील करती हूं ताकि युवा और स्थानीय निवासी इस सार्वजनिक स्थान का उपयोग खेल और विवाह जैसी गतिविधियों के लिए कर सकें।

अगर यह मैदान भी छीन लिया गया तो युवा भटक सकते हैं।मुफ्ती ने शहर के छत्ताबल में डेयरी फार्म ग्राउंड का भी दौरा किया। जहां स्थानीय लोगों से बातचीत की जो मांग कर रहे हैं कि यह सुविधा उनके लिए खुली रहे क्योंकि यह उनके लिए उपलब्ध एकमात्र खेल सुविधा है। उन्होंने कहा, इस जगह का इस्तेमाल दशकों से खेलों के लिए किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी मन की बात में पुलवामा में रात्रिकालीन क्रिकेट टूर्नामेंट की सराहना की थी। सेना के कोर कमांडर से अपील है कि युवाओं को खेल के मैदान से वंचित न करें। शहीदों के लिए स्मारक कहीं भी बना सकते हैं।

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी पर बवाल, लद्दाख में तनाव बरकरार, एलजी बोले- संवाद से ही समाधान संभव

श्रीनगर, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। लद्दाख के उपराज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने कहा कि क्षेत्र के मुद्दों का समाधान केवल बातचीत से ही संभव है और लेह एपेक्स बॉडी और करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस को वार्ता में शामिल होना चाहिए। उन्होंने सोनम वांगचुक पर एनएसए लगाने को केंद्र का मामला बताया और कहा कि हिंसा की जांच जल्द शुरू होगी। लद्दाख के उपराज्यपाल कवींदर गुप्ता ने लेह एपेक्स बॉडी और करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस से अपील की है कि वे केंद्र सरकार के साथ होने वाली वार्ता से पीछे न हटें और बातचीत के जरिए समाधान का रास्ता अपनाएं। क्योंकि कोई भी मुद्दा बातचीत से ही हल हो सकता है।

उपराज्यपाल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और कहा कि वे लद्दाख की स्थिति को लेकर वातावरण बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं, जैसा उन्होंने किसानों के आंदोलन और अन्य विरोध प्रदर्शनों के दौरान किया था।

लेह एपेक्स बॉडी और केडीए की मांग है कि 24 सितंबर को हुई हिंसा की न्यायिक जांच हो और गिरफ्तार किए गए लोगों को रिहा किया जाए, जिनमें पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी शामिल हैं। वांगचुक पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस पर उपराज्यपाल ने कहा कि एक मजिस्ट्रेट जांच की घोषणा पहले ही की जा चुकी है और यह जल्द शुरू होगी।

एक हफ्ते के कर्फ्यू के बाद लेह में मंगलवार से हालात कुछ सामान्य हुए हैं। प्रशासन ने पहले 7 घंटे के लिए और बुधवार को उसे बढ़ाकर सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक दुकानें और व्यापारिक गतिविधियां चलाने की अनुमति दी है। हालांकि, मोबाइल इंटरनेट सेवा अब भी बंद है और पांच या उससे अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर रोक बनी हुई है। 6 अक्तूबर को केंद्र सरकार और लद्दाख प्रतिनिधियों के बीच होने वाली बातचीत अब टल गई है क्योंकि लेह एपेक्स बॉडी और केडीए ने वार्ता में हिस्सा न लेने का फैसला किया है। उनका कहना है कि जब तक हालात अनुकूल नहीं होते, तब तक वे बातचीत में शामिल नहीं होंगे। कवींदर गुप्ता ने हिंसा को दुर्भाग्यपूर्ण और त्रासद बताया और कहा कि प्रशासन नहीं चाहता था कि ऐसा हो। उन्होंने कहा कि जांच में यह सामने आएगा कि हिंसा किस कारण हुई।

बेटियों के पांव पखार कर सीएम योगी ने की मातृ शक्ति की आराधना

शारदीय नवरात्र की महानवमी पर हुआ कुंवारी कन्याओं का पूजन

गोरखपुर, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। मातृ शक्ति के प्रति अगाध श्रद्धा व सम्मान गोरक्षपीठ की परंपरा है। मुख्यमंत्री बनने के बाद गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने नारी सुरक्षा, स्वावलंबन और सम्मान की अनेक योजनाओं से इस परंपरा का व्यावहारिक धरातल पर विस्तार किया है। मातृ शक्ति के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत करते हुए सीएम योगी ने बुधवार को शारदीय नवरात्र की महानवमी तिथि पर गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुरूप कन्या पूजन किया।

गोरखनाथ मंदिर में आयोजित कन्या पूजन कार्यक्रम में गोरक्षपीठाधीश्वर ने नौ दुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे, उनका विधि विधान से पूजन किया, चुनरी ओढाई, आरती उतारी, श्रद्धापूर्वक भोजन कराया, दक्षिणा और उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने परंपरा का निर्वहन करते हुए बटुक पूजन भी किया।

बुधवार को मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने मंदिर के अन्न क्षेत्र के प्रथम तल स्थित भोजन कक्ष में पीतल के परात में जल से नौ नन्ही बालिकाओं के बारी-बारी पांव धोये।

दुर्गा सप्तशती के मंत्रोच्चार के बीच उनके माथे पर रोली, चंदन, दही, अक्षत आदि का तिलक लगाया।

पुष्प और दुर्वा से उनका अभिषेक किया। माला पहनाकर, चुनरी ओढ़ाकर, उपहार एवं दक्षिणा प्रदान कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने एक छह माह की बच्ची के भी पांव पखारे और पूजन कर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने हनुमानजी के वेश में आए एक बालक को भी तिलक लगाया और माला पहनाकर

अंगवस्त्र ओढ़ाया। पूजन के बाद कन्याओं और बटुकों को मंदिर की रसोई में पकाया गया ताजा भोजन प्रसाद सीएम योगी ने अपने हाथों से परोसा। नौ कन्याओं के अतिरिक्त बड़ी संख्या में पहुंची बालिकाओं और बटुकों का भी मुख्यमंत्री ने पूजन कर आरती उतारी। सभी को श्रद्धापूर्वक भोजन कराकर उपहार व दक्षिणा दिया गया।

अपने महराज जी (सीएम योगी आदित्यनाथ) का प्यार-दुलार पाने के लिए नन्हीं बालिकाओं व बटुकों की आतुरता देखते ही बन रही थी। सत्कार और स्नेह के भाव से मुख्यमंत्री ने एक-एक कर नौ कन्याओं व बटुक भैरव के पांव पखारे और पूजन किया।

इस दौरान सीएम योगी के हाथों दक्षिणा मिलने से ये बालिकाएं काफी प्रफुल्लित दिखीं। पूजन के बाद कन्याओं व बटुकों को स्वयं अपने हाथों से भोजन परोसते समय सीएम निरंतर संवाद भी करते रहे। यह भी ख्याल रखते रहे कि किसी भी बालक-बालिका की थाली में प्रसाद की कोई कमी न रहे। इसे लेकर वह मंदिर की व्यवस्था से जुड़े लोगों को निर्देशित करते रहे।

कन्या पूजन के दौरान गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, काशी से आए जगद्गुरु स्वामी संतोषाचार्य सतुआ बाबा आदि मौजूद रहे।

सीएम योगी ने कन्या पूजन से पूर्व प्रातःकाल के पूजन सत्र में मंदिर के शक्तिपीठ में मां सिद्धिदात्री की विधि-विधान से आराधना की।

बरेली बवाल : मौलाना तौकीर का करीबी नफीस और उसका बेटा गया जेल

अब तक 81 उपद्रवी गिरफ्तार

बरेली, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। बरेली में बवाल के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी जारी है। बुधवार को कुल आठ आरोपियों की गिरफ्तारी की गई। इनमें दो आरोपी मुठभेड़ में पकड़े गए हैं। ये दोनों शाहजहांपुर के रहने वाले हैं। इन्हें नदीम खां ने घटना वाले दिन बुलाया था। बरेली बवाल के आरोपी नफीस खां और उसके बेटे फरमान समेत आठ और आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि बवाल के बाद से अब तक कुल 81 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। फुटेज और वीडियो के आधार पर आरोपियों को चिन्हित किया जा रहा है। पुलिस का फोकस उन लोगों पर है, जिन्होंने भीड़ को जुटाने और उकसाने की कोशिश की थी।

एसएसपी के मुताबिक जांच में यह बात भी सामने आई है कि 26 सितंबर के दिन शुक्रवार को नमाज का वक्त बदला गया था। मौलाना तौकीर का वीडियो जारी होने के बाद यह मैसेज फैलाया गया था कि जुमे की नमाज एक बजे होगी। आमतौर पर यहां साढ़े 12 बजे से पौने चार बजे के नमाज होती है। इससे यह स्पष्ट है कि साजिश के तहत नमाज का वक्त बदला गया ताकि ज्यादा से ज्यादा भीड़ इस्लामिया मैदान की तरफ पहुंचे। अब तक जो जेल भेजे गए हैं, उनमें तीन आरोपी दूसरे प्रदेशों के हैं। इनके बारे में भी पुलिस जानकारी जुटा रही है। एसएसपी ने बताया कि जिले में धारा 163 लागू है, जिसका पूरी तरह पालन कराया जाएगा।

आई लव मोहम्मद के समर्थन में इत्तेहाद-ए-मिल्लत कौंसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के बुलावे पर भीड़ जुटी थी। मौलाना के नदारद रहने से भीड़ अराजक हो गई। पुलिस का दावा है कि लोगों ने दुकानों और वाहनों में तोड़फोड़ की थी।

बेकाबू भीड़ पर काबू पाने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा था। आंसू गैस के गोले दागे गए थे। पुलिस के मुताबिक बवाल में 22 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। बवाल के बाद पुलिस ने शहर के अलग-अलग थानों में 10 मुकदमे दर्ज किए हैं। इनमें 125 लोग नामजद और करीब तीन हजार अज्ञात आरोपी हैं। सात मुकदमों में मौलाना तौकीर रजा का नाम है। बवाल की जांच के लिए डीआईजी रेंज अजय कुमार साहनी के निर्देश पर एसएसपी अनुराग आर्य ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। एसआईटी में एसपी सिटी मानुष पारीक के नेतृत्व में तीन सीओ और 14 इंस्पेक्टर शामिल हैं।

एनसीआरबी की रिपोर्ट : यूपी में सांप्रदायिक दंगे शून्य

योगी सरकार की कानून व्यवस्था बनी मिसाल

लखनऊ, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की क्राइम इन इंडिया 2023 रिपोर्ट ने उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार की कानून-व्यवस्था की सराहना की है। एनसारबी के आंकड़े के मुताबिक 2023 में यूपी में सांप्रदायिक एवं धार्मिक दंगों की संख्या शून्य रही है। योगी से पहले यूपी में ऐसा कभी नहीं हुआ। यही नहीं पूरे देश के मुकाबले यूपी में अपराध एक चौथाई कम है। देश के सबसे बड़े राज्य में कुल अपराध दर राष्ट्रीय औसत से 25 प्रतिशत कम रही, जो 448.3 के मुकाबले 335.3 रही। एन-सीआरबी के आंकड़े साबित करते हैं कि 2017 के बाद यूपी अब शांति एवं सामाजिक सद्भाव का गढ़ बन चुका है।

एनसीआरबी रिपोर्ट में यूपी में सांप्रदायिक दंगों की संख्या शून्य बताई गई, जो 2017 से प्रदेश में चली आ रही जीरो टॉलरेंस नीति का जीवंत उदाहरण है। वहीं दूसरी ओर 2012-2017 के बीच पांच वर्षों की बात करें तो ये आंकड़े भयावह हैं। आंकड़ों के अनुसार 815 दंगे हुए, जिनमें 192 लोगों की जान गई, जबकि 2007-2011 में 616

घटनाओं में 121 मौतें हुईं। इसके विपरीत, 2017 के बाद यूपी में कोई बड़ा दंगा नहीं हुआ। बरेली और बहराइच में दो हिंसक झड़पें हुईं, लेकिन योगी सरकार ने 24 घंटे के भीतर शांति बहाल कर स्थिति को नियंत्रित किया। बरेली की घटना पर त्वरित कार्रवाई ने कानून-व्यवस्था को और मजबूती प्रदान की है।

सीएम योगी की सख्त नीतियों की वजह से राज्य में अपराध पर लगाम लगा है एन-सीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, यूपी में विभिन्न अपराध श्रेणियों में राष्ट्रीय औसत से उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई। बलवा के मामलों में भारत में 39,260 मामले (क्राइम रेट 2.8) के मुकाबले यूपी में 3,160 मामले (क्राइम रेट 1.3) रहे, जो राष्ट्रीय औसत से आधी से भी कम है और यूपी को देश में 20वें स्थान पर है। वहीं फिरौती के लिए अपहरण के मामले देश में 615 घटनाएं हुई जिसकी तुलना में यूपी में मात्र 16 घटनाओं के साथ देश में 36वें स्थान पर है। डकैती के मामलों में भारत में 3,792 (क्राइम रेट 0.3) के मुकाबले यूपी में 73 मामले दर्ज हुए, जो इसे नियर-जीरो क्राइम रेट की श्रेणी में लाता है। बड़ी जनसंख्या के बावजूद यह कमी योगी सरकार की सख्त नीतियों और त्वरित कार्रवाई का परिणाम है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पारदर्शी शासन, सख्त कानूनी कार्रवाई ने अपराधों पर अंकुश लगाने में कामयाब हुई है। एन-सीआरबी की रिपोर्ट योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का परिणाम है। यूपी में शांति और सुरक्षा के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही योगी सरकार की यह उपलब्धि न केवल यूपी के लिए गर्व का विषय है, बल्कि अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणा है।

उत्तर प्रदेश में महिलाओं पर अपराध न्यूनतम

अपराधियों को सजा दिलाने में यूपी नंबर वन

सीएम योगी ने प्रदेशवासियों को दी विजयदशमी की बधाई

मातृ एवं नारी शक्ति के प्रति आस्था का महापर्व है नवरात्र

गोरखपुर, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समस्त प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्र की पावन महानवमी एवं गुरुवार को मनाए जाने वाले विजयदशमी पर्व की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि जीवन के किसी भी पक्ष में नारी शक्ति के बगैर सृष्टि की कल्पना ही नहीं की जा सकती। नारी शक्ति के प्रति सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए इसी भाव के साथ अनेक कार्यक्रम चला रही है। इन कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप सुखद तथ्य यह है कि आबादी के दृष्टिकोण से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में महिलाओं के प्रति अपराध न्यूनतम है। जबकि महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध के मामले में सजा दिलाने में यह प्रदेश देश में नम्बर वन है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बतौर गोरक्षपीठाधीश्वर बुधवार को गोरखनाथ मंदिर में शारदीय नवरात्र की महानवमी तिथि में कन्या पूजन के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सनातन धर्मावलंबी वर्ष में दो बार शारदीय और वासंतिक नवरात्र में जगतजननी मां भगवती दुर्गा के नौ स्वरूपों के पूजन व अनुष्ठान के कार्यक्रम से श्रद्धा और उल्लास से जुड़ते हैं। सनातन परंपरा में मातृ शक्ति व नारी शक्ति के प्रति आस्था का यह पर्व नई प्रेरणा प्रदान करता है।

नवरात्र का यह पर्व अवगत कराता है कि चराचर जगत की आदि शक्ति, नारी शक्ति का ही रूप हैं। उन्होंने कहा कि आज शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर मां सिद्धिदात्री के स्वरूप के पूजन के साथ कन्या पूजन का अनुष्ठान हो रहा है।

वह सौभाग्यशाली है कि गोरक्षपीठ की पवित्र परंपरा के अनुसार उन्हें भी कन्या पूजन का अनुष्ठान करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा सनातन आस्था में नारी शक्ति को

अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। सनातन आस्था की नैतिक जिम्मेदारी के भाव से सरकार नारी शक्ति की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए समर्पित है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए शारदीय नवरात्र की पहली तिथि, 22 सितंबर से मिशन शक्ति के पांचवें चरण का शुभारंभ किया गया है।

इसमें महिलाओं की सुरक्षा के साथ ही उनके स्वावलंबन जागरूकता के लिए पंचायत स्तर तक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसके तहत प्रदेश के सभी जिलों में सराहनीय कार्य हो रहे हैं। मिशन शक्ति सफलता की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत ने सदैव नारी शक्ति के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव रखा है। हरेक कालखंड में इसके दर्शन होते हैं। आज भी प्रत्येक क्षेत्र में भारत की नारी शक्ति ने अपनी ताकत और सामर्थ्य का एहसास कराकर दुनिया को अचंभित किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां बेटी सुरक्षित और सम्मानित है, वहीं समाज भी सुरक्षित और सम्मानित माना जाता है।

उत्तर प्रदेश में ऐसा ही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मातृ वंदना, कन्या सुमंगला और सामूहिक विवाह जैसी योजनाएं बेटियों की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए हैं। इसी क्रम में देश की सर्वोच्च पंचायतों में नारी शक्ति का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम भी लाया गया है। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में 1 करोड़ महिलाओं को किसी न किसी रूप में 12000 रुपए सालाना पेंशन दिया जा रहा है। 26 लाख बेटियों को जन्म से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई के लिए 25000 रुपए के पैकेज वाले कन्या सुमंगला योजना से जोड़ा गया है। सामूहिक विवाह योजना में धनराशि बढ़ाकर प्रति जोड़ा एक लाख रुपए करके गरीब परिवारों को बेटियों के विवाह में धन की चिंता से मुक्त कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी प्रदेशवासियों को गुरुवार को मनाए जाने वाले विजयदशमी पर्व की भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि विजयदशमी, भारत के सनातन विजय का प्रतीक है। यह अधर्म, अन्याय और अत्याचार पर धर्म, न्याय और सदाचार के विजय का पर्व है। विजयदशमी पर अत्याचार, अधर्म और अन्याय के प्रतीक रावण के पुतले जलाए जाएंगे और भगवान श्रीराम के राजतिलक के कार्यक्रम आयोजित होंगे।

संपादकीय

त्योहारों पर नफरत-हिंसा क्यों ?

मां दुर्गा महाष्टमी का पर्व था, तो आज पवित्र, पूजनीय नवमी का त्योहार है। पूजा-अर्चना, शांति-स्थिरता, मर्यादा, समावेशी और भाईचारे के पर्व... लेकिन जो तूफान, नफरत और उग्रता 'आई लव मुहम्मद' अथवा 'आई लव महादेव, महाकाल' सरीखे पोस्टरों के साथ पसरी थी, वह इन पवित्र पर्वों के बावजूद अब भी जारी है। यदि पोस्टरों के जरिए अपनी आस्था, श्रद्धा, भक्ति और इबादत का इजहार करना था, तो किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए थी, लेकिन प्यार का इजहार तो राजनीतिक दलों के नेताओं के प्रति होने लगा, तो यह मानसिक बौनापन और चापलूसी थी। ईश्वर या खुदा से एक अदद नेता की तुलना घोर क्षुद्रता है। वह किसी भी अर्थ में आस्था, श्रद्धा नहीं है। फिर पोस्टर फाड़े जाने लगे। बहरहाल हमारा बेहद चिंतित सवाल है कि 'आई लव' का सिलसिला शहरों में अशांति फैलाने, हिंसा, गोलीबारी, पत्थरबाजी तक क्यों फैल गया? जो सिलसिला कानपुर के एक इलाके से शुरू हुआ, उसने बरेली में सांप्रदायिक हिंसा क्यों भड़काई? यह नफरती और 'सर तन से जुदा' की आग उत्तराखंड के देहरादून, महाराष्ट्र के बीड और अहिल्या नगर तथा बिहार के वैशाली तक किसने सुलगाई और उसे प्रचंड रूप दिया? बरेली के एक मौलाना हैं-तौकीर रजा। वह तन, मन, मंसूबों से हिंदू-विरोधी क्यों हैं? बरेली को सांप्रदायिक हिंसा के सबसे कट्टरवादी चेहरा वही हैं। अतीत गवाह है कि कई और मुद्दों पर यह मुसलमानों को भड़काते रहे हैं, नतीजतन हर बार एक हथियारबंद भीड़ सड़कों पर उतर आती है। मौलाना फिलहाल जेल में हैं, लेकिन ऐसे चेहरों का अब पक्का इलाज करना देशहित में है। प्रशासन को बरेली में ही मौलाना की 38 कथित अवैध संपत्तियों को सील क्यों करना पड़ा। अब उन पर बुलडोजर चलाने की तैयारी है। मौलाना के पास करोड़ों की संपत्तियां कहां से आईं? उसके करीबी लोगों की 70 से अधिक दुकानें क्यों सील करनी पड़ीं? किरायेदारों को फटाफट अपना सामान समेटना पड़ा। इन तमाम सवालों के जवाब शायद जांच के बाद सामने आएं। हमारा बेहद चिंतित सरोकार यह भी है कि हिंदू पर्वों, त्योहारों के दौरान ही माहौल विषाक्त करने की साजिशें क्यों की जाती रही हैं? हम ऐसा लगातार देखते रहे हैं। यदि पोस्टर फाड़े गए या जमीन पर पैगंबर मुहम्मद को लेकर रंगोली बना दी गई अथवा किसी नास्तिक ने सोशल मीडिया पर कोई विवादित टिप्पणी कर दी, तो हर बार सड़कों पर हथियारबंद, हिंसक जन-सैलाब उमड़ता रहेगा क्या? कानपुर में ही मौलाना सज्जाद नोमानी को यह बयान क्यों देना पड़ा कि मुसलमानों को भाजपा-आरएसएस से डर लगता है। वे खौफ में जी रहे हैं! क्यों...क्या भाजपा-आरएसएस 'आदमखोर' हैं? मौलाना बार-बार तबदीली की बात कर रहे हैं। कैसी तबदीली? अवाम क्या चाहती है, यह तय करने वाले आप कौन हैं? हमारा देश लोकतंत्र है, उसका एक निश्चित संविधान है, संसद है और चुनाव आयोग चुनाव संपन्न कराता है। चुनाव से ही सत्ताएं तबदील और तय की जाती रही हैं और आगे भी यही व्यवस्था चलेगी। दरअसल कुछ खास मौलाना, मुल्ले, मौलवी, मुफ्ती और इमाम हैं, जो खासकर हिंदुवादी जमात और हुकूमत के खिलाफ भड़काते रहे हैं। शायद यही उनकी रोजी-रोटी है! अकेली बरेली हिंसा के संदर्भ में ही तौकीर रजा समेत 55-60 गिरफ्तारियां की जा चुकी हैं, 3225 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किए गए हैं, नामजद वाले भी 100 से अधिक हैं। यह सिर्फ उप्र का यथार्थ है, जहां के शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 19.5 फीसदी और ग्रामीण इलाकों में यह दर 13.5 फीसदी है। राज्य में 29,000 शिक्षकों की नियुक्तियां, अदालत के आदेश के बावजूद, आज भी लटकी हैं। यदि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सख्त कार्रवाई के आदेश देते हैं और कुछ आपत्तिजनक, अमर्यादित भाषा भी बोल जाते हैं, तो देश और राजनीति का एक अच्छा-खासा तबका है, जो उन्हें निशाने पर लेकर 'सांप्रदायिकता' का शोर मचाने लगता है। उप्र में चुनाव 2027 में होने हैं, करीब डेढ़ साल शेष है, आरोपित किया जा रहा है कि यह 'आई लव' वाला योगी और भाजपा का तय एजेंडा है और चुनाव जीतने के लिए उसपर काम शुरू किया जा चुका है! हथियारबंद भीड़ के मद्देनजर यह कुतर्क ही हो सकता है, क्योंकि नफरत और हिंसा को लेकर मौलाना बिरादरी ही जवाबदेह है। ऐसे समय में जबकि हम गांधी जयंती मनाने जा रहे हैं, हिंसा किसी भी पक्ष की ओर से हो, उसे जायज नहीं ठहराया जा सकता।

पूजा-अर्चना, शांति-स्थिरता, मर्यादा, समावेशी और भाईचारे के पर्व... लेकिन जो तूफान, नफरत और उग्रता 'आई लव मुहम्मद' अथवा 'आई लव महादेव, महाकाल' सरीखे पोस्टरों के साथ पसरी थी, वह इन पवित्र पर्वों के बावजूद अब भी जारी है। यदि पोस्टरों के जरिए अपनी आस्था, श्रद्धा, भक्ति और इबादत का इजहार करना था, तो किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए थी, लेकिन प्यार का इजहार तो राजनीतिक दलों के नेताओं के प्रति होने लगा, तो यह मानसिक बौनापन और चापलूसी थी। ईश्वर या खुदा से एक अदद नेता की तुलना घोर क्षुद्रता है। वह किसी भी अर्थ में आस्था, श्रद्धा नहीं है। फिर पोस्टर फाड़े जाने लगे। बहरहाल हमारा बेहद चिंतित सवाल है कि 'आई लव' का सिलसिला शहरों में अशांति फैलाने, हिंसा, गोलीबारी, पत्थरबाजी तक क्यों फैल गया? जो सिलसिला कानपुर के एक इलाके से शुरू हुआ, उसने बरेली में सांप्रदायिक हिंसा क्यों भड़काई? यह नफरती और 'सर तन से जुदा' की आग उत्तराखंड के देहरादून, महाराष्ट्र के बीड और अहिल्या नगर तथा बिहार के वैशाली तक किसने सुलगाई और उसे प्रचंड रूप दिया? बरेली के एक मौलाना हैं-तौकीर रजा। वह तन, मन, मंसूबों से हिंदू-विरोधी क्यों हैं? बरेली की सांप्रदायिक हिंसा के सबसे कट्टरवादी चेहरा वही हैं।

महात्मा गांधी की प्रतिमा पर अज्ञात लोगों ने जो हमला किया और आपत्तिजनक नारे लिख

गांधी और गांधी विचार को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक?

ललित गर्ग

महात्मा गांधी की 57 साल पुरानी कांस्य की प्रतिमा पर हुआ हमला केवल एक मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने की घटना भर नहीं है, बल्कि यह गांधी के अस्तित्व, उनके विचार और भारत की आत्मा पर आघात है। गांधी प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करते हुए काले रंग से लिखा है, 'गांधी- मोदी, हिंदुस्तानी टेररिस्ट...।' वहां एक तिरंगे का भी अपमान किया गया है और उसपर भी 'टेररिस्ट' लिखा हुआ है। जिस समय यह हमला हुआ, वह भी बेहद प्रतीकात्मक है, अंतरराष्ट्रीय गांधी जयंती यानी अहिंसा दिवस से महज तीन दिन पहले। यह समय का ऐसा चयन है जो यह दर्शाता है कि अहिंसा के विचार और गांधी के व्यक्तित्व को मिटाने की एक सुनियोजित विकृत मानसिकता एवं साजिश है।

लंदन के प्रसिद्ध टैविस्टॉक स्क्वायर में महात्मा गांधी की 57 साल पुरानी कांस्य की प्रतिमा पर हुआ हमला केवल एक मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने की घटना भर नहीं है, बल्कि यह गांधी के अस्तित्व, उनके विचार और भारत की आत्मा पर आघात है। गांधी प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करते हुए काले रंग से लिखा है, 'गांधी- मोदी, हिंदुस्तानी टेररिस्ट...।' वहां एक तिरंगे का भी अपमान किया गया है और उसपर भी 'टेररिस्ट' लिखा हुआ है। जिस समय यह हमला हुआ, वह भी बेहद प्रतीकात्मक है, अंतरराष्ट्रीय गांधी जयंती यानी अहिंसा दिवस से महज तीन दिन पहले। यह समय का ऐसा चयन है जो यह दर्शाता है कि अहिंसा के विचार और गांधी के व्यक्तित्व को मिटाने की एक सुनियोजित विकृत मानसिकता एवं साजिश है। गांधी की प्रतिमा महज धातु का ढांचा नहीं, बल्कि उन मूल्यों का जीवंत प्रतीक है जिन्होंने न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को नई दृष्टि दी, नई दिशा दी एवं शांतिपूर्ण अहिंसक जीवनशैली दी है। इस पर आघात करना इस बात का प्रमाण है कि हिंसा की प्रवृत्तियां, आतंक की मानसिकता एवं नफरत-द्वेष की विध्वंक शक्तियां अब भी गांधी के विचारों से डरती हैं और उसे क्षत-विक्षत एवं ध्वस्त करने के षडयंत्र रचती रहती है, पर महात्मा गांधी भारत के अकेले ऐसे महापुरुष हैं जिन्हें कोई गोली या गाली नहीं मार सकती। गांधी की राजनीति व धर्म का आधार सत्ता नहीं, सेवा था, वसुधैव कुटुम्बकम् था। जनता को भयमुक्त व वास्तविक आजादी दिलाना उनका लक्ष्य था। वे सम्पूर्ण मानवता की अमर धरोहर हैं। उन्होंने दुनिया को अहिंसा का सूत्र देकर शांतिपूर्ण विश्व-संरचना की। दलितों के उद्धार और उनकी प्रतिष्ठा के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लगा दिया था। उनके जीवन की विशेषता कथनी और करनी में अंतर नहीं होना था। महात्मा गांधी की प्रतिमा पर अज्ञात लोगों ने जो हमला किया और आपत्तिजनक नारे लिखे। भारतीय उच्चायोग ने इसे अहिंसा की विरासत पर हमला बताया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस जांच में जुटी है। ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने घटना को दुखद बताते हुए कहा कि गांधी की शिक्षाएं हमें सदा एकजुट करती रहेंगी। गांधी के व्यक्तित्व एवं विचारों को आहत करने की यह घटना केवल ब्रिटेन के अस्तित्व एवं अस्मिता तक सीमित नहीं रहती, बल्कि भारत की गरिमा और उसकी सांस्कृतिक उपस्थिति को भी चुनौती देती है। जब किसी राष्ट्र के सार्वभौमिक प्रतीक पर हमला होता है, तो वह उस राष्ट्र के स्वाभिमान और उसके विचारों पर हमला माना जाता है। गांधी केवल भारत के नायक नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के नैतिक मार्गदर्शक हैं। उनका स्मारक क्षतिग्रस्त करना मानवता की उस चेतना को धूमिल करने का प्रयास है जो संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और शांति पर आधारित है। ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध, आतंक और कट्टरता से त्रस्त है, गांधी का विचार और भी प्रासंगिक हो जाता है। ऐसे विचार को कुचलने की चेष्टा न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चुनौती है।

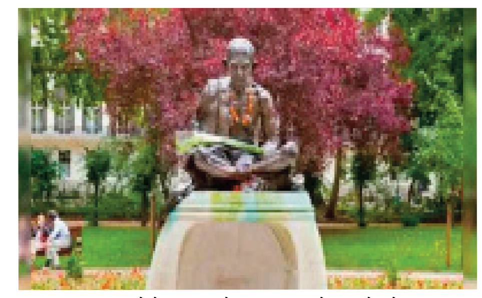

समीक्षात्मक दृष्टि से देखा जाए तो यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर क्यों अहिंसा जैसे सार्वभौमिक मूल्य आज के दौर में असहनीय प्रतीत होते हैं? क्यों कुछ समूह इतिहास को मिटाने और संवाद की जगह हिंसा को स्थापित करने पर आमादा हैं? यह केवल अतीत की स्मृति पर हमला नहीं है, बल्कि भविष्य की दिशा पर भी सवाल खड़ा करता है। मूर्तियां टूटीं तो उन्हें ठीक किया जा सकता है, लेकिन यदि विचारों को खंडित करने का यह सिलसिला जारी रहा तो यह मानवता की आत्मा के लिए घातक सिद्ध होगा। समय-समय पर शरारती एवं असामाजिक तत्व देश एवं दुनिया में भारत की महा-विभूतियों- गांधी-मोदी के दर्शन व उनकी कार्य-पद्धतियों पर कीचड़ उछालते रहे हैं और उन्हें गालियां देकर गौरवान्वित होते रहे हैं। ताजा गांधी प्रतिमा को तोड़ने की घटना किसी साधारण शरारत या स्थानीय असंतोष का परिणाम नहीं है, बल्कि यह उस गहरी हिंसक, आतंकी और विकृत मानसिकता का प्रतीक है, जो दुनिया में अहिंसा की आवाज़ को दबाना चाहती है। यह घटना केवल एक प्रतिमा को खंडित करने की नहीं, बल्कि महात्मा गांधी के विचारों पर आहत करने की साजिश है। गांधी महज एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक दर्शन हैं। उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांत विश्व राजनीति, समाज और मानवता के लिए अब भी सबसे बड़ी प्रेरणा बने हुए हैं। इसीलिए हिंसक मानसिकताएं बार-बार इन मूल्यों को मूक बनाने या कुचलने का प्रयास करती हैं। गांधी प्रतिमा पर हमला वस्तुतः उसी मानसिकता की पुनरावृत्ति है, जिसने उनकी हत्या की थी। आज यह मानसिकता कभी धार्मिक उग्रवाद, कभी नस्लीय भेदभाव, कभी आतंकवाद और कभी आर्थिक साम्राज्यवाद का रूप धारण करके सामने आती है। यह घटना भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए गंभीर चेतावनी है कि यदि अहिंसा और सहअस्तित्व की आवाज़ को चुप करा दिया गया, तो मानव सभ्यता हिंसा, आतंक और विनाश के अंधकार में जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते वर्षों में जिस तरह शांति, वैश्विक सहयोग और अहिंसक संवाद की परंपरा को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित करने का प्रयास किया है, वह गांधी दर्शन की ही आधुनिक अभिव्यक्ति है। अंतरराष्ट्रीय संघर्षों, जलवायु संकटों, आतंकवादी क्रुरताओं और युद्ध की विभीषिकाओं से जूझती दुनिया में भारत की यह भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे में गांधी प्रतिमा पर हमला, दरअसल इस शांति अभियान को ठेस पहुँचाने का संगठित प्रयास है। यह केवल भारत को नहीं, बल्कि उन सभी देशों और समुदायों को चुनौती है, जो अहिंसा को सभ्यता का मूल मंत्र मानते हैं। आज यह जरूरी है कि हम इस हिंसक और आतंकवादी मानसिकता को करारा जवाब दें। यह जवाब केवल प्रतिवाद या आक्रोश से नहीं, बल्कि गांधी के विचारों को और अधिक दृढ़ता से जीकर और फैलाकर देना होगा। जब-जब गांधी प्रतिमा पर चोट की गई है, तब-तब गांधी और बड़े होकर खड़े हुए हैं। कभी-कभी प्रशंसा नहीं ऐसी गालियां गांधी को ज्यादा पूजनीय बनाती रही हैं। जिस प्रकार गांधी ने कहा था-"आप मुझे मार सकते हैं, मेरे शरीर को नष्ट कर सकते हैं, पर मेरे विचारों को समाप्त नहीं कर सकते"-यह सत्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है। दरअसल, अहिंसा को कुचलने की हर कोशिश अहिंसा को और अधिक शक्तिशाली बना देती है। यह हमला गांधी की अमरता का प्रमाण है। हमें इस अवसर को केवल निंदा तक सीमित न रखकर, गांधी के सत्य, प्रेम और सहिष्णुता के संदेश को और व्यापक स्तर पर प्रसारित करना चाहिए। तभी आतंकवादी मानसिकता को वास्तविक और स्थायी जवाब मिलेगा। गांधी को कितने सालों से कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है। जीते जी और मरने के बाद गांधी ने कम गालियां नहीं खाईं। गोडसे ने गोली से उनके शरीर को मारा पर आज तो उनके विचारों को बार-बार मारा जा रहा है। महात्मा के शिष्यों ने, बापू के बेटों ने, संत के अनुयायियों ने और गांधी की पार्टी वालों ने उनको बार-बार बेचा है, उनसे कमाया है, उनके नाम से वोट मांगे हैं, सत्ता प्राप्त की है, सुबह-शाम धोखा दिया है और उनकी चादर से अपने दाग छिपाये हैं। लेकिन बहुत हो गया, अब यह आवश्यक है कि इस घटना का विरोध केवल भावनात्मक या औपचारिक स्तर पर न होकर ठोस, नैतिक और प्रभावी स्वरूप में हो। आज गांधी को खोजने की जरूरत मूर्तियों में नहीं, बल्कि अपने जीवन और आचरण में है। यही इस घटना से निकला सबसे बड़ा संदेश है कि अहिंसा की रक्षा केवल स्मारकों से नहीं बल्कि व्यवहार से होगी। गांधी की प्रतिमा का क्षरण क्षणिक है, किंतु उनके विचारों की हत्या यदि हम होने देंगे तो यह सम्पूर्ण मानवता की हार होगी। लंदन में गांधीजी की इस प्रतिमा का अनावरण 1968 में इंडिया लीग के सहयोग से हुआ था। यूके में गांधी जयंती के मौके पर यह जगह लंबे समय से मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा है। हर साल 2 अक्टूबर को यहां फूलों से श्रद्धांजलि दी जाती है और गांधीजी के प्रिय भजन बजते हैं। इस दिन को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने मान्यता दे रखी है। इसके चबूतरे पर लिखा है- 'महात्मा गांधी, 1869-1948'। उनका लंदन से ऐतिहासिक संबंध रहा है,जहां उन्होंने यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में कानून की पढ़ाई की थी।

कुछ अलग

जायन तो जनता के सिर पर ही

कल हम गोबर सुपुत्र लेट होरी सपने में नेता हो गए। नेता भी फुलफ्लेज्ड! तब पूरे ऑनेस्टी मंत्रालय का आजाद भार सुसरे इन दो कंधों पर। जबकि सच ये बा कि इस उम्र में हम अपने कुरते का भार भी अपने कंधो पर नहीं उठा पाता हूं। डेमोक्रेसी के नेतन की सबसे बड़ा खासियत इही है कि इहां बंदा बूढ़ा नहीं होता, सदा जवान रहता है। बूढ़े हों उसकी नौकरी करने वाले। अब ज्यों ही ऑनेस्टी मंत्रालय का पूरा कार्यभार सुसरे कंधों पर आया तो सब नेतन की तरह हमने भी सोचा कि हम भी ऑनेस्टी बोले तो ईमानदारी की गंगा में नहा लें, देस को ऑनेस्टी के छेत्र में बिस्व गुरु बना लें। गंगा मैली है तो का हुआ? इतने गंदे रोज गंगा में नहाएंगे तो क्या वह खाक साफ रह पाएगी? जब तक हम अव्वल दर्जे के गंदे रगड़ रगड़ कर अपने तन का मैल उसमें न धो लें, हमको मोक्स दिखता ही नहीं! री गंगा! तू बेचारी तो तब साफ रहे जो हम गंदे लोगन तुझे साफ रहने दें। सुसरा अपने देश में मैला कौनो नहीं? जिसके तन पर कपड़े हैं वह तो मैला है ही, पर जिस सुसरे के तन पर लंगोटी तक नहीं, वह भी मैला ही है। सो हमने सोचा! बींग अ ऑनेस्टी मंत्रालय के श्री आजाद नेता जी भी देस की पिछली सरकार में पीछे छोड़ी ऑनेस्टी को और बढ़ा लें ताकि हमारे जाने के बाद हमारा नाम भी ऑनेस्टी को आगे बढ़ाने वाले महापुरसों की तालिका में लिखा जाए। और इसकी खातिर हमने तय किया कि हम देस में ऑनेस्टी की न्यू डिवेलपमेंट वास्ते विदेसों का बिद फैमिली दौरा करेंगे। अकेले हमारा मन कहीं नहीं लगता न! विद फैमिली वहां जाकर वहां से वहां की ऑनेस्टी का मॉडल लाकर अपने देस में चालू करवाएंगे।

देश दुनिया से

अमरीका-पाक संबंध और भारत का विरोध

विगत सप्ताह व्हाइट हाउस ओवल कार्यालय में ट्रंप के निमंत्रण पर पहुंचे पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ व सेना प्रमुख आसिम मुनीर की अमेरिकी राष्ट्रपति से हुई भेंटवार्ता दुनिया के लिए नवाश्चर्य है। दोनों पक्षों की भेंट का वास्तविक कारण सार्वजनिक नहीं होने दिया गया। एकल अथवा संयुक्त रूप में भी कोई ऐसा वार्ता-विवरण प्राप्त नहीं हुआ, जो अकस्मात हुई दोनों पक्षों की वार्तालाप का कोई ठोस उद्देश्य प्रकट कर सके। ये गुप्त वार्ता विश्व के लिए एक असुरक्षित कूटनीतिक संकेत है। जून 2025 में भी ट्रंप ने ऐसा ही किया था। तब वे कनाडा में आयोजित हो रही जी-7 की बैठक बीच में ही छोड़, अमेरिकी ओवल कार्यालय में आसिम मुनीर के स्वागत हेतु पहुंच गए थे। उस समय जी-7 में भारतीय प्रधानमंत्री मोदी का, आमंत्रित देश के प्रधान के रूप में उपस्थित होना, ट्रंप के लिए असहज हो गया था। अतः मुनीर व ट्रंप की तत्कालीन भेंट भारत के लिए अप्रत्याशित उलझन बन गई थी। अब पुनः ट्रंप का, मुनीर व शरीफ से मिलना, भारत के लिए नई कूटनीतिक समस्या उत्पन्न कर रहा है। जनवरी में ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के साढ़े आठ माह बाद, अब जाकर पाक प्रधान शहबाज शरीफ ने उनसे पहली भेंट की है। ट्रंप की पाकिस्तानी शासकों के साथ ये उलझी हुई मैत्रीपूर्ण गुत्थी, भारत व अमेरिका के अनेक स्तरीय संबंधों को दिनोंदिन अविश्वास में धकेल रही है। दोनों पक्षों के मध्य कुल 80 मिनट की बातचीत हुई है, किंतु सूचना-सार तब भी सार्वजनिक नहीं हुआ। ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका तथा पाकिस्तान का यह नवीन संधि-आग्रह अवश्य ही भारत के प्रति दोनों देशों द्वारा बनाई-अपनाई जा रही किसी न किसी दूरगामी कूटनीति का संकेत है। इसका प्राथमिक व प्रत्यक्ष संबंध, दस दिन पहले ही अमेरिकी योजना से पाकिस्तान-सऊदी अरब के मध्य संपन्न हुए रणनीतिक सुरक्षा अनुबंध से है। भारत के प्रति पाकिस्तान के शत्रुतापूर्ण आचरण को देख-समझ कर भी अपने व भारत के अनेक क्षेत्रों के महत्त्वपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों को 'रणनीतिक सुरक्षा अनुबंध' द्वारा तिरोहित करने वाले सऊदी अरब को भारत ने दस दिनों में ही कई आघात दे दिए हैं। भारत ने अरब देश के अनेक निवेश समझौतों को समीक्षा पटल पर रख दिया है। भारत से विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों द्वारा लाभान्वित होने वाले अरबी व्यापारियों के मध्य तीव्र हलचल मची हुई है। अरब देश के सामने अत्यंत असहज स्थिति उत्पन्न हो गई है। सऊदी ने भारत के साथ उभरती अपनी इस नवीन समस्या के बारे में जब अमेरिका को सूचित किया या अमेरिकी शासन की प्रमुख गुप्तचर मंडली ने जब इसका स्वयं संज्ञान लिया तो स्थितियों पर नया विचार हुआ। इसीलिए अधिक संभावना यही है कि इस प्रकरण पर आगे की रणनीति निर्धारित करने सऊदी की ओर से पाकिस्तानी प्रमुखद्वय ओवल कार्यालय में ट्रंप से मिलने चले गए। यह स्पष्ट होता चला जा रहा है कि ट्रंप भारत को अस्थिर करने पाकिस्तानी कंधे का प्रयोग कर रहे हैं अथवा पाकिस्तान समेत अनेक मध्य-पूर्वी मुसलिम देशों की हिंदू विरोधी मानसिकता को भांपकर, अपने व अपने पारिवारिक व्यवसाय के प्रसार हेतु, ऐसे देशों की भारत विरोधी कूटनीति-राजनीति को बढ़ाने में सहयोग कर रहे हैं, ताकि वे इनके साथ मनमाने व्यापारिक अनुबंध करके इनकी ओर से अमेरिकी अधिवक्ता बनने का अभिनय कर सके। ट्रंप के बारे में यह तो निश्चित है कि वे पहले देशों के मध्य कूटनीतिक व सैद्धांतिक युद्ध भडक़ाते हैं और फिर शीघ्र अयुद्धक शांति की घोषणा कर देते हैं, ताकि इसका मूल्य, अमेरिका का, अपना व्यापार बढ़ाकर अर्जित कर सकें। इसी क्रम में वे शांति का नोबल पुरस्कार पाने की इच्छा भी पाले हुए हैं। अमेरिका सहित पूरे विश्व में 'ट्रंप आर्गनाइजेशन' नामक व्यवसाय मंच के अंतर्गत ट्रंप के सौ से अधिक व्यवसायों के लाभकारी संचालन हेतु जनसंख्या से भरे पड़े बाजारों की आवश्यकता है। विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या धारक भारत के साथ अमेरिकी अनुकूलता के आधार पर व्यापारिक अनुबंध न होने के कारण तथा चीन को अपने हिस्से की अधिक लाभांशार्जन शर्त पर व्यापार करने हेतु सहमत न कर पाने के कारण, अब अमेरिका और विशेषकर ट्रंप व उनके परिवारीजनों के व्यापार के लिए जनसंख्या से भरे पड़े जो बाजार विद्यमान हैं, वे दक्षिण एशिया में इंडोनेशिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश के रूप में ही हैं। इसीलिए अमेरिकी शर्तों पर कुछ भी करने को सहमत होने वाले ऐसे देशों से ही अमेरिका, अमेरिकी व्यापारी तथा ट्रंप व्यावसायिक लाभार्जन करना चाहते हैं। अमेरिका ने इसे एक व्यापारिक विकल्प भी मान लिया है कि जब तक भारत, चीन तथा अन्य बड़े व अधिक जनसंख्या वाले देशों के साथ अमेरिकी व्यापारिक अनुबंध पूर्ण नहीं होते हैं, तब तक किसी न किसी व्यापार को पाकिस्तान, बांग्लादेश तथा मध्य-पूर्वी भूभाग के मुसलिम देशों में स्थापित-प्रसारित करके लाभ भी अर्जित किया जाए तथा उन्हें ये स्वीकारोक्ति करने के लिए भी बाध्य किया जाए कि अमेरिका उन पर कृपा कर रहा है। ट्रंप की योजना पाकिस्तान में क्रिप्टो करेंसी कारोबार बढ़ाने की भी है। कतर, यूएई व सऊदी अरब की धन-संसाधन संपन्नता के कारण इन देशों में वे रियल एस्टेट व्यवसाय करना चाहते हैं। इसीलिए इन देशों के साथ अमेरिकी संबंध इन दिनों संतुलित दिखाई दे रहे हैं। भारत ने अमेरिकी डेयरी उत्पादों तथा अन्य आपत्तिजनक वस्तुओं के आयात को प्रतिबंधित रखने के कारण, दीर्घावधि से प्रतीक्षित अमेरिका-भारत व्यापार अनुबंध पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। यही प्रमुख विषय है, जो अमेरिका-भारत के संबंधों को शिथिल कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर में अल्पावधि के भारत-पाक युद्ध को रुकवाने की, ट्रंप की तथाकथित घोषणाओं-वक्तव्यों पर मौन-तटस्थ रहकर, उन्हें नकारने वाले मोदी दूसरी बार ट्रंप को आहत कर गए। इसके बाद शुल्क प्रति शुल्क मूल्यवृद्धि, अनर्गल भारत विरोधी वक्तव्य, यूरोपीय देशों को भारत के विरुद्ध करने के आधिकारिक-अनाधिकारिक अभियान, ईरान स्थित चाबहार तट व्यापार अवसंरचना के संचालन पर पुनः प्रतिबंध, एच-1बी वीजा आवेदन के शुल्क में अत्यधिक वृद्धि, भारतीय औषधियों के आयात पर सौ प्रतिशत शुल्क जैसे निर्णयों ने, भारत के प्रति ट्रंप प्रशासन की भूमिका को अति संदिग्ध बना दिया है। परिस्थिति देख यही प्रतीत हो रहा है कि हमारे प्रति अमेरिका का यह दुराचरण तब तक भिन्न-भिन्न नए स्वरूपों में सामने आता रहेगा, जब तक कि अमेरिकी शर्तों पर भारत-अमेरिका का व्यापार अनुबंध पूर्ण नहीं हो जाता है। शरीफ, मुनीर के साथ ट्रंप की अनियोजित भेंट का मूल उद्देश्य तो पाकिस्तान सहित अन्य मुसलिम देशों में अमेरिकी व्यापार की संभावनाएं ढूंढना है, किंतु लगे हाथ भारत के विरुद्ध पाकिस्तान के माध्यम से किसी न किसी अशुभकारी षड्यंत्र की रूपरेखा बनाना भी हो सकता है।

आप का नजरिया

शिक्षा बोर्ड के पास अवसर

कुछ तो आधार खिसका, कुछ तो अधिकार खिसका, लेकिन एक नई सोच के दायरे में हिमाचल स्कूल शिक्षा बोर्ड को, अपनी प्रासंगिकता के दायरे बढ़ाने होंगे। सरकारी स्कूलों का इतिहास बदलने की जरूरत न होती, तो हिमाचल स्कूल शिक्षा बोर्ड के पालने न टूटते। ये टूटे हैं, तो तख्तियों पे हिसाब आया है, तेरे प्रांगण में कहीं तो बदलाव आया है। स्कूल शिक्षा बोर्ड के खजाने से सौ शहरी स्कूल अब शिक्षा की वकालत में सीबीएसई हो गए, तो यह नई ऊर्जा का संकेत है। हम यह तो नहीं कहते कि बोर्ड की वजह से शहरी स्कूल, छात्रों से दूर हो गए, लेकिन सीबीएसई के ब्रांड में भविष्य का सपना और शिक्षा की मंजिल सुदृढ़ हो गई। दूसरी ओर महज सीबीएसई स्कूल घोषित करना एकमात्र विकल्प नहीं। अब इन स्कूलों में वैकल्पिक व्यवस्था, अध्ययन की नई परिपाटी और फैकल्टी की उत्कृष्टता भी चाहिए। इसके लिए अलग से मैरिट आधार पर ऐसे शिक्षक चुने जाएं, जो कम से कम अगले एक दशक की बुनियाद पर सारा ढर्रा बदल दें। यह स्कूल कॉमन नहीं और न ही यह मुफ्त की वर्दी और पास होने की गारंटी को तसदीक करें। यह वजीफा स्कूल नहीं, विजयी स्कूल बनाने हैं, तो यहां प्रवेश पाने से लेकर करियर बनाने तक मॉडल विकसित करना होगा। जाहिर है सीबीएसई स्कूलों का एक अलग कॉडर बनने की प्रतीक्षा कर रहा है, तो इन्हें निजी स्कूलों की प्रतिस्पर्धा में प्रबंधकीय व्यवस्था भी चुननी पड़ेगी यानी कि सौ संस्थानों की छवि व इनकी मार्केटिंग के लिए एमबीए स्तर के प्रबंधक चुनने पड़ेंगे। जाहिर है ये विशिष्ट स्कूलों की हैसियत में परिमार्जित होने चाहिएं ताकि एक दिन चंडीगढ़ की तरह के शिक्षा प्रांगण विकसित हो जाएं। दूसरी ओर हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के सामने पहली बार यह चुनौती खड़ी हुई है कि वह श्रेष्ठ छात्रों के करियर की प्रयोगशाला बने। जाहिर है ग्रामीण शिक्षा के उद्धारक के रूप में इसे टेलेंट को उभारने का नया अवसर सामने आया है। जिन शहरी कस्बों के स्कूलों का सरकार ने सीबीएसई मान्यता से माल्यार्पण किया है, उनके सामने स्कूल शिक्षा बोर्ड की मिट्टी पूरे हिमाचल में खड़ी है। हम पहले भी कह चुके हैं कि मात्र परीक्षा बोर्ड बनकर शिक्षा में गुणवत्ता उपार्जन नहीं होगा। स्कूल शिक्षा बोर्ड दो तरह से अपनी क्षमता की रंगत दिखा सकता है। प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में शिक्षा के पैरामीटर बदलने के लिए विभाग के साथ मिलकर स्कूलों को करियर विकास केंद्र के रूप में जन्म दे। अब तक श्रेष्ठता में साइंस-कॉमर्स की काबिलीयत देखी गई, जबकि ग्रामीण आर्थिकी, कृषि-बागबानी, मत्स्य पालन, डेयरी, लोक कला, गीत-संगीत, खेल और लोक थियेटर के रूप में अगर बारह जिलों में बारह उत्कृष्ट शिक्षा के केंद्र ग्रामीण परिवेश में सुदृढ़ किए जाएं और इन्हें संबंधित हुनर के आईटीआई स्तर के प्रशिक्षण केंद्रों से जोड़ा जाए, तो ये करियर ओरिएंटेशन के पिल्लर साबित होंगे। इसके अलावा हिमाचल स्कूल शिक्षा बोर्ड को अपने स्तर पर शिक्षा विभाग के साथ कुछ आदर्श स्कूल तथा मुख्यालय धर्मशाला के अलावा दो-तीन स्थानों पर शिक्षा अकादमियों का संचालन आठवीं से बारहवीं तक करना चाहिए। प्रदेश में एक परीक्षा के तहत हजार छात्रों का चयन करके उन्हें आठवीं से बारहवीं तक किसी न किसी करियर परीक्षा के लिए तैयार करना होगा। केवल स्कूल शिक्षा बोर्ड को ही नहीं, बल्कि प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों को भी अपने परिसर में बोर्ड समर्थित स्कूलों का संचालन करके उच्च शिक्षा की उत्कृष्ट पायदान मजबूत करनी होगी।

स्कूल शिक्षा बोर्ड के खजाने से सौ शहरी स्कूल अब शिक्षा की वकालत में सीबीएसई हो गए, तो यह नई ऊर्जा का संकेत है। हम यह तो नहीं कहते कि बोर्ड की वजह से शहरी स्कूल, छात्रों से दूर हो गए, लेकिन सीबीएसई के ब्रांड में भविष्य का सपना और शिक्षा की मंजिल सुदृढ़ हो गई। दूसरी ओर महज सीबीएसई स्कूल घोषित करना एकमात्र विकल्प नहीं। अब इन स्कूलों में वैकल्पिक व्यवस्था, अध्ययन की नई परिपाटी और फैकल्टी की उत्कृष्टता भी चाहिए। इसके लिए अलग से मैरिट आधार पर ऐसे शिक्षक चुने जाएं, जो कम से कम अगले एक दशक की बुनियाद पर सारा ढर्रा बदल दें। यह स्कूल कॉमन नहीं और न ही यह मुफ्त की वर्दी और पास होने की गारंटी को तसदीक करें। यह वजीफा स्कूल नहीं, विजयी स्कूल बनाने हैं, तो यहां प्रवेश पाने से लेकर करियर बनाने तक मॉडल विकसित करना होगा। जाहिर है सीबीएसई स्कूलों का एक अलग कॉडर बनने की प्रतीक्षा कर रहा है, तो इन्हें निजी स्कूलों की प्रतिस्पर्धा में प्रबंधकीय व्यवस्था भी चुननी पड़ेगी यानी कि सौ संस्थानों की छवि व इनकी मार्केटिंग के लिए एमबीए स्तर के प्रबंधक चुनने पड़ेंगे। जाहिर है ये विशिष्ट स्कूलों की हैसियत में परिमार्जित होने चाहिएं ताकि एक दिन चंडीगढ़ की तरह के शिक्षा प्रांगण विकसित हो जाएं। दूसरी ओर हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के सामने पहली बार यह चुनौती खड़ी हुई है कि वह श्रेष्ठ छात्रों के करियर की प्रयोगशाला बने। जाहिर है ग्रामीण शिक्षा के उद्धारक के रूप में इसे टेलेंट को उभारने का नया अवसर सामने आया है।

दृष्टि कोण

वैश्विक उथल-पुथल के दौर में देश तलाशे अपनी भूमिका

हालिया घटनाएं मुझे फिर से एक बार इस पर विचार करने के लिए प्रेरित करती हैं कि वैश्विक परिदृश्य में खेले जा रहे सत्ता के खेल में भारत की जगह क्या हो और इसमें 'साउथ ब्लॉक' को क्या भूमिका निभाने की जरूरत है। पिछले कुछ वक्त से, राष्ट्रपति ट्रंप और उनका व्यक्तित्व जोकि अमेरिकी रणनीति को संचालित कर रहा है, इसको लेकर काफ़ी चर्चा जारी है। हालांकि यह एक कारक मात्र है, यह मान लेना कि इसका प्रभाव सब चीज़ों पर है, देश मामलों का अति सरलीकरण होगा; खासकर तब जबकि अमेरिका एक महाशक्ति है। शायद हमारी अपनी राजनीति, जो लंबे समय से संस्थागत होने की बजाय व्यक्ति पर टिकी है, हमें दूसरों को भी अपने इसी नज़रिए से देखने के लिए मजबूर करती है...मेरी राय में यह एक गंभीर चूक है। सर्वप्रथम, अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों को ही लीजिए। हालांकि पाकिस्तान कभी-कभी अमेरिका के लिए एक उद्दंड बालक जैसी समस्या रहा है (विशेषकर अल-क़ायदा और ओसामा बिन लादेन के दौर में), फिर भी यह मुल्क दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए अमेरिकी नीति में कुल मिलाकर एक अहम औजार रहा है। सोवियत संघ के विरुद्ध अफ़ग़ान मुजाहिदीन विद्रोह के दौरान पाकिस्तान ने काफी अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद, अफ़ग़ानिस्तान पर अमेरिकी आक्रमण और तालिबान के साथ युद्ध के दौरान, पाकिस्तान ने रसद सहायता और ख़ुफ़िया जानकारी, दोनों प्रदान की, यानि इस तरह उसने तालिबान और हक्कानी नेटवर्क, दोनों के साथ, दोहरा खेल खेला, हालांकि उसे इसकी भारी क़ीमत चुकानी पड़ी। 'पैटन' टैंकों से शुरू करते हुए और आगे चलकर एफ-16 लड़ाकू विमान देना, पाकिस्तानी सेना को भी ज्यादातर अमेरिका ने ही सुसज्जित और प्रशिक्षित किया। बेशक,हालिया वर्षों में, उसे चीन के रूप में एक मज़बूत समर्थक भी मिल गया। मैं इस पुराने संबंध का ज़िक्र इस क्षेत्र में अमेरिका के रहे (और आज भी) रणनीतिक हितों पर प्रकाश डालने के लिए कर रहा हूं। अब एक बार फिर अमेरिकी राष्ट्रपति ने अफ़ग़ानिस्तान से बगराम एयरबेस अमेरिका को सौंपने की मांग की है, जो इस संकेत है कि जल्द ही कोई कड़ी कार्रवाई होने वाली है। सोवियत संघ के साथ हमारे संबंध और विशेष रूप से तीनों सेनाओं में रूस निर्मित हथियार और गोला-बारूद की आमद के चलते (हमारे अधिकांश पुराने उपकरण रूस के हैं) 20वीं सदी के अधिकांश समय में भारत-अमेरिकी संबंधों को ठंडा या ज्यादा-से-ज्यादा गुनगुना ही कहा जा सकता है। सोवियत संघ विघटन और भारतीय अर्थव्यवस्था के खुलने से अमेरिका के साथ एक नई शुरुआत के लिए अनुकूल माहौल बना। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में हुए भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते ने भारत पर दशकों से लगे परमाणु प्रौद्योगिकी प्रतिबंध को खत्म करवाया और साथ ही एक तरह से परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र होने की मान्यता भी मिली। इससे भारत-अमेरिका संबंधों को काफी सकारात्मक गति मिली। राष्ट्रपति ट्रम्प के पहले कार्यकाल में, भारत-अमेरिका संबंध सुधरते दिख रहे था। हालांकि, इस वर्ष संकेत तब अशुभ हो गए, जब मई में हुई सैन्य झड़प के बाद - जो पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों द्वारा किए गए पहलगाम नरसंहार के बाद हुई थी – ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम पर सहमति बनवाने का दावा किया। भारत ने इसका खंडन किया व स्पष्ट किया कि युद्धविराम दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच वार्ता से बना। इसके बाद, ट्रम्प ने बारंबार युद्धविराम करवाने का दावा किया और कहा कि इस तरह उन्होंने एक संभावित परमाणु संघर्ष को टलवाया।

फिलीपींस में भूकंप ने मचाई तबाही, अब तक 69 की मौत

मनीला, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

फिलीपींस में मंगलवार रात को आए शक्तिशाली भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 69 हो गई है, जबकि 140 से अधिक लोग घायल हुए हैं। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रिक्टर पैमाने पर 6.9 तीव्रता वाला यह भूकंप मंगलवार रात लगभग 10 बजे (भारतीय समयानुसार रात 2 बजे) सेबू प्रांत के बोगो शहर के तट पर आया जिससे जानमाल के भारी नुकसान की खबर है। भूकंप के कारण कई इमारतें ढह गईं और बिजली की आपूर्ति भी ठप हो गई है। सौ वर्ष पुराना एक चर्च भी ढह गया है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार यह भूकंप सतह के करीब था जिसने विनाश को और बढ़ा दिया।

इस बीच फिलीपींस इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्केनोलॉजी एंड सिस्मोलॉजी ने भूकंप के बाद क्षेत्र में कई झटके दर्ज किए, लेकिन लेयते, बिलिरान और सेबू प्रांतों के लिए सुनामी चेतावनी रद्द कर दी गई। इस बीच नागरिक सुरक्षा कार्यालय के उप प्रशासक राफेलिटो एलेक्जेंड्रो ने संवाददाताओं को बताया कि अब तक 69 लोग मारे गए हैं। बचाव दल अभी भी मलबे में फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं। सेबू द्वीप पर भारी बारिश के कारण बचाव कार्य में बाधा आ रही है और अस्पतालों में घायलों की संख्या इतनी अधिक है कि वहां इलाज में काफी मुश्किलें आ रही हैं। सैन रेमिजियो शहर में सबसे ज्यादा तबाही हुई जहां एक बास्केटबाल मैच के दौरान स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की इमारत के ढहने से कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में फिलीपींस तटरक्षक गार्ड के तीन सदस्य और अग्निशमन दल का एक अधिधारी शामिल है। रेड क्रॉस के प्रमुख रिचर्ड गॉर्डन ने बताया कि कई परिवारों के सदस्य मलबे में दबे हुए हैं और शवों को बाहर निकालने के लिए दर्जनों बॉडी बैग का उपयोग किया जा रहा है। सेबू प्रांत फिलीपींस का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है जिसकी आबादी 34 लाख हैं। भूकंप इतना भीषण था कि सड़के बीचोंबीच फट गईं, स्कूलों की दीवारें ढह गईं और एक मॉल में आग लग गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में सौंदर्य प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को मंच से भागते हुए और मैकडॉनल्ड्स की क्षतिग्रस्त इमारतों को देखा जा सकता है। हालांकि मैक्टन-सेबू इंटरनेशनल हवाईअडडे पर उड़ानों का परिचालन अभी भी जारी है। प्रशासन ने बचाव कार्यों के लिए विभिन्न एजेंसियों को तैनात किया है जिसमें बिजली और पानी की आपूर्ति बहाल करने के काम को प्राथमिकता दी जा रही है। सैन रेमिजियो के उप मेयर अल्फी रेनेस ने रेडियो पर अपील करते हुए कहा कि यहां भारी बारिश हो रही है और बिजली नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

ईरान के जवाबी हमले में कम से कम 16 इजराइली पायलट मारे गए

तेहरान। ईरान के जवाबी हमले में कम से कम 16 इजराइली पायलट मारे गए हैं। यह दावा ईरान के एक वरिष्ठ सैन्य सलाहकार ने किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस्लामिक रिवोल्यूशन के नेता अयातुल्लाह सैयद अली खामेनेई के वरिष्ठ सैन्य सलाहकार मेजर जनरल राहिम सफवी ने कहा कि युद्ध के दौरान इजराइली कब्जे वाले क्षेत्रों पर 500 से अधिक मिसाइलें दागी गईं। इन हमलों ने हाइफा और अन्य क्षेत्रों में इजरायली प्रतिष्ठानों को भारी नुकसान पहुंचाया। इनमें कम से कम 16 इजरायली पायलट मारे गए। ईरानी मिसाइलों ने इजराइल की रिफाइनरियों, बिजली संयंत्रों और अनुसंधान केंद्रों को भी निशाना बनाया। सफवी ने कहा कि कुछ मिसाइलों का प्रभाव इतना व्यापक था कि जिसके कारण भूकंप जैसी स्थिति पैदा हो गई और विनाश का दायरा तीन किलोमीटर तक फैला है। उन्होंने कहा कि ईरानी सैन्य बल भविष्य में किसी भी संभावित संघर्ष के लिए तैयार है। इस बीच ईरानी अधिकारियों ने चेतावनी दी कि देश के खिलाफ किसी भी आक्रामकता का करारा जवाब दिया जाएगा। ईरान अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए हर कदम उठाने के लिए तैयार है। उल्लेखनीय है कि 13 जून को किए गए इजराइली हमले में ईरान के 1000 से ज्यादा लोग मारे गए थे, जिसमें सैन्य कमांडर, वैज्ञानिक भी शामिल थे।

कांगो के पूर्व राष्ट्रपति कबीला को सैन्य अदालत ने उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई

किन्शासा। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) के पूर्व राष्ट्रपति जोसेफ काबिला को एक सैन्य अदालत ने मंगलवार को अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई। अदालत ने उन्हें युद्ध अपराध, देशद्रोह और मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी ठहराया। मामला पूर्वी कांगो में रवांडा समर्थित एम23 विद्रोहियों को समर्थन देने से जुड़ा है। अदालत के अनुसार, काबिला पर हत्या, यौन हिंसा, यातना और विद्रोह भड़काने जैसे गंभीर आरोप सिद्ध हुए। सुनवाई के दौरान न तो काबिला मौजूद थे और न ही उनका कोई वकील। अदालत ने उन्हें राज्य और पीड़ितों को लगभग 50 अरब डॉलर का मुआवजा अदा करने का भी आदेश दिया। काबिला ने 2001 से 2019 तक कांगो पर शासन किया और 2019 में जनआंदोलन के दबाव में पद छोड़ा। वे हाल के महीनों में ज्यादातर दक्षिण अफ्रीका में रहे हैं, हालांकि मई में वे पूर्वी कांगो के गोमा शहर में विद्रोहियों के बीच दिखाई दिए थे। वर्तमान राष्ट्रपति फेलिक्स त्शिसेकेदी ने उन पर एम23 विद्रोहियों को प्रायोजित करने का आरोप लगाया था। एम23 इस समय नॉर्थ और साउथ किवु प्रांतों के बड़े हिस्से पर कब्जा किए हुए हैं। इस संघर्ष में हजारों लोग मारे गए और लाखों विस्थापित हुए। विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला देश में और अधिक राजनीतिक अस्थिरता और विभाजन को जन्म दे सकता है।

स्कूल में छात्र पढ़ रहे थे नमाज, तभी भरभराकर गिरी छत, मलबे में 91 दबे

जकार्ता। इंडोनेशिया के पूर्वी जावा प्रांत के सिदोआर्जो शहर में एक दर्दनाक हादसा हो गया है। यहां के एक स्कूल में छात्र नमाज पढ़ रहे थे तभी अचानक स्कूली भवन भरभराकर गिर गया जिसमें 91 बच्चे दब गए। राहत एवं बचाव कार्य मंगलवार से चल रहा है। इस घटना ने पूरे इलाके को दहला दिया है और परिजन अपने बच्चों को ढूंढने के लिए मलबे के बीच चक्कर लगा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह हादसा उस समय हुआ, जब बोर्डिंग स्कूल के छात्र शाम की नमाज़ अदा कर रहे थे। इमारत के निचले हिस्से में मस्जिद बनी हुई थी, जबकि ऊपर के तल पर निर्माण कार्य चल रहा था। अधिकारियों के अनुसार, भवन की नींव इतनी मज़बूत नहीं थी कि ऊपरी मंज़िलों पर चल रहे निर्माण का भार झेल सके, और इसी वजह से पूरी इमारत भरभराकर गिर गई। इस हादसे के बाद परिजन अपनों की तलाश में रोते-बिलखते दिखे।

ताइपे के आगे नहीं चली अमेरिकी दबंगाई खारिज कर दिया चिप वाला प्रस्ताव

ताइपे,01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

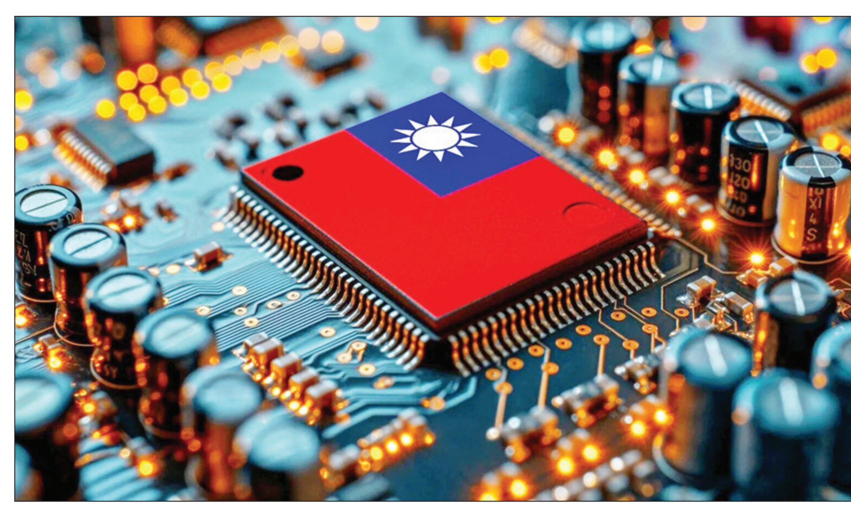

दुनिया में हुकूमत चलाने के लिए अमेरिका आए दिन दबंगई करता है। कई देश उसके दबाव में आकर काम करते हैं। इस बार ताइपे ने गजब का झटका दिया और साफ कह दिया कि वह अमेरिका के उस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करेगा, जिसमें कहा गया था कि ताइवान अपने 50 प्रतिशत सेमीकंडक्टर उत्पादन को अमेरिकी भूमि पर शिफ्ट करे। बता दें कि ताइवान वर्तमान में दुनिया के 50 प्रतिशत से अधिक सेमीकंडक्टर बनाता है, जिनमें से उच्चतम तकनीक वाले चिप्स का लगभग पूरा उत्पादन वही करता है। इसे लंबे समय से ताइवान की सिलिकॉन शील्ड माना जाता है। यह एक ऐसी सामरिक ढाल है जो चीन द्वारा आक्रमण या नाकाबंदी की स्थिति में अमेरिका को ताइवान की सुरक्षा में शामिल होने के लिए मजबूर करती है। ताइवान की उप-प्रधानमंत्री एवं मुख्य टैरिफ वार्ताकार चेंग ली-च्युन ने बुधवार को स्पष्ट किया कि 50-50 चिप उत्पादन विभाजन का विचार केवल अमेरिका का है और ताइवान ने इस दिशा में कभी कोई प्रतिबद्धता नहीं दी है।

उन्होंने कहा, मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि यह अमेरिका की सोच है। हमारी वार्ता टीम ने कभी इस तरह की कोई सहमति नहीं दी। कृपया निश्चिंत रहें, हमने इस मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं की और न ही ऐसी किसी शर्त को मानेंगे। चेंग हाल ही में वॉशिंगटन से लौटी हैं, जहां उन्होंने अमेरिकी टैरिफ को लेकर वार्ताएं कीं। उन्होंने बताया कि बातचीत में कुछ प्रगति हुई है, लेकिन अभी अंतिम समझौता नहीं हो सका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने ताइवान से आने वाले सेमीकंडक्टर्स पर अस्थायी रूप से 20 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इस कदम से ताइवान के उद्योग जगत में चिंता बढ़ गई है। ट्रंप ने यह भी चेतावनी दी है कि वह सेमीकंडक्टर्स पर काफी बड़ा टैरिफ लगाने पर विचार कर रहे हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि हाल के महीनों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) तकनीक की मांग में भारी उछाल आया है। इसके चलते ताइवान और अमेरिका के बीच व्यापार घाटा और भी बढ़ गया है। अमेरिकी आंकड़ों के अनुसार, ताइवान से अमेरिका को होने वाले 70 प्रतिशत से अधिक निर्यात सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी क्षेत्र से जुड़े हैं, जिनमें चिप्स भी शामिल हैं।

ट्रंप के गाजा शांति प्रस्ताव पर इस्लामिक देश हुए सहमत, हमास ने कहा- सोचकर बताएंगे

गाजा। गाजा में शांति स्थापित हो इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 20 सूत्रीय प्रस्ताव दिया है। इससे इजरायल सहित दुनिया के तमाम इस्लामिक देश सहमत हुए हैं, लेकिन हमास इस पर सहमत है या नहीं इसको लेकर अभी संशय है। इस मामले में हमास ने सिर्फ इतना कहा है कि इस मसौदे पर विचार मंथन के बाद ही कुछ फैसला लेंगे। गाजा को लेकर शांति योजना में कहा गया है कि जंग खत्म करने के बदले हमास को आत्मसमर्पण करके हथियार डालने होंगे। इसके अलावा योजना में फिलिस्तीनियों के लिए मानवीय मदद भेजने और गाजा के पुनर्निर्माण का वादा किया गया है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार इजरायल और हमास के बीच जंग में 66 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। गाजा से जुड़ी योजना को अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी समर्थन मिल रहा है। इस प्रस्ताव पर हमास का कोई निर्णय हो इससे पहले जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, तुर्की, सऊदी अरब, कतर और मिस्र के विदेश मंत्रियों की ओर से संयुक्त बयान जारी किया गया। उसमें कहा गया कि युद्ध समाप्त करने, गाजा के पुनर्निर्माण, फिलिस्तीनी लोगों के विस्थापन को रोकने और व्यापक शांति को बढ़ावा देने के राष्ट्रपति ट्रंप के प्रस्ताव की घोषणा का स्वागत करते हैं, साथ ही उनकी इस घोषणा का भी स्वागत करते हैं कि वे पश्चिमी तट पर कब्जा नहीं होने देंगे। बयान में कहा गया है कि मंत्रियों ने समझौते को अंतिम रूप देने और इसके कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका और संबंधित पक्षों के साथ सकारात्मक और रचनात्मक रूप से जुड़ने की अपनी तत्परता की पुष्टि की, जिससे क्षेत्र के लोगों के लिए शांति, सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित हो सके। वहीं दूसरी तरफ ट्रंप के प्लान पर पीएम मोदी ने लिखा कि हम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक व्यापक योजना की घोषणा का स्वागत करते हैं। यह फिलिस्तीनी और इजरायली लोगों के साथ-साथ व्यापक पश्चिम एशियाई क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक और स्थायी शांति, सुरक्षा और विकास का एक व्यवहार्य मार्ग प्रदान करता है। हमें उम्मीद है कि सभी संबंधित पक्ष राष्ट्रपति ट्रंप की पहल के पीछे एकजुट होंगे और संघर्ष को समाप्त करने और शांति सुनिश्चित करने के इस प्रयास का समर्थन करेंगे।

संघीय बजट को लेकर ट्रंप को झटका, अमेरिका में शटडाउन का संकट गहराया

वाशिंगटन,01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में संघीय बजट के पास नहीं होने के कारण सरकार को शटडाउन का सामना करना पड़ेगा। इससे पहले अहम घटनाक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प सीनेट से फंडिंग बिल को पास नहीं करवा पाए। मंगलवार देर रात बिल पर मतदान में समर्थन में 55 और विरोध में 45 वोट पड़े। इसे पास कराने के लिए 60 वोटों की जरूरत थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका लगा है। ट्रंप की पार्टी को सीनेट में अस्थायी फंडिंग बिल पास कराने के लिए कम से कम 60 वोटों की जरूरत थी लेकिन सिर्फ 55 वोट ही जुट पाए।

सरकारी खर्चे वाले विधेयक को पारित कराने के लिए रिपब्लिकन पार्टी को कम से कम सात डेमोक्रेट सांसदों के समर्थन की जरूरत थी। ऐसे में यह प्रस्ताव गिर गया है। सौ सदस्यों वाली सीनेट में 53 रिपब्लिकन, 47 डेमोक्रेट और 2 निर्दलीय सांसद हैं। फंडिंग से जुड़े बिल को पास कराने के लिए 60 वोट जरूरी होते हैं। 1.7 लाख करोड़ डॉलर का बजट इस संकट का सबब बना है, इस बजट से संघीय एजेंसियों का संचालन होता है। यह अमेरिकी बजट का करीब एक-चौथाई हिस्सा है। इससे जुड़े प्रस्ताव के गिरने के बाद ट्रंप प्रशासन के पास जरूरी फंडिंग नहीं होगी। इस स्थिति में कई संघीय कामकाज रुक सकता है। अमेरिकी कानून के तहत जब तक बजट या अस्थायी फंडिंग बिल पास नहीं होता तब तक कई गैर-जरूरी सरकारी विभागों और सेवाओं को बंद करना पड़ता है। जिसे शटडाउन कहा जाता है। अमेरिका में 01 अक्तूबर से नया वित्त वर्ष लागू होता है। फंडिंग बिल के पास नहीं होने की स्थिति में शटडाउन शुरू होने पर सरकारी कर्मचारियों में से 40 फीसदी यानी लगभग 8 लाख कर्मियों को बिना वेतन छुट्टियों पर भेजा जा सकता है। सात साल बाद यह पहला मौका होगा, जब फंड की कमी की वजह से अमेरिका में कई सेवाएं प्रभावित होंगी। 2018 में ट्रंप के पिछले कार्यकाल में भी शटडाउन 34 दिनों तक चला था। पिछले 50 वर्षों में फंडिंग बिल अटकने की वजह से अमेरिका में 20 बार शटडाउन हुआ। ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में ही 3 बार सरकार को शटडाउन का सामना करना पड़ा था।

आंदोलन कर रहे युवाओं को हिरासत में लेते हुए पुलिस अधिकारी

मोरक्को मे बेहतर शिक्षा और स्वास्थ सेवाओं के लिए आंदोलन कर रहे युवाओं को हिरासत में लेते हुए पुलिस अधिकारी ।

चीन को टक्कर देने के लिए अमेरिका-फ्रांस ने मिलकर बढ़ाए जासूसी उपग्रह अभियान

वाशिंगटन,01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिका और फ्रांस अपने सहयोगी जासूसी उपग्रह अभियानों को और आगे बढ़ाते हुए जल्द ही दूसरी संयुक्त मिशन की योजना बना रहे हैं। यह पहल ऐसे समय में हो रही है जब चीन अंतरिक्ष में अपनी सैन्य मौजूदगी तेजी से बढ़ा रहा है और वैश्विक स्तर पर नई स्पेस रेस की स्थिति बन गई है।

अमेरिकी स्पेस कमांड के वरिष्ठ अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल डगलस शीश ने बताया कि फ्रांस के साथ यह होने वाला अभियान अमेरिका का किसी सहयोगी देश के साथ तीसरा संयुक्त अंतरिक्ष मिशन होगा। इससे पहले अमेरिका ने पिछले साल फ्रांस के साथ और इस माह ब्रिटेन के साथ कक्षा में संयुक्त ऑपरेशन किए थे।

अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए यह रणनीतिक रूप से अहम है, क्योंकि उपग्रह अब संचार, मिसाइल चेतावनी और युद्धक्षेत्र खुफिया जैसे अहम क्षेत्रों की रीढ़ बन चुके हैं। चीन, रूस और अमेरिका पहले ही उपग्रहों को निशाना बनाने की क्षमता दिखा चुके हैं। इस स्थिति में किसी संघर्ष के दौरान जीपीएस प्रणाली ठप करने या संचार चैनलों को बाधित करने का खतरा बना रहता है।

पहला अमेरिका-फ्रांस ऑपरेशन एक रेंडेज़वस और प्रॉक्सिमिटी ऑपरेशन था, जिसमें दोनों देशों के सैन्य उपग्रह एक प्रतिद्वंद्वी राष्ट्र के उपग्रह के निकट पहुँचे थे। जबकि हालिया अमेरिका-यूके ऑपरेशन (4-12 सितम्बर) में अमेरिकी उपग्रह ने ब्रिटेन के संचार उपग्रह की कक्षा में स्थिति की पुष्टि की। फ्रांस यूरोप में अंतरिक्ष पर सबसे अधिक खर्च करने वाला देश है और उसके सैन्य अधिकारी मानते हैं कि इस प्रकार के अभ्यास वास्तविक परिदृश्य के लिए आवश्यक तैयारी हैं। पश्चिमी देशों के सैन्य विशेषज्ञ लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि बढ़ते खतरों से न केवल सैन्य उपग्रह बल्कि व्यावसायिक उपग्रह नेटवर्क जैसे स्पेसएक्स का निशाने पर आ सकते हैं।

जनरल शीश ने संकेत दिया कि भविष्य में अमेरिका ऐसे और अभियानों के लिए अन्य सहयोगी देशों को भी शामिल कर सकता है।

अध्ययन से हुआ खुलासा: अमेरिकी किशोरों में नॉन बाइनरी से पहचान ज्यादा, जबकि वयस्कों में ट्रांसजेंडर से

वाशिंगटन,01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में जेंडर आइडेंटिटी को लेकर सामाजिक दृष्टिकोण और परिचय की नई तस्वीर सामने आई है। पेव रिवर्च सेंटर की एक ताज़ा रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी किशोर वयस्कों की तुलना में नॉनबाइनरी व्यक्तियों को अधिक जानते हैं, जबकि वयस्कों में ट्रांसजेंडर लोगों से परिचय का प्रतिशत ज्यादा है।

हाल ही में किए गए इस अध्ययन में पाया गया कि 13-17 वर्ष के किशोरों में 36 प्रतिशत कहते हैं कि वे किसी ट्रांसजेंडर व्यक्ति को जानते हैं और 28 प्रतिशत किसी नॉनबाइनरी व्यक्ति को। इसके उलट, 40 प्रतिशत अमेरिकी वयस्क किसी ट्रांसजेंडर व्यक्ति को जानते हैं, जबकि 23 प्रतिशत नॉनबाइनरी को।

उम्र और लिंग के आधार पर अंतर

रिपोर्ट से यह भी पता चला कि 15 से 17 वर्ष के किशोरों में ट्रांसजेंडर और नॉनबाइनरी व्यक्तियों से परिचय की संभावना 13-14 वर्ष के किशोरों की तुलना में अधिक है। खासतौर पर लड़कियों में यह अनुपात अधिक दर्ज हुआ। 15-17 वर्ष की लड़कियों में 49 प्रतिशत ने कहा कि वे किसी ट्रांसजेंडर को जानती हैं, जबकि लड़कों में यह आंकड़ा 32 प्रतिशत है। नॉन बाइनरी परिचय में भी यही अंतर है, इसमें 37 प्रतिशत लड़कियां और 25 प्रतिशत लड़के हैं। 13-14 वर्ष की लड़कियों में 37 प्रतिशत ट्रांसजेंडर और 27 प्रतिशत नॉन बाइनरी परिचय दर्ज हुआ, जबकि लड़कों में यह क्रमश: 20 प्रतिशत और 14 प्रतिशत रहा।

राजनीतिक विचारधारा का असर

जेंडर आइडेंटिटी की समझ और परिचय पर राजनीतिक झुकाव का भी गहरा असर दिखा।

किशोरों में: डेमोक्रेटिक झुकाव वाले 41 प्रतिशत किशोर किसी ट्रांसजेंडर को जानते हैं, जबकि रिपब्लिकन झुकाव वाले किशोरों में यह आंकड़ा 32 प्रतिशत है। नॉनबाइनरी के मामले में डेमोक्रेटिक किशोर 32 प्रतिशत और रिपब्लिकन 24 प्रतिशत हैं।

वयस्कों में: 47प्रतिशत डेमोक्रेटिक और 33 प्रतिशत रिपब्लिकन किसी ट्रांसजेंडर को जानते हैं। नॉनबाइनरी परिचय में यह अनुपात क्रमश: 32 प्रतिशत और 16 प्रतिशत है।

विचारधारा और सोच

रिपोर्ट यह भी बताती है कि किशोर और वयस्क दोनों का बड़ा हिस्सा मानता है कि किसी व्यक्ति का जेंडर जन्म के समय निर्धारित सेक्स से तय होता है। हालांकि, जेंडर-न्यूट्रल सर्वनाम के इस्तेमाल को लेकर किशोर और वयस्क लगभग समान रूप से सहज पाए गए। इस प्रकार अध्ययन यह संकेत देता है कि अमेरिकी समाज में किशोरों की सामाजिक पहचान और परिचय बदल रहा है। किशोर विशेष रूप से नॉन बाइनरी व्यक्तियों से अधिक परिचित हो रहे हैं, जबकि वयस्कों में अब भी ट्रांसजेंडर परिचय का प्रतिशत प्रमुख है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव आने वाले वर्षों में अमेरिकी समाज की सोच और नीतियों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है।

तमिम इकबाल ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड चुनाव से नामांकन वापस लिया

ढाका,01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के पूर्व कप्तान तमिम इकबाल ने आगामी बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) चुनाव से अपना नामांकन वापस ले लिया है, जो 6 अक्टूबर को होने वाला था।

बाएं हाथ के ओपनर तमिम बुधवार (1 अक्टूबर) को बीसीबी मुख्यालय पहुंचे और औपचारिक रूप से अपने नामांकन पत्र वापस लिए। इसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, हमने अपना नामांकन वापस लिया है। मेरे सहित करीब 14-15 लोगों ने अपना नामांकन वापस लिया है। इसका कारण बहुत स्पष्ट है। मुझे आपको कोई विस्तार से विवरण देने की आवश्यकता नहीं है।

तमिम पहले बीसीबी में निदेशक पद के लिए चुनाव में हिस्सा लेने में रुचि दिखा चुके थे, लेकिन आखिरी समय में उन्होंने अपना मन बदल लिया। उन्होंने नामांकन दाखिल करने के बाद खुलकर सरकार के हस्तक्षेप का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, शुरुआत से ही मैं कह रहा था कि यह चुनाव किस दिशा में जा रहा है और इसे कैसे संचालित किया जा रहा है। जो कुछ भी उस समय सही लगता है, वही किया जा रहा है। यह चुनाव नहीं है और यह क्रिकेट के लिए उपयुक्त नहीं है। यह एक तरह से हमारी निंदा है कि हम इस गंदगी का हिस्सा नहीं बन सकते।

पूर्व कप्तान ने जोर देकर कहा कि बांग्लादेश क्रिकेट और उसके प्रशंसक बेहतर के हकदार हैं। उन्होंने आगे कहा, क्रिकेट ने सौ प्रतिशत हार मान ली है। पहले चुनाव में फिक्सिंग बंद करो, फिर क्रिकेट में फिक्सिंग के बारे में सोचो। यह चुनाव बीसीबी के लिए एक काला निशान बन गया है।

तमिम ने चुनाव प्रक्रिया की तीखी आलोचना की और कहा कि यह प्रक्रिया बांग्लादेश क्रिकेट के लिए एक अपमानजनक कदम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में इस मामले पर और विस्तार से बात करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

गेल मोनफिस ने किया संन्यास का ऐलान, 2026 सीज़न होगा करियर का आखिरी साल

पेरिस। फ्रांस के स्टार टेनिस खिलाड़ी गेल मोनफिस ने घोषणा की है कि वे 2026 सीज़न के बाद पेशेवर टेनिस से संन्यास ले लेंगे। 39 वर्षीय मोनफिस ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, आने वाला साल मेरे पेशेवर करियर का आखिरी होगाज मैं अपने इस फैसले से पूरी तरह संतुष्ट हूं। पूर्व विश्व नंबर-6 मोनफिस ने 2004 में प्रो करियर की शुरुआत की थी और अब तक 13 एटीपी खिताब अपने नाम किए हैं। उन्होंने दो ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल (2008 फ्रेंच ओपन और 2016 यूएस ओपन) तक का सफर तय किया। इसी साल जनवरी में वे 38 साल 132 दिन की उम्र में ऑकलैंड खिताब जीतकर एटीपी इतिहास के सबसे उम्रदराज़ चैंपियन बने, और इस मामले में रोजर फ़ेडरर का रिकॉर्ड तोड़ा। फ्रांस के मशहूर फोर मस्केटियर्स में जो-विलफ्रेड सोंगा, गिल्स सायमन और रिचर्ड गैस्के के बाद अब मोनफिस भी रिटायर होने जा रहे हैं। हालांकि वे कभी ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं जीत पाए, लेकिन उन्होंने अपने 21 साल के लंबे करियर को गर्व से याद किया। फिलहाल विश्व रैंकिंग में नंबर-53 पर काबिज मोनफिस, यूक्रेनी टेनिस खिलाड़ी एलीना स्वितोलिना के पति हैं और उनकी एक बेटी भी है। उन्होंने अपने प्रशंसकों का आभार जताते हुए कहा, जिन्होंने भी कभी 'अले गैल' का नारा लगाया, आपके प्यार और ऊर्जा का मेरे लिए बहुत बड़ा महत्व रहा।

अंडर-19 यूथ टेस्ट: वैभव सूर्यवंशी और वेदांत ने भारत को दिलाई बढ़त

ब्रिस्बेन। भारतीय अंडर-19 टीम के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने पहले यूथ टेस्ट के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ धमाकेदार शतक लगाकर टीम को मजबूती से बढ़त दिलाई। वैभव सूर्यवंशी ने 78 गेंदों में शतक लगाते हुए भारत को पहली पारीग में 428 रन तक पहुंचाया। दिन का खेल खत्म होने पर ऑस्ट्रेलिया की टीम 8 रन पर 1 विकेट खो चुकी थी, जिसमें ओपनर एलेक्स ली यंग को डक पर पैसर दीपेश देवेंद्रन ने आउट किया। सूर्यवंशी ने केवल 86 गेंदों में 113 रन बनाए, जिसमें 9 चौके और 8 छक्के शामिल थे। उन्होंने एक छक्का और चौका लगाकर शतक पूरा किया। उन्होंने 78 गेंदों पर शतक पूरा किया और इसी के साथ वह यूथ टेस्ट इतिहास में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए, उनसे पहले आयुष म्हात्रे ने 64 गेंद पर शतक लगाया था। सूर्यवंशी इस उपलब्धि के साथ सबसे कम उम्र में ऑस्ट्रेलिया की जमीन पर शतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज लियाम ब्लैकफोर्ड का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2023 में इंग्लैंड के खिलाफ 124 गेंदों में शतक लगाया था। साल 2025 में सूर्यवंशी पहले ही सुर्खियों में रहे हैं। जुलाई में इंग्लैंड दौरे पर, उन्होंने 15 साल की उम्र से पहले एक ही यूथ टेस्ट में अर्धशतक और विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया। इसके अलावा, उन्होंने ब्रेंडन मैक्कुलम के रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए दो 100-बॉल से कम शतक भी लगाए। सूर्यवंशी के अलावा वेदांत त्रिवेदी ने भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए 192 गेंदों पर 19 चौकों की बदौलत 140 रन बनाए। इन दोनों की पारियों की बदौलत भारत ने अपनी पहली पारी में 428 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 243 रन बनाए थे और दिन का खेल खत्म होने पर ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 8 रन पर 1 विकेट खो दिया है और भारत से अभी भी 177 रन पीछे है।

ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स 2025: सेमीफाइनल में वाचियर-लाग्रेव से हारे प्रज्ञानानंद

साओ पाउलो। भारत के ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद को ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स 2025 के सेमीफ़ाइनल में फ्रांस के जीएम मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के हाथों हार का सामना करना पड़ा। क्लासिकल मुकाबले बराबरी पर समाप्त होने के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच दो रैपिड और चार ब्लिट्ज़ गेम खेले गए। अंत में वाचियर-लाग्रेव ने 17-11 के स्कोर से जीत दर्ज की। फ्रांसीसी खिलाड़ी ने पहला रैपिड गेम जीतकर चार अंकों की बढ़त हासिल की, जबकि दूसरा रैपिड गेम ड्रॉ पर समाप्त हुआ। ब्लिट्ज़ दौर में प्रज्ञानानंद ने दो बार स्कोर बराबर करने का मौका बनाया, लेकिन जीत की स्थिति में होने के बावजूद गलतियों के कारण वह मैच अपने नाम नहीं कर पाए। अब फ़ाइनल में वाचियर-लाग्रेव का सामना अमेरिका के फाबियानो कारुआना से होगा, जिन्होंने एक कड़े मुकाबले में लेवोन अरोनियन को 15-13 से हराकर खिताबी भिड़ंत में जगह बनाई।

टी20आई रैंकिंग : अभिषेक शर्मा ने बनाया नया रिकॉर्ड, हासिल किये सर्वाधिक रेटिंग पॉइंट्स

नई दिल्ली,01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रैंकिंग में नया इतिहास रच दिया है। एशिया कप (यूएई) में 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' बने अभिषेक ने बल्लेबाज़ों के लिए सर्वाधिक रेटिंग पॉइंट्स का रिकॉर्ड अपने नाम किया।

25 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज़ ने 931 रेटिंग पॉइंट्स हासिल किए, जो इंग्लैंड के डेविड मलान के 2020 में बनाए गए 919 अंकों के पिछले रिकॉर्ड से 12 अधिक हैं। श्रीलंका के खिलाफ 61 रन की पारी के बाद उन्होंने यह मुकाम हासिल किया। टूर्नामेंट में अभिषेक ने 926 अंकों के साथ समाप्त किया, जो दूसरे स्थान पर मौजूद इंग्लैंड के फिल साल्ट से 82 अंक ज्यादा रहे। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ 75 रनों की शानदार पारी भी खेली।

भारत के तिलक वर्मा ने श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 49 और पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 69 रन बनाकर 28 अंक हासिल किए और तीसरे स्थान पर बरकरार हैं। श्रीलंका के पथुम निसंका शतक लगाने के बाद टॉप-5 में पहुंचे हैं। वहीं पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान (11 स्थान बढ़कर 13वें), भारत के संजू सैमसन (8 स्थान बढ़कर 31वें) और बांग्लादेश के सैफ हसन (45 स्थान बढ़कर 36वें) भी रैंकिंग में आगे बढ़े हैं।

गेंदबाज़ों की रैंकिंग में भारत के कुलदीप यादव पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में 4 विकेट लेने के बाद 9 स्थान की छलांग लगाकर 12वें पायदान पर आ गए। पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी (12 स्थान बढ़कर 13वें), बांग्लादेश के रिशाद हुसैन (6 स्थान बढ़कर 20वें), भारत के जसप्रीत बुमराह (12 स्थान बढ़कर 29वें) और पाकिस्तान के मोहम्मद नवाज़ (5 स्थान बढ़कर 41वें) ने भी रैंकिंग मे सुधार किया।

ऑलराउंडरों में पाकिस्तान के सैम अयूब पहली बार नंबर-1 पर पहुंच गए हैं। उन्होंने जिम्बाब्वे के सिकंदर रज़ा, नेपाल के दीपेन्द्र ऐरी, अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी और भारत के हार्दिक पांड्या को पीछे छोड़ा। ऐरी चौथे स्थान पर बरकरार रहते हुए 5 अंक हासिल कर 214 पर पहुंचे, जो अयूब से 27 अंक कम हैं। नेपाल के खिलाड़ियों में दीपेन्द्र ऐरी ने गेंदबाज़ों की सूची में 10 स्थान की छलांग लगाकर 72वां स्थान हासिल किया। इसके अलावा ललित राजबंशी (6 स्थान बढ़कर 51वें) और आसिफ शेख (3 स्थान बढ़कर 77वें) ने भी ऐतिहासिक वेस्टइंडीज़ पर सीरीज जीत के बाद रैंकिंग में प्रगति की।

वनडे में दूसरी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली भारतीय गेंदबाज बनीं दीप्ति शर्मा

गुवाहाटी। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा भारत की महिला वनडे क्रिकेट में दूसरी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गई हैं। दीप्ति ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी नीतू डेविड को पीछे छोड़ यह उपलब्धि हासिल की। एसीए स्टेडियम, गुवाहाटी में खेले जा रहे महिला वनडे विश्व कप 2025 के उद्घाटन मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ दीप्ति ने यह उपलब्धि अपने नाम की। उन्होंने पहले श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू को आउट किया और फिर कवेशा दिल्हारी को पवेलियन भेजते हुए वनडे में अपना 142वां विकेट लिया, जिससे उन्होंने नीतू डेविड (141) को पीछे छोड़ दिया। इसके बाद उन्होंने अनुष्का संजीवनी को आउट कर अपना विकेटों का आंकड़ा 143 तक पहुंचाया। भारत ने यह मैच 59 रनों से जीता। दीप्ति का यह प्रदर्शन भारत की जीत में अहम साबित हुआ और उन्होंने एक बार फिर टीम के लिए अपनी अहमियत साबित की।

भारत के लिए महिला वनडे में सर्वाधिक विकेट

- **झूलन गोस्वामी** - 255 विकेट (203 पारियां)
- **दीप्ति शर्मा** - 143 विकेट (112 पारियां)
- **नीतू डेविड** - 141 विकेट (97 पारियां)
- **नूशीन-अल-खादिर** - 100 विकेट (77 पारियां)
- **राजेश्वरी गायकवाड़** - 99 विकेट (64 पारियां)।

इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने चाइना ओपन का खिताब जीता

बीजिंग,01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने अमेरिका के युवा टीनर लर्नर टिएन को 6-2, 6-2 से हराकर अपने करियर का 21वां खिताब जीत लिया। सिनर ने बीजिंग की हार्ड कोर्ट पर यह खिताब दूसरी बार अपने नाम किया। 2023 में उन्होंने अपने टूर्नामेंट डेब्यू में डेनियल मेदवेदेव को हराकर पहला खिताब जीता था।

24 साल के सिनर अब तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने चाइना ओपन का खिताब एक से अधिक बार जीता है। उनसे पहले नोवाक जोकोविच ने छह और राफेल नडाल ने दो खिताब जीते हैं। बीजिंग के सेंटर डायमंड कोर्ट पर उनकी एकमात्र हार उनके बड़े प्रतिद्वंदी कार्लोस अल्काराज के हाथों हुई थी। अल्काराज ने पिछले साल चाइना ओपन का फाइनल तीन सेट में जीता था।

सिनर ने पहले सेट में टिएन को तुरंत ब्रेक करते हुए मैच पर कब्जा जमा लिया। दूसरे सेट के दूसरे गेम में टिएन को ब्रेक लेने का एक मौका मिला, लेकिन सिनर ने तुरंत नियंत्रण वापस ले लिया। 1 घंटे 12 मिनट चले इस फाइनल में सिनर ने 10 एसेस मारे और मैच को सहज तरीके से समाप्त किया। टिएन अगर जीत जाते तो बीजिंग के इतिहास में सबसे कम रैंक वाले चैंपियन बन जाते और 19 साल 9 महीने की उम्र में एंडी रॉडिक के बाद सबसे युवा अमेरिकी टूर चैंपियन बनते।

सिनर की बीजिंग जीत इस सत्र में उनका तीसरा खिताब। इसके पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन और विम्बलडन जीत रखे हैं। अल्काराज के शंघाई मास्टर्स से बाहर होने के बाद सिनर के पास वर्ष के अंत से पहले पुरुषों की रैंकिंग में टॉप नंबर एक पर वापस लौटने का मौका है। सिनर इस हफ्ते शुरू हुए शंघाई ओपन में टॉप सीड होंगे।

रचिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हुए, नीशम शामिल

ओवल। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज रचिन रविंद्र चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां शुरु हुई चैपल-हैडली ट्रॉफी टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। रचिन की जगह ऑलराउंडर जेम्स नीशम को शामिल किया गया है। रचिन यहां फील्डिंग अभ्यास के दौरान बाउंड्री के किनारे लगे होर्डिंग से टकरा गए थे जिससे उनके चेहरे पर चोट लग गई, जिसके लिए टांके लगाने पड़े। न्यूजीलैंड के कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि टीम रविंद्र के इस प्रकार से बाहर होने पर निराश है। वाल्टर ने कहा, हम सभी रचिन के सीरीज से बाहर होने से दुखी हैं। उनके ऊपरी होंठ और नाक के हिस्से में गंभीर चोट लगी है और उन्हें ठीक होने में अभी समय लगेगा। रचिन निश्चित रूप से हमारे लिए एक अहम खिलाड़ी हैं, पर उनका स्वास्थ्य हमारी पहली प्राथमिकता है, इसलिए उन्हें दो हफ़्ते में इंग्लैंड सीरीज़ के लिए उपलब्ध रहने के उद्देश्य से ठीक होने के लिए घर भेजने का फैसला लिया गया है। वहीं नीशम, जिन्होंने 84 टी20 मैच खेले हैं वह टीम से जुड़ गए हैं। वाल्टर ने कहा कि नीशम एक अनुभवी खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, हम भाग्यशाली हैं कि हमें उमें शामिल करने का मौका मिला, जो अपना पूरा अनुभव और हरफनमौला क्षमताएं लेकर आए हैं।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कैथरीन डेब्रनर ने पूरी की स्वर्ण पदकों की हैट्रिक

नई दिल्ली,01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

स्विटजरलैंड की स्टार व्हीलचेयर रेसर कैथरीन डेब्रनर ने यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रही विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बुधवार को स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की। महिलाओं की 5000 मीटर टी54 और 800 मीटर टी53 स्पर्धाओं में पहले ही स्वर्ण पदक जीत चुकीं कैथरीन ने बुधवार सुबह 3:16.81 मिनट के चैंपियनशिप रिकॉर्ड समय के साथ 1500 मीटर टी54 का खिताब भी अपने नाम किया।

गत चैंपियन झोउ झाओकियान (चीन) 800 मीटर के बाद दूसरी बार दूसरे स्थान पर खिसक गईं। चीनी खिलाड़ी अगले कुछ दिनों में 100 मीटर और 400 मीटर स्प्रिंट में डेब्रनर को मात देने की उम्मीद कर रही होंगी, लेकिन डेब्रनर के पास पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में चार स्वर्ण पदक जीतने का अनुभव है और वह इस बार भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगी।

पुरुषों की शॉट पुट एफ36 स्पर्धा में व्लादिमीर स्विरिडोव (न्यूट्रल पैरा एथलीट) ने अपने अंतिम प्रयास में 17.01 मीटर का शानदार थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता। पिछली बार सर्कल में प्रवेश करने पर, रूस में जन्मे इस एथलीट ने 16.93 मीटर का थ्रो फेंककर गत चैंपियन यासीन गुएनिची (ट्यूनीशिया) से बढ़त हासिल की थी, लेकिन आखिरी प्रयास में गुएनिची उनसे आगे निकल गए।

गुएनिची पहले दो राउंड के बाद 16.57 मीटर और 16.74 मीटर के थ्रो के साथ आठ एथलीटों के समूह में सबसे आगे थे, लेकिन पाँचवें राउंड में स्विरिडोव के आगे निकलने के बाद, ट्यूनीशियाई एथलीट ने अपने छठे प्रयास में 16.93 मीटर का थ्रो फेंककर काउंटबैक में बढ़त बना ली और रूस में जन्मे दो बार के पैरालंपिक खेलों के चैंपियन पर अपनी पहली जीत दर्ज की। आखिरकार, लोहे की गेंद को उठाने के लिए लंबे इंतज़ार के बाद 35 वर्षीय स्विरिडोव ने उसे काफी दूर तक फेंका। जब यह घोषणा की गई कि उन्होंने 17.01 मीटर की दूरी तय कर ली है, तो उन्होंने राहत की सांस ली। ट्यूनीशियाई खिलाड़ी ने आगे बढ़कर स्विरिडोव को गले लगाया और उनकी सराहना की। 2023 और 2024 में स्विरिडोव की अनुपस्थिति में विश्व चैंपियनशिप जीतने वाले गुएनिची रूसी मूल के इस एथलीट की वैश्विक प्रतियोगिताओं में पकड़ ढीली करना चाहते थे। उन्हें 2019 विश्व चैंपियनशिप के साथ-साथ टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में भी हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन उन्होंने स्विरिडोव के अदम्य साहस की सराहना करने में सहजता दिखाई।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पहुंचे नीरज चोपड़ा, दर्शकों से की एथलीट्स का उत्साहवर्धन करने की अपील

नई दिल्ली,01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में मंगलवार का दिन भारतीय भाला फेंक खिलाड़ियों के नाम रहा, जब इंडियनऑयल नई दिल्ली 2025 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत के एथलीट्स ने शानदार प्रदर्शन किया। सबसे पहले संदीप संजय सारगर और संदीप चौधरी ने एफ44 वर्ग में क्रमश: स्वर्ण और रजत पदक हासिल कर देश का मान बढ़ाया। इसके तुरंत बाद सुमित ने एफ64 वर्ग में चैम्पियनशिप रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। उल्लेखनीय है कि सोमवार को भी रिंकू और सुंदर सिंह गुर्जर ने एफ46 वर्ग में स्वर्ण और रजत अपने नाम किए थे। इसी दौरान जब एफ64 स्पर्धा चल रही थी, टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा स्टेडियम पहुंचे। यह खबर फैलते ही मीडिया और दर्शकों में उत्साह की लहर दौड़ गई। स्टेडियम में मौजूद हर शख्स नीरज को देखकर रोमांचित हो उठा और माहौल ऊर्जा से भर गया। नीरज ने भारत के प्रदर्शन पर खुशी जताते हुए खास अपील की। उन्होंने कहा, पैरा एथलीट्स के लिए जीवन वैसे ही काफी कठिन है और फिर भी ये यहां आकर प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। यह वाकई अद्भुत है। अधिक से अधिक लोगों को आकर इन खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाना चाहिए। इस मौके पर उभरते सितारे सचिन यादव भी स्टैंड से सुमित का खेल देखने पहुंचे थे। जब नीरज से सचिन के बारे में पूछा गया, तो 27 वर्षीय एथलीट ने कहा, मेरे पास उन्हें देने के लिए कोई सलाह नहीं है। वह पहले से ही बहुत अच्छा कर रहे हैं और जानते हैं कि सफल होने के लिए क्या करना पड़ता है।

शंघाई मास्टर्स से हटे कार्लोस अल्कराज, शारीरिक समस्या का दिया हवाला

टोक्यो। विश्व नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने इस हफ्ते होने वाले शंघाई मास्टर्स से नाम वापस ले लिया है। जापान ओपन जीतने के कुछ ही घंटों बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। स्पेनिश स्टार ने लिखा, मुझे यह बताते हुए बहुत निराशा हो रही है कि इस साल मैं रोलैक्स शंघाई मास्टर्स में नहीं खेल पाऊँगा। दुर्भाग्य से, मैं कुछ शारीरिक समस्याओं से जूझ रहा हूँ और अपनी टीम से चर्चा के बाद हमने आराम और रिकवरी का फैसला लिया है। हाल ही में यूएस ओपन चैंपियन बने अल्कराज ने आगे कहा, मैं शंघाई के अद्भुत प्रशंसकों के सामने खेलने के लिए उत्साहित था। उम्मीद है कि जल्द वापसी करूंगा और अगले साल अपने चीनी प्रशंसकों से मुलाकात होगी। टोक्यो में हुए जापान ओपन के दौरान अल्कराज को शुरुआती मैच में टखने की चोट लगी थी। हालांकि उन्होंने पट्टी बांधकर खेलना जारी रखा और फाइनल में अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज़ को 6-4, 6-4 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

सोने ने बनाया 1,17,800 का रिकॉर्ड, चांदी भी नई ऊंचाई पर

नई दिल्ली,01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इस सप्ताह लगातार सोने-चांदी के भाव रिकॉर्ड बना रहे हैं। बुधवार को कारोबारी हफ्ते में लगातार तीसरे दिन दोनों के वायदा भाव सार्वजनिक स्तर पर पहुंच गए। घरेलू बाजार में सोने के भाव 1,17,600 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,43,750 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भाव में रिकॉर्ड तेजी देखने को मिल रही है और इनके भाव भी नए रिकॉर्ड पर पहुंच गए। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 365 रुपये की तेजी के साथ 1,17,630 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,17,265 रुपये था। इस समय यह 367 रुपये की तेजी के साथ 1,17,632 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही और भाव रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गए। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 1,059 रुपये की तेजी के साथ 1,43,204 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,42,145 रुपये था। इस समय यह 1,602 रुपये की तेजी के साथ 1,43,747 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई और भाव सर्वोच्च स्तर तक पहुंच गए। कॉमेक्स पर सोना 3,888.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,873.20 डॉलर प्रति औंस था। इस यह 20.20 डॉलर की तेजी के साथ 3,893.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के भाव 3,904.10 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 46.83 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 46.64 डॉलर था। इस समय यह 1.06 डॉलर की तेजी के साथ 47.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

न्यूज ब्रीफ

एटीएफ की कीमत में तीन फीसदी का इजाफा, नई दरें लागू

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत में बुधवार को तीन फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी की है। तेल विपणन कंपनियों ने वैश्विक मानकों के अनुसार विमान ईंधन की कीमतों में यह संशोधन किया है। नई दरें बुधवार से लागू हो गई हैं। आईओसी की वेबसाइट के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत 3,052.5 रुपये प्रति किलोलीटर यानी 3.3 फीसदी बढ़कर 93,766.02 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। एटीएफ के दाम में यह वृद्धि पिछले महीने 1.4 फीसदी यानी 1,308.41 रुपये प्रति किलोलीटर की कटौती के बाद हुई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में एटीएफ की कीमत 84,832.83 रुपये प्रति किलोलीटर से बढ़कर 87,714.39 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई। चेन्नई और कोलकाता में यह क्रमश: 96,816.58 रुपये और 97,302.14 रुपये प्रति किलोलीटर के भाव पर पहुंच गई। वैट जैसे स्थानीय करों के आधार पर इसकी कीमतें विभिन्न शहरों में अलग-अलग होती हैं। विमान ईंधन के मूल्य में की गई कटौती से वाणिज्यिक एयरलाइनों पर बोझ बढ़ेगा। इनके ईंधन परिचालन लागत का लगभग 40 फीसदी हिस्सा है। हालांकि, इस संबंध में एयरलाइनों से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं मिल सकी है।

सितंबर में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की रफ्तार धीमी रही, रोजगार सृजन भी साल के निचले स्तर पर

नई दिल्ली। सितंबर 2025 में भारत के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में नरमी देखी गई, जो चार महीनों का सबसे निचला स्तर है। एक ताजा सर्वेक्षण के अनुसार विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अगस्त में 59.3 से घटकर सितंबर में 57.7 हो गया। यह मई के बाद से सबसे धीमा सुधार है। हालांकि यह अब भी 50 से ऊपर है, जो क्षेत्र में विस्तार का संकेत देता है। मंदी का मुख्य कारण नई ऑर्डर और कच्चे माल की खरीद में आई सुस्ती रहा। इसके साथ ही, रोजगार सृजन की रफ्तार भी कम रही और यह एक साल में सबसे निचले स्तर पर आ गई। केवल 2 फीसदी कंपनियों ने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई। हालांकि, वैश्विक बाजारों से आई अच्छी खबरों ने तस्वीर को कुछ हद तक संतुलित किया है। एशिया, यूरोप, अमेरिका और पश्चिम एशिया से निर्यात ऑर्डर में तेजी दर्ज की गई है। इससे संकेत मिलता है कि अमेरिका में संभावित मांग में गिरावट की भरपाई अन्य क्षेत्रों से हो सकती है। भारत के एक अर्थशास्त्री के अनुसार पीएमआई में गिरावट के बावजूद यह दीर्घकालिक औसत से ऊपर है। उन्होंने बताया कि कंपनियों ने आने वाले 12 महीनों में उत्पादन वृद्धि को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण जताया है।

केंद्रीय कर्मचारियों को राहत: यूनिफाइड पेंशन स्कीम चुनने की डेडलाइन अब 30 नवंबर तक समय

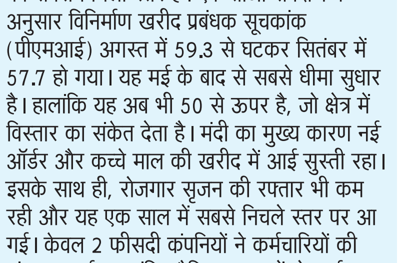

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) को चुनने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब केंद्रीय कर्मचारी 30 नवंबर तक इस योजना का विकल्प चुन सकते हैं। पहले यह डेडलाइन 30 सितंबर थी, जो कर्मचारियों की मांग पर बढ़ाई गई है। यह स्कीम उन सभी कर्मचारियों के लिए है जो 1 अप्रैल 2025 तक एनपीएस में शामिल थे। साथ ही वे रिटायर्ड कर्मचारी जिन्होंने कम से कम 10 साल की सेवा की है, और मृत कर्मचारियों के वैध जीवनसाथी भी यूपीएस का विकल्प चुन सकते हैं। हालांकि, बर्खास्त, अनुशासनात्मक जांच के दायरे में आने वाले या अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त कर्मचारी यूपीएस के पात्र नहीं होंगे। यूपीएस को चुनने के लिए फॉर्म ए2 भरना अनिवार्य है, जो प्रोटियन सीआरए पोर्टल पर उपलब्ध है। कर्मचारी इसे ऑनलाइन जमा कर सकते हैं या दस्तावेज़ों के साथ अपने डीडीओ या कार्यालय प्रमुख को सौंप सकते हैं। नए भर्ती कर्मचारियों को जॉइनिंग के 30 दिनों के भीतर यूपीएस या एनपीएस में से एक का चयन करना होगा। यूपीएस स्कीम में गारंटीड पेंशन का प्रावधान है, जबकि एनपीएस पूरी तरह बाजार आधारित है।

बाजार में हरियाली लौटी, सेंसेक्स ने लगाई 715 अंकों की छलांग, निफ्टी 24800 के पार

नई दिल्ली,01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

आठ दिनों की गिरावट के बाद शेयर बाजार में जोरदार उछाल आया और सेंसेक्स 715.69 अंक उछल गया। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी एक प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। आरबीआई द्वारा प्रमुख ब्याज दरों को अपरिवर्तित रखने और चालू वित्त वर्ष के लिए अपने विकास अनुमान को संशोधित कर 6.8 प्रतिशत करने के बाद बैंक और वित्तीय शेयरों में खरीदारी से इसमें मदद मिली।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 715.69 अंक या 0.89 प्रतिशत उछलकर 80,983.31 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 800.81 अंक या 0.99 प्रतिशत बढ़कर 81,068.43 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 225.20 अंक या 0.92 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,836.30 पर आ गया।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स में सबसे अधिक 5.54 प्रतिशत की तेजी आई, जिसके बाद कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट, सन फार्मा, एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक का स्थान रहा। वहीं बजाज फाइनेंस, भारतीय स्टेट बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा स्टील पिछड़ने वालों में शामिल रहे।

रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों को रखा अपरिवर्तित

भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी प्रमुख ब्याज दरों को अपेक्षित रूप से अपरिवर्तित रखा, क्योंकि वह अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव के साथ-साथ पहले की ब्याज दरों में कटौती और हाल ही में कर कटौती के प्रभाव के बारे में अधिक स्पष्टता की प्रतीक्षा कर रहा था। ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थ टेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि आरबीआई की टिप्पणी से विश्वास बहाल करने में मदद मिली है। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत के वृहद बुनियादी सिद्धांतों में लचीलापन का संकेत मिला है।

यूरोपीय बाजारों में दिखी बढ़त

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सकारात्मक दायरे में बंद हुआ, जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ। चीन में राष्ट्रीय दिवस की छुट्टी के कारण बाजार बंद रहे। यूरोप के शेयर बाजारों में तेजी देखी गई। अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 65.40 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.95 प्रतिशत घटकर 65.40 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 2,327.09 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5,761.63 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। पिछले आठ कारोबारी दिनों में बीएसई बेंचमार्क 2,746.34 अंक या 3.30 प्रतिशत गिरा है, और निफ्टी 812.5 अंक या 3.19 प्रतिशत गिरा है।

सितंबर में जीएसटी राजस्व संग्रह नौ फीसदी बढ़कर 1.89 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली। सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह सितंबर महीने में सालाना आधार पर 9.1 फीसदी बढ़कर 1.89 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। पिछले महीने अगस्त में जीएसटी राजस्व संग्रह 6.5 फीसदी बढ़कर 1.86 लाख करोड़ रुपये रहा था। जीएसटी महानिदेशालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि जीएसटी की दरों को युक्तिसंगत बनाने के कारण बिक्री में वृद्धि से जीएसटी राजस्व संग्रह बढ़ा है। सितंबर, 2025 में शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.60 लाख करोड़ रुपये रहा जो सालाना आधार पर पांच फीसदी अधिक है। सितंबर, 2024 में जीएसटी राजस्व संग्रह 1.73 लाख करोड़ रुपये और अगस्त, 2025 में यह 1.86 लाख करोड़ रुपये रहा था। आंकड़ो के अनुसार सितंबर में सकल घरेलू राजस्व 6.8 फीसदी बढ़कर 1.36 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयात कर 15.6 फीसदी बढ़कर 52,492 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। जीएसटी 'रिफंड' भी सालाना आधार पर 40.1 फीसदी बढ़कर 28,657 करोड़ रुपये हो गया। देश में 22 सितंबर से लागू जीएसटी की दरों का असर जीएसटी आंकड़ों में दिखा है। जीएसटी 2.0 सुधार लागू होने के बाद 22 सितंबर से रसोई के सामान से लेकर इलेक्ट्रॉनिक, दवाओं और उपकरणों से लेकर मोटर वाहन तक 375 चीजों की कीमतें कम हुई हैं।

10 प्रतिशत परिवार ही प्रतिभूति बाजार में करते हैं निवेश : सेबी

मुंबई,01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा किए गए सर्वेक्षण से पता चलता है कि शहरी क्षेत्रों में 15 प्रतिशत परिवार निवेश कर रहे हैं जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह आंकड़ा केवल छह फीसदी है। राज्यों के मामले में दिल्ली 20.7 प्रतिशत निवेशक परिवारों के साथ नंबर वन पोजीशन पर है जबकि गुजरात के 15.4 प्रतिशत परिवार बाजार उत्पादों में निवेश करते हैं। प्रतिभूति ऐसा वित्तीय साधन है जो निवेशक को किसी कंपनी या सरकारी प्रारूप में पैसा लगाने और उस निवेश पर लाभ पाने का मौका देता है। इसमें शेयर, बॉन्ड और म्यूचुअल फंड शामिल होते हैं। इस सर्वेक्षण में पाया गया कि केवल 36 प्रतिशत निवेशकों को ही प्रतिभूति बाजार का मध्यम स्तर का ज्ञान है। इस सर्वेक्षण का एक दिलचस्प पहलू यह है कि करीब 80 प्रतिशत परिवार पूंजी सुरक्षित रखने को ऊंचे रिटर्न से कहीं ज्यादा महत्व देते हैं। खतरे से बचने वाला यह रुझान जेन-जेड परिवारों में भी 79 प्रतिशत तक देखा गया। सेबी ने कहा कि जटिल निवेश उत्पाद, पर्याप्त जानकारी की कमी, भरोसे का अभाव और नुकसान होने का डर परिवारों को बाजार में व्यापक भागीदारी की राह में प्रमुख बाधा हैं। सर्वेक्षण में 90,000 से अधिक परिवारों को शामिल किया गया जो 400 शहरों और 1,000 गांवों से ताल्लुक रखते हैं। इसमें निवेशकों, गैर-निवेशकों, संभावित निवेशकों और मध्यस्थ इकाइयों की राय ली गई। रिपोर्ट के मुताबिक वित्तीय शिक्षा के लिए सोशल मीडिया, मोबाइल ऐप और छोटे वीडियो खासकर युवाओं में लोकप्रिय हैं जबकि बुजुर्ग सदस्य लेख, पॉडकास्ट और कार्यशालाओं को प्राथमिकता देते हैं। सेबी ने कहा कि यह सर्वेक्षण निवेशक शिक्षा, भरोसा बढ़ाने और स्थानीय भाषाओं में जागरूकता पर जोर देकर प्रतिभूति बाजार को अधिक समावेशी बनाने में मदद करेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

संघ ने देश के...

मुक्ति पाने और अपने सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रयासरत था। उन्होंने कहा कि आज जब भारत एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है तो चुनौतियाँ भी बदल गई हैं। आबादी का एक बड़ा हिस्सा गरीबी से उबर रहा है, नए क्षेत्र युवाओं के लिए अवसर पैदा कर रहे हैं और भारत कूटनीति से लेकर जलवायु नीतियों तक वैश्विक स्तर पर अपनी आवाज बुलंद कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज की चुनौतियों में दूसरे देशों पर आर्थिक निर्भरता, राष्ट्रीय एकता को तोड़ने की साजिशें और जनसांख्यिकीय बदलाव शामिल हैं। उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि सरकार इन मुद्दों का शीघ्रता से समाधान कर रही है।उन्होंने जोर देकर कहा कि आत्मनिर्भरता अब एक विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। प्रधानमंत्री ने समाज से स्वदेशी के मंत्र को सामूहिक संकल्प के रूप में अपनाने का आह्वान किया और सभी से वोकल फ़ॉर लोकल अभियान को सफल बनाने के लिए अपनी पूरी ऊर्जा समर्पित करने का आग्रह किया।प्रधानमंत्री ने कहा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पांच परिवर्तनकारी संकल्प - आत्म-जागरूकता, सामाजिक सद्भाव, पारिवारिक प्रबोधन, नागरिक अन-शासन और पर्यावरण चेतना - महत्वपूर्ण साधन हैं जो राष्ट्र की शक्ति को बढ़ाएंगे, भारत को विविध चुनौतियों का सामना करने में मदद करेंगे और 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए आधारभूत स्तंभ के रूप में काम करेंगे।इस कार्यक्रम में केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।श्री शेखावत ने कहा कि संघ केवल एक संगठन नहीं राष्ट्र निर्माण की प्रखर पाठशाला है। इसने देश को नई ऊर्जा देने का कम किया। संघ लगातार सौ वर्षों से काम करता रहा आज यह विश्व का सबसे बड़ा संगठन बना है। दृढ़ भावना के साथ समाज में एकता बनाने के रूप में इसकी पहचान बनी।श्री होसबोले ने नवरात्र की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संस्कृति मंत्रालय ने इस कार्यक्रम के बारे में सोचा इसके लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहता हूँ। कल संघ के विजय यात्रा में एक विशेष विजय दशमी है। संघ ने सौ विजयादशमी देखी हैं। प्रधानमंत्री ने आरएसएस की शताब्दी वर्ष के विशेष अवसर पर डाक टिकट जारी किया है जो स्वयस्वेकों और सभी के लिए हर्ष का अवसर है। संघ आज बहुत विशाल हुआ है और देश के कोने कोने में फैला हुआ है। देश के किसी भी ट्रेन में जाएँगे तो कोई न कोई स्वयंसेवक मिल जाएगा।उन्होंने कहा कि शताब्दी वर्ष पूर्व समाज को संगठित करने के उद्देश्य से यह संगठन बनाया गया तब कहा गया था कि सदियों से समाज जागरण और धर्म रक्षा करने का जो काम किया है उसी परंपरा को आगे बढ़ाने का काम किया है। संघ की यात्रा रोचक है। उदासीनता और विरोध के मार्ग पर चलते हुए आज स्वीकारता पर पहुँचा है। संघ का विचार यहाँ की मिट्टी का विचार है।श्री होसबोले ने कहा कि संघ के स्वंयसेवक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सक्रिय होकर काम कर रहे है। संघ का उद्देश्य व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण करना है। संघ राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रहरी है।

तेलंगाना सरकार ...

करने वाले अधिकारियों को भी विशेष धन्यवाद दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार को दिव्यांग समुदाय के प्रति समर्पित एक सच्ची कल्याणकारी सरकार बताया।

गेहूं का नया...

एमएसपी के अनुसार 59 प्रतिशत अधिक , मसूर की लागत 3705 रुपये की तुलना में नयी एमएसपी 7000 रुपये के हिसाब से 89 प्रतिशत अधिक, सरसों की लागत 3210 रुपये के हिसाब से नयी एमएसपी 6200 में 93 का फायदा और सैफफ्लावर की लागत 4360 है जबकि किसान को नयी एमएसपी 6540 के हिसाब से 50 प्रतिशत का फायदा होगा।यहां लागत से आशय सभी भुगतान की गयी लागतों से है, जैसे मजूदरी, बैल श्रम/मशीन श्रम, पट्टे पर ली गई भूमि का किराया, बीज, उर्वरक, खाद जैसी चीजों पर खर्चा, सिंचाई शुल्क, उपकरणों और कृषि भवनों पर मूल्यह्रास, कार्यशील पूंजी पर ब्याज, पंप सेट आदि के संचालन के लिए डीजल/बिजली, विविध व्यय और पारिवारिक श्रम का अनुमानित मूल्य शामिल हैं।विपणन सत्र 2026-27 के लिये अनिवार्य रबी फसलों के लिए एमएसपी में वृद्धि, औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर एमएसपी तय करने की केंद्रीय बजट 2018-19 की घोषणा के अनुरूप है।

4 हजार से अधिक..

जिनमें तीन विदेशों - मॉस्को, काठमांडू और तेहरान - में स्थित हैं। इन विद्यालयों में कुल 13.62 लाख छात्र पढ़ रहे हैं।नई विद्यालयों की स्थापना पर कुल 5,862.55 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जो वर्ष 2026-27 से अगले नौ वर्षों में चरणबद्ध रूप से खर्च होंगे। इसमें 2,585.52 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय और 3,277.03 करोड़ रुपये संचालन व्यय शामिल हैं।सरकार के इस निर्णय के तहत 7 विद्यालय गृह मंत्रालय के अधीन होंगे, जबकि 50 विद्यालय राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के अधीन संचालित किए जाएंगे। इनमें से 20 विद्यालय उन जिलों में खोले जाएंगे जहाँ अभी तक कोई केंद्रीय विद्यालय नहीं है, लेकिन वहाँ केंद्र सरकार के कर्मचारियों की संख्या अधिक है।इसके अलावा, 14 विद्यालय आकांक्षी जिलों में, 4 विद्यालय वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में और 5 विद्यालय पूर्वोत्तर व पहाड़ी क्षेत्रों में स्थापित किए जाएंगे।इस योजना के तहत 4,617 स्थायी सरकारी नौकरियाँ सृजित होंगी। एक केंद्रीय विद्यालय को चलाने के लिए औसतन 81 पदों की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त, निर्माण कार्य और अन्य गतिविधियों से हजारों अस्थायी रोजगार भी उत्पन्न होंगे।

दिसंबर के पहले...

की खरीद को लेकर भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। अमेरिका का दावा है कि यह कदम रूस पर यूक्रेन में सैन्य आक्रमण रोकने के लिए दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा है।भारत ने इस पर तर्क दिया है कि उसने रूस से तेल आयात इसलिए बढ़ाया क्योंकि संघर्ष के बाद पारंपरिक आपूर्ति यूरोप की ओर मोड़ दी गई थी। ऊर्जा आय रूस के सरकारी बजट का एक प्रमुख स्रोत है, और फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से पश्चिमी देशों ने रूस की निर्यात आय में कटौती करने की कोशिश की है। इसके बावजूद रूस ने अपनी ऊर्जा बिक्री को यूरोप से हटाकर भारत और चीन जैसे देशों की ओर सफलतापूर्वक मोड़ दिया है, जिससे अरबों डॉलर का कैश फ्लो बना हुआ है।भारत और रूस के बीच संबंध ऐतिहासिक रूप से मज़बूत रहे हैं। द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंध सोवियत काल से चले आ रहे हैं। हाल के वर्षों में दोनों देशों ने आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया है। रूस भारत के प्रमुख हथियार आपूर्तिकर्ताओं में से एक है, और युद्ध शुरू होने के बाद से भारत रूसी तेल के सबसे बड़े आयातकों में शामिल हो गया है।राष्ट्रपति पुतिन की यह यात्रा भारत की भू-राजनीतिक रणनीति में एक अहम मोड़ साबित हो सकती है। यह दौरा ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ के समय से मेल खाता है और भारत-रूस संबंधों की मजबूती को और बल दे सकता है। उल्लेखनीय है कि पुतिन ने यूक्रेन पर हमले के बाद अपनी विदेश यात्राओं में काफी कटौती की है, क्योंकि उन पर अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। भारत आईसीसी का सदस्य नहीं है, जिससे पुतिन की भारत यात्रा को कानूनी अड़चन नहीं है।

पार्टी के भीतर ...

19 सितंबर को पत्र लिखकर सशस्त्र संघर्ष जारी रखने की वकालत की थी। अब सोनू ने अपने नए पत्र में सीधे उसी पत्र का जवाब दिया है। उन्होंने कहा है कि अब अस्थायी युद्धविराम और हथियार छोड़ना ही पार्टी के पास एकमात्र विकल्प है क्योंकि न तो आत्मसमर्पण और न ही शांति वार्ता से माओवादियों का अस्तित्व बच सकता है।तेलंगाना खुफिया विभाग के एक अधिकारी के अनुसार, सोनू का दावा है कि पार्टी के अंदर उन्हें पर्याप्त समर्थन प्राप्त है और अब यह साफ हो चुका है कि माओवादियों का एक वर्ग मुख्य धारा में शामिल होना चाहता है।अपने पत्र में सोनू ने सशस्त्र संघर्ष को रोकने के फैसले की टाइमलाइन भी दी। उन्होंने कहा कि हम बदले हुए हालातों के मुताबिक खुद को बदलें, जनता के बीच जाएं और जनाधार मजबूत करें। सोनू ने इस बयान के साथ उन सभी कार्यकर्ताओं से माफी भी मांगी है जिन्होंने लंबे समय तक माओवादी आंदोलन की सेवा की।

भारत के 1,687...

दोनों का जॉइंट वेंचर है, जो 2012 से चल रहा है। ये भारत के सबसे अमीर लोगों की एनुअल लिस्ट जारी करता है, जिनकी नेटवर्थ 1,000 करोड़ से ज्यादा हो। हुरुन रिपोर्ट एक रिसर्च और पब्लिशिंग ग्रुप है, जो अमीरों की लिस्ट बनाता है। इसे 1999 में ब्रिटिश बिजनेसमैन रूपर्ट हूगेवर्फ ने लंदन में शुरू किया था। शुरू में चीन के अमीरों पर फोकस था, लेकिन 2012 में इंडिया वर्जन लॉन्च हुआ, जिसके हेड अनास रहमान जुनैद हैं। च3च् इंडिया एक बड़ी रियल एस्टेट कंपनी है, जो 2010 में बसंत बंसल ने गुरुग्राम में शुरू की थी। ये लोग लग्जरी घर, कॉमर्शियल बिल्डिंग्स, शॉपिंग मॉल्स और ऑफिस स्पेस बनाते हैं।इस लिस्ट के जारी होने के बाद विशेषज्ञों ने अनुमान लगाया है कि भारत की आर्थिक वृद्धि के साथ अमीरों की संख्या अगले साल और बढ़ेगी। फार्मास्यूटिकल्स सेक्टर में 137 अरबपति हैं, जो सबसे आगे है, उसके बाद इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट्स (132) और केमिकल्स (125)। सेल्फ-मेड बिलियनेयर 66% हैं, जबकि नए एंट्रीज में 74% ने खुद से संपत्ति बनाई है। तीसरे स्थान पर रोशनी नरवरी मल्होत्रा और परिवार 2.84 लाख करोड़ के साथ भारत की सबसे अमीर महिला हैं। यह लिस्ट न केवल धन संचय की कहानी बताती है, बल्कि युवा उद्यमियों और महिलाओं की बढ़ती भूमिका को भी रेखांकित करती है।

विजयादशमी आज

हर साल नवरात्रि पर्व के समापन के साथ ही बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में दशहरा पर्व मनाया जाता है। इस साल विजयादशमी पर्व 2 अक्टूबर को मनाया जाएगा। हिंदू कैलेंडर के अनुसार हर साल विजयादशमी पर्व आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि मनाई जाती है। यही कारण है कि इसे विजयादशमी भी कहा जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि वैदिक पंचांग के अनुसार, आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 01 अक्टूबर को शाम 07:01 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 02 अक्टूबर को शाम 07:10 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार दशहरा का त्योहार इस साल 2 अक्टूबर को मनाया जाएगा। रावण दहन प्रदोष काल में किया जाता है। इस दिन सूर्यास्त शाम 06:06 मिनट पर होगा। ऐसे में प्रदोष काल में रावण दहन किया जाएगा। हर साल दशहरा का त्योहार बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। दशहरा के दिन भगवान राम ने रावण का वध कर युद्ध में जीत हासिल की थी। इस पर्व को असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय के रूप में भी मनाया जाता है। दशहरा पर्व हर साल आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। इस त्योहार को विजयादशमी के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि इस दिन मां दुर्गा ने महिषासुर का वध किया था, इसलिए भी शारदीय नवरात्र की दशमी तिथि को ये उत्सव मनाया जाता है। कई जगह पर इस दिन मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन भी किया जाता है।

दशहरा या विजयदशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। हिंदू धर्म में दशहरा के पर्व का विशेष महत्व है। इस साल दशहरा 12 अक्टूबर को मनाया जाएगा। दशमी को ही मां दुर्गा ने महिषासुर नामक राक्षस का वध किया था। इसलिए इसे विजयदशमी के रूप में मनाया जाता है। देशभर में अलग-अलग जगह रावण दहन होता है और हर जगह की परंपराएं बिल्कुल अलग हैं। इस दिन शस्त्रों की पूजा भी की जाती है। इस दिन शमी के पेड़ की पूजा भी की जाती है। इस दिन वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम, सोना, आभूषण नए वस्त्र इत्यादि खरीदना शुभ होता है। दशहरे के दिन नीलकंठ भगवान के दर्शन करना अति शुभ माना जाता है। इस दिन माना जाता है कि अगर आपको नीलकंठ पक्षी के दर्शन हो जाए तो आपके सारे बिगड़े काम बन जाते हैं। नीलकंठ पक्षी को भगवान का प्रतिनिधि माना गया है। दशहरे पर नीलकंठ पक्षी के दर्शन होने से पैसों और संपत्ति में बढ़ोतरी होती है। मान्यता है कि यदि दशहरे के दिन किसी भी समय नीलकंठ दिख जाए तो इससे घर में खुशहाली आती है और वहीं, जो काम करने जा रहे हैं, उसमें सफलता मिलती है।

दशहरा तिथि

दशमी तिथि का आरंभ: 01 अक्टूबर को शाम 07:01 मिनट

तिथि का समापन: 02 अक्टूबर को शाम 07:10 मिनट पर

हिंदू पंचांग के अनुसार ऐसे में दशहरा 2 अक्तूबर 2025 को मनाया जाएगा। दशहरा के दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 04:38 बजे से सुबह 05:26 बजे तक रहेगा। इस दिन दोपहर के समय पूजन का मुहूर्त दोपहर 01:21 बजे से दोपहर 03:44 बजे तक रहेगा

शुभ संयोग

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार विजयदशमी के दिन श्रवण नक्षत्र का होना बहुत शुभ होता है, और इस साल इसका संयोग बन रहा है। दशहरा के दिन सुकर्मा और धृति योग रहेगा। इस दिन रवि योग पूरे दिन रहेगा। हिंदू धर्म में यह ग्रह संयोग अत्यंत शुभ मंगलकारी माना गया है।

शस्त्र पूजन मुहूर्त

दशहरा के दिन कई जगहों पर शस्त्र पूजा करने का भी विधान है। दशहरा के दिन शस्त्र पूजा विजय मुहूर्त में की जाती है। दशहरा के दिन शस्त्र पूजन का खास महत्व है। इस दिन शस्त्र पूजन का शुभ मुहूर्त दोपहर 02:09 बजे से दोपहर 02:56 बजे तक रहेगा। पूजन की कुल अवधि 47 मिनट की है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

रावण दहन मुहूर्त

दशहरा के दिन लंकापति रावण और उसके भाई कुंभकर्ण और पुत्र मेघनाथ के पुतलों का दहन किया जाता है। पुतलों का दहन सही समय में किया जाए तो ही शुभ माना जाता है। रावण दहन इस दिन शाम के समय प्रदोष काल में शाम के वक्त 6:30 मिनट से रात के 8:30 मिनट तक करना शास्त्र सम्मत होगा।

कई तरीकों से मनाया जाता है दशहरा

अलग-अलग जगहों पर दशहरे का त्योहार अलग-अलग तरीके से मनाया जाता है। शस्त्र का प्रयोग करने वाले समुदाय इस दिन शस्त्र पूजन करते हैं। वहीं कई लोग इस दिन अपनी पुस्तकों, वाहन इत्यादि की भी पूजा करते हैं। किसी नए काम को शुरू करने के लिए यह दिन सबसे ज्यादा शुभ माना जाता है। कई जगहों पर दशहरे के दिन नया सामान खरीदने की भी परंपरा है। अधिकतर जगहों पर इस दिन रावण का पुतला जलाया जाता है। वहीं जब पुरुष रावण दहन के बाद घर लौटते हैं तो कुछ जगहों पर महिलाएं उनकी आरती उतारती हैं और टीका करती हैं।

मांगलिक कार्यों के लिए यह दिन माना जाता है शुभ

दशहरा या विजयादशमी सर्वसिद्धिदायक तिथि मानी जाती है। इसलिए इस दिन सभी शुभ कार्य फलकारी माने जाते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, दशहरा के दिन बच्चों का अक्षर लेखन, घर या दुकान का निर्माण, गृह प्रवेश, मुंडन, नामकरण, अन्नप्राशन, कर्ण छेदन, यज्ञोपवीत संस्कार और भूमि पूजन आदि कार्य शुभ माने गए हैं। विजयादशमी के दिन विवाह संस्कार को निषेध माना गया है।

पूजन विधि

दशहरे के दिन सुबह जल्दी उठकर, नहा-धोकर साफ कपड़े पहने और गेहूं या चूने से दशहरे की प्रतिमा बनाएं। गाय के गोबर से 9 गोले व 2 कटोरियां बनाकर, एक कटोरी में सिक्के और दूसरी कटोरी में रोली, चावल, जौ व फल रखें। अब प्रतिमा को केले, जौ, गुड़ और मूली अर्पित करें। यदि बहीखातों या शस्त्रों की पूजा कर रहे हैं तो उन पर भी ये सामग्री जरूर अर्पित करें। इसके बाद अपने सामर्थ्य के अनुसार दान-दक्षिणा करें और गरीबों को भोजन कराएं। रावण दहन के बाद शमी वृक्ष की पत्ती अपने परिजनों को दें। अंत में अपने बड़े-बुजुर्गों के पैर छूकर उनसे आशीर्वाद प्राप्त करें।

व्रत और त्यौहारों के लिहाज से बेहद विशेष माना जाता है अक्टूबर का महीना

अक्टूबर का महीना हिंदू धर्म में व्रत और त्यौहारों के लिहाज से बेहद विशेष माना जाता है। यह समय केवल खुशियों और उत्सव का नहीं, बल्कि धार्मिक अनुष्ठानों और आस्था को मजबूत करने का भी है। पंचांग के अनुसार इस महीने में एक के बाद एक कई महत्वपूर्ण पर्व और व्रत मनाए जाएंगे, जो परिवार और सामाजिक जीवन में उल्लास और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करेंगे। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि अक्टूबर की शुरुआत 1 अक्तूबर को महानवमी और 2 अक्तूबर को दशहरा के पर्व से होगी, जिसके बाद शरद पूर्णिमा, करवा चौथ, अहोई अष्टमी, धनतेरस, दिवाली, छठ पूजा आदि कई महत्वपूर्ण त्यौहार इस महीने में होंगे। इन अवसरों पर व्रत, पूजा और धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं, जो आध्यात्मिक लाभ के साथ-साथ मानसिक संतुलन भी प्रदान करते हैं। यही कारण है कि अक्टूबर का महीना धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्व रखता है और प्रत्येक परिवार के लिए उल्लास और भक्ति का संदेश लेकर आता है।

ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि धार्मिक परंपराओं के लिहाज से अक्टूबर 2025 इस बार बेहद महत्व-पूर्ण माह रहने वाला है। इस महीने दशहरा से लेकर दिवाली और करवा चौध से लेकर छठ महापर्व तक कई प्रमुख त्यौहार और व्रत पड़ रहे हैं। इसी महीने 1 अक्टूबर को शारदीय नवरात्रि का समापन बी हो रहा है। इसके बाद असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक दशहरा मनाया जाएगा। इसके साथ ही पापांकुशा एकादशी , शरद पूर्णिमा और अहोई अष्टमी जैसे व्रत मनाए जाएंगे।

अक्टूबर माह ग्रह गोचर

02 अक्टूबर -	बुध का कन्या राशि में उदय
03 अक्टूबर -	बुध का तुला राशि में गोचर
09 अक्टूबर -	शुक्र का कन्या राशि में गोचर
17 अक्टूबर -	सूर्य का तुला राशि में गोचर
19 अक्टूबर -	बृहस्पति का कर्क राशि में गोचर
24 अक्टूबर-	बुध का वृश्चिक राशि में गोचर
27 अक्टूबर -	मंगल का वृश्चिक राशि में गोचर

02 अक्टूबर - दशहरा

आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को दशहरा मनाया जाता है। असत्य पर सत्य की विजय का यह पर्व शारदीय नवरात्रि के नौ दिनों के बाद आता है। इसी दिन भगवान श्रीराम ने रावण का वध किया था सच्चाई का परचम लहराया था। इस बार यह त्योहार 2 अक्टूबर, गुरुवार को मनाया जाएगा। इस दिन शस्त्र पूजन और रावण दहन की परंपरा है।

06 अक्टूबर - शरद पूर्णिमा

शरद पूर्णिमा हर साल आश्विन मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है। मान्यता है कि इस दिन चंद्रमा सोलह कलाओं से पूर्ण होकर अपनी किरणों में अमृत बरसाता है। इस रात चांदनी में रखा हुआ खीर ग्रहण करना विशेष लाभकारी माना जाता है। इस बार शरद पूर्णिमा 6 अक्टूबर को मनाई जाएगी। कई स्थानों पर इसे कोजागिरी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है।

10 अक्टूबर - करवा चौथ

आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को करवा चौथ का पर्व मनाया जाता है। इस दिन विवाहित महिलाएं अपने पति की दीर्घायु और सुख-समृद्धि की कामना करती है। सुबह से निर्जला उपवास कर शाम को चंद्रमा को अर्घ्य देकर सुहागिन पति के हाथ से जल ग्रहण कर व्रत पूर्ण करती हैं। पंचांग के अनुसार, इस बार करवा चौथ का व्रत 10 अक्टूबर रखा जाएगा।

18 अक्टूबर - धनतेरस/यम दीपदान

हिंदू धर्म में धन त्रयोदशी या धनतेरस का खास महत्व है। इस दिन को पांच दिनों तक चलने वाले दीपावली उत्सव के पहले दिन के तौर पर माना जाता है। हर साल यह पर्व कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को मनाया जाता है। इस दिन भगवान धन्वंतरि, मां लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर की पूजा होती है। इस साल 18 अक्टूबर 2025, शनिवार को धनतेरस का त्योहार मनाया जाएगा. धनतेरस की शाम को दीपदान करने की परंपरा है। इसे यम दीपदान भी कहा जाता है।

19 अक्टूबर -हनुमान जयंती

कार्तिक मास की चतुर्दशी को कई स्थानों पर हनुमान जयंती का पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि इस तिथि को व्रत और हनुमान जी की पूजा करने से जीवन से भय और संकट दूर होते हैं। श्रीरामचरितमानस, सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ करना विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। इस बार 19 अक्टूबर को हनुमान जयंती मनाई जाएगी।

19 अक्टूबर - नरक चतुर्दशी

नरक चतुर्दशी को 'छोटी दिवाली' के नाम से भी जाना जाता है। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को नरक चतुर्दशी पड़ती है। मान्यता है कि इस दिन भगवान कृष्ण ने नरकासुर नामक राक्षस का वध किया था। इसलिए इसे नरक चतुर्दशी कहा जाता है। इस बार सोमवार 20 अक्टूबर को यह त्योहार मनाया जाएगा।

20 अक्टूबर -दीपावली

कार्तिक मास की अमावस्या को बड़ी ही धूमधाम के साथ अंधकार पर प्रकाश की जीत का त्योहार दीपावली मनाया जाता है। इस दिन भगवान राम और माता सीता के अयोध्या लौटने पर दीप जलाकर उनका स्वागत किया था। यही परंपरा आज तक चली आ रही है। इस साल दिवाली का त्योहार 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा। यह दिन मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की कृपा प्राप्त करने के लिए उत्तम माना जाता है।

21 अक्टूबर - कार्तिक अमावस्या

कार्तिक अमावस्या का दिन अत्यंत पवित्र माना गया है। यह तिथि दीपावली के साथ ही आती है और इस दिन पितरों के लिए तर्पण, श्राद्ध और दीपदान करना अत्यंत शुभ होता है। इस दिन किए गए धार्मिक कार्य मनुष्य के पापों का नाश करते हैं और उसे पुण्य फल की प्राप्ति कराते हैं। इस साल 21 अक्टूबर को यह पर्व मनाया जाएगा।

22 अक्टूबर - अन्नकूट व गोवर्धन पूजा

हर साल कार्तिक माह की प्रतिपदा तिथि को गोवर्धन पूजा की जाती है। यह दिन भगवान कृष्ण को समर्पित है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने इन्द्रदेव का अभिमान तोड़कर ब्रजवासियों की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी अंगुली पर धारण किया था। इस दिन कई तरह के भोजन बनाकर भगवान श्रीकृष्ण को अर्पित किया जाता।

23 अक्टूबर - भाई दूज (यम द्वितीया)

भाई दूज कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया को मनाया जाता है। इसे यम द्वितीया भी कहा जाता है। यह दीपावली के पांच दिवसीय उत्सव का अंतिम दिन होता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों को तिलक लगाकर उनकी लंबी आयु और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। मान्यता है कि इस दिन यमराज अपनी बहन यमुना जी से मिलने आए थे, तभी से यह परंपरा चली आ रही है।

व्रत त्योहार

2 अक्टूबर - दशहरा, विजयादशमी
3 अक्टूबर - पापांकुशा एकादशी
4 अक्टूबर - शनि प्रदोष व्रत
6 अक्टूबर - कोजागर पूजा, शरद पूर्णिमा
7 अक्टूबर - वाल्मीकि जयंती, मीराबाई जयंती
8 अक्टूबर - कार्तिक माह शुरू
10 अक्टूबर - करवा चौथ, संकष्टी चतुर्थी
13 अक्टूबर - अहोई अष्टमी
17 अक्टूबर - रमा एकादशी, तुला संक्रांति
18 अक्टूबर - शनि प्रदोष व्रत, धनतेरस, यम दीपम
19 अक्टूबर - नरक चतुर्दशी,
20 अक्टूबर - लक्ष्मी पूजा, दिवाली
21 अक्टूबर - कार्तिक अमावस्या
22 अक्टूबर - गोवर्धन पूजा
23 अक्टूबर - भाई दूज
25 अक्टूबर - विनायक चतुर्थी
27 अक्टूबर - छठ पूजा
31 अक्टूबर - अक्षय नवमी

दशहरा पर यह उपाय करने से पूरे साल पाएंगे लाभ और उन्नति!

नवरात्रि के 9 दिन पूरे होने के बाद अगले दिन यानी दशमी तिथि पर मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करने के बाद उनकी विदाई की जाती है। दशहरा को विजयदशमी के नाम से भी जाता है, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। शास्त्रों के अनुसार, दशहरा का दिन बेहद शुभ होता है और इस तिथि पर दसों दिशाएं खुली रहती हैं। ऐसे में इस दिन किया गया कोई नया काम, पूजा और उपाय जातक को कई गुना फल दिला सकते हैं। ऐसे में 2 अक्टूबर, गुरुवार को दशहरा के दिन कुछ खास और आसान उपाय किए जा सकते हैं। इनमें से एक भी कर लेने से व्यक्ति को पूरे साल लाभ प्राप्त हो सकता है। साथ ही, जीवन में उन्नति प्राप्त होती है।

आर्थिक समस्याओं से राहत पाने का उपाय

दशहरा के दिन एक छोटा सा उपाय करने से आपको आर्थिक समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। इसके लिए दशहरा के दिन अपने पास के किसी मंदिर में जाकर झाड़ू का दान करें। ऐसा करने से जातक को धन की तंगी से निजात मिल सकती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। साथ ही, इस उपाय से घर की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होने लगती है।

इस उपाय को शाम के समय करना सबसे उत्तम माना जाता है और झाड़ू दान करते समय मन में देवी लक्ष्मी का ध्यान करें।

धन-धान्य में वृद्धि का उपाय

इसके लिए दशहरा के दिन शाम के समय भगवान गणेश और लक्ष्मी मां की विधि-विधान से पूजा करें। इस दौरान उन्हें एक नारियल भी जरूर अर्पित करें। इसके बाद, नारियल को अपनी तिजोरी में रख दें और रात के समय नारियल को लेजाकर किसी राम मंदिर में चढ़ाकर आ जाएं। मंदिर में प्रभु श्रीराम से जीवन में सुख-समृद्धि और धन-धान्य में वृद्धि का कामना करें। इस उपाय को करने से जातक को बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है और घर से दरिद्रता दूर हो सकती है।

इस एक उपाय से पुण्य फल होगा प्राप्त

दशहरा के मौके पर प्रभु श्रीराम की आराधना करने का खास महत्व होता है। ऐसा करने के बाद एक लाल रंग के कलम से कम से कम 108 बार राम नाम लिखना चाहिए। इस उपाय को करने श्रद्धापूर्वक करने से जातक को भगवान राम की कृपा प्राप्त हो सकती है और आंतरिक शांति का अनुभव होता है। दशहरा पर श्रीराम से जुड़े इस उपाय से आपको बेहद पुण्य फल प्राप्त हो सकता है।

जीवन में उन्नति प्राप्त करने का उपाय

दशहरा के अवसर पर आप नारियल से जुड़ा एक विशेष उपाय कर सकते हैं। इसके लिए एक नारियल को पीले रंग के साफ वस्त्र में लपेट दें और उसे लेजाकर राम मंदिर में चढ़ा दें। इस उपाय को करने से आपके कार्यों में आ रही बाधाएं दूर हो सकती हैं। साथ ही, जीवन में तरक्की और उन्नति प्राप्त होने लगती है। नारियल का यह उपाय आपको करियर और नौकरी में भी सफलता के मार्ग पर लेकर जा सकता है।

इस उपाय से प्रभु श्रीराम और बजरंगबली की कृपा होगी प्राप्त

मान्यता है कि दशहरा के दिन सुंदरकांड का पाठ करना बेहद शुभ होता है। ऐसा करने से व्यक्ति को भगवान राम, बजरंगबली और जानकीजी की आराधना करने के समान फल प्राप्त होता है। इस दिन पूजा-पाठ करने के साथ-साथ नई चीजें जैसे- वाहन, घर आदि खरीदना भी शुभ माना जाता है। साथ ही, आप दशहरा पर किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। इससे जीवन में तरक्की प्राप्त होती है।

अभिनेत्री जैस्मिन सैंडलस का नया गीत पोल्स हुआ रिलीज़

जैस्मिन सैंडलस, जो यार ना मिले (किक) और 'तरस नई आया' (मुँज्या) जैसे चार्टबस्टर गानों की पॉवरहाउस आवाज़ हैं, उन्होंने अपना लेटेस्ट इंडिपेंडेंट सिंगल पोल्स रिलीज़ कर दिया है। यह ट्रैक आज ही लाइव हुआ है और फैंस व संगीत प्रेमियों से इसे ज़बरदस्त प्यार मिल रहा है। जैस्मिन ने कहा, पोल्स मेरे लिए एक बिल्कुल नई शुरुआत है, जैसे एक कलाकार के रूप में मेरा पुनर्जन्म हुआ हो। इसमें एक डेब्यू सॉन्ग जैसी ऊर्जा और ताजगी है, भले ही मैंने 2008 में अपना पहला ट्रैक 'मुस्कान' रिलीज़ किया था। वे बीते साल मेरे लिए प्रैक्टिस का समय थे, और 'पोल्स' के साथ अब असली खेल शुरू हुआ है। यह गाना रचनात्मक उत्साह और खोज से भरी एक नई यात्रा की शुरुआत है। उन्होंने आगे कहा, पोल्स का डांस स्टाइल हिप हॉप है और मैंने हुक स्टेप सेट पर ही सीखा, यह बहुत ऑर्गेनिक और मज़ेदार प्रोसेस थी। गाने के बोल श्लोक लाल, मैंडी गिल और हरजोत कौर ने खूबसूरती से लिखे हैं। म्यूजिक वीडियो का कॉन्सेप्ट डायरेक्टर प्रीत सिंह का शानदार विचार था: इसे जेल के अंदर सेट करना और मेरा एक विद्रोही, बेफिक्र अपराधी का किरदार निभाना, जो सुरंग से भागती है, लेकिन आखिरकार पकड़ी जाती है। इस कहानी ने प्रोजेक्ट में बहुत गहराई और चंचलता जोड़ दी।

उन्होंने कहा, वीडियो की शूटिंग सिर्फ एक दिन में पूरी हुई और मैंने सेट पर हर डिटेल को समझा। प्रीत सिंह एक जीनियस डायरेक्टर हैं, जिन्होंने पूरे प्रोजेक्ट का नेतृत्व अद्भुत विज़न और सटीकता के साथ किया। ईमानदारी से कहूँ, तो मुझे अपने वीडियो में और डांस करना चाहिए 'पोल्स' का हुक स्टेप इतना कैची और मज़ेदार है।

गाने के जॉनर के बारे में बात करते हुए जैस्मिन ने कहा, गाने का जॉनर 'बैले फंक' है, जिसने बीट सुनते ही मेरा दिल जीत लिया। यह इस जॉनर में मेरा पहला पंजाबी गाना है। इस कोलेबरेशन के लिए, हमने नेपाल के सबसे बड़े प्रोड्यूसर, फोजल को खास तौर पर बुलाया था। सॉन्ग राइटिंग टीम अविश्वसनीय थी और उनका सपोर्ट अनमोल था।

उन्होंने आगे कहा, फाइनल मिक्स और मास्टरिंग अभिषेक खंडेलवाल, जो वाईआरएफ में म्यूजिक हेड हैं, उन्होंने संभाला, जिससे साउंड क्वालिटी बेहतरीन रही। 'पोल्स' मेरे लिए महज़ एक गाना नहीं है, बल्कि यह मेरी कलात्मक यात्रा का एक जीवंत नया अध्याय है। वीडियो के अनोखे कॉन्सेप्ट पर, जैस्मिन ने आगे कहा, यह डायरेक्टर का विज़न था कि एक जेल का सेटअप बनाया जाए, जहाँ मैं एक विद्रोही, बेफिक्र अपराधी का रोल निभाती हूँ, जो सुरंग से भागती है, लेकिन अंततः पकड़ी जाती है। शूटिंग में बहुत मज़ा आया, मैं सेट पर एक अच्छी स्टूडेंट थी और कहानी से जुड़ी हर छोटी डिटेल को फॉलो किया।

फिल्म प्रमोशन में क्लिकबेट सवालों के जवाब देकर वायरल होने की होड़ : वरुण धवन

अभिनेता वरुण धवन की फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' 2 अक्टूबर को रिलीज हो रही है। इस फिल्म की टीम इसके जोरदार प्रमोशन में जुटी है। वरुण धवन ने बताया कि फिल्म के प्रमोशन के दौरान आजकल एक्टर्स को जबरदस्ती के सवालों का जवाब देना पड़ता है। इनमें कुछ क्लिकबेट सवाल होते हैं, जो सिर्फ वायरल होने के लिए ही पूछे जाते हैं। उन्होंने विस्तार से बताया कि कैसे आजकल फिल्म प्रमोशन और मार्केटिंग में पारंपरिक गर्मजोशी और मस्ती–मजाक की कमी हो रही है। जब वरुण धवन से पूछा गया कि क्या आजकल फिल्म प्रमोशन में प्रामाणिकता की कमी है, तो वरुण धवन ने आईएएनएस से कहा, पहले के इंटरव्यू में ईमानदारी और एक–दूसरे से जुड़ने का एहसास होता था। अब अक्सर ऐसा लगता है कि हम दर्शकों से जुड़ने के बजाए ऐसे सवालों के जवाब दे रहे हैं जो वायरल होने के लिए पूछे जाते हैं। हमें और भी गहरे और सार्थक इंटरव्यू और सवाल–जवाब की जरूरत है।

उनके विचारों से सहमति जताते हुए जाह्नवी कपूर ने कहा, सोशल मीडिया के साथ सब कुछ बदल गया है। हम अभी भी मार्केटिंग के पुराने फार्मूले अपना रहे हैं, लेकिन दर्शक और भी ज्यादा स्मार्ट हो गए हैं। यहां तक कि इंटरव्यूज में भी वह उत्साह नहीं रहा, जैसे कोई बातचीत के बीच में ही माइक एडजस्ट कर देता हो। मुझे खुशी है कि आज हम इतने सारे इंटरव्यूज कर रहे हैं क्योंकि इससे हमें अपने दर्शकों और उनकी उम्मीदों से फिर से जुड़ने में मदद मिलती है।

इससे पहले एक इंटरव्यू में जाह्नवी कपूर ने बताया था कि फिल्म के सेट पर मनीष पॉल बहुत ही एनर्जेटिक दिखाई देते थे। वह सेट को खुशनुमा बनाने और अपने किरदार को कभी भी कहीं भी परफॉर्म करने के लिए तैयार रहते थे।

'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में वरुण धवन, जाह्नवी कपूर, रोहित सराफ, सान्या मल्होत्रा और मनीष पॉल जैसे सितारे हैं। इस फिल्म को शशांक खेतान ने डायरेक्ट किया है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 'कांतारा: चैप्टर 1' से क्लैश होगी। दोनों फिल्में साथ ही रिलीज हो रही हैं। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' से ऋषभ शेट्टी की फिल्म को तगड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद है।

सूती साड़ी में खिलकर आई अक्षरा सिंह की खूबसूरती

भोजपुरी सिनेमा की शेरनी अक्षरा सिंह का मुकाबला कर पाना किसी एक्ट्रेस के बस की बात नहीं है। पवन सिंह से विवाद के बाद से एक्ट्रेस ने अपनी मेहनत के बलबूते पर इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई है। एक्ट्रेस बैक–टू–बैक हिट फिल्में और गाने देने से पीछे नहीं हटती, लेकिन सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस की फिल्में तो हिट होती ही हैं, साथ ही उनका हर लुक टॉक ऑफ द टाउन होता है।

अब अक्षरा ने साड़ी पहनकर, सादगी से फैंस का दिल जीत लिया है। अक्षरा सिंह ने सोशल मीडिया पर अपनी ट्रेडिशनल फोटो पोस्ट की है जिसमें वो सूती सफेद साड़ी में भी प्यारी लग रही हैं। एक्ट्रेस की साड़ी पर ब्लू कलर में नजर वाला प्रिंट बना है। एक्ट्रेस ने साड़ी को पिंक ब्लाउज के साथ कैरी किया है और मेकअप को बिल्कुल मिनिमल रखा है। एक्ट्रेस ने फोटोज को पोस्ट कर लिखा– ये साड़ी मुझसे कहती है, 'इससे पहले कि तुम मुझे देखो, मैं तुम्हें देख लेती हूं।' अक्षरा ने अपने घर के गार्डन में पोज दिए हैं, उनके पीछे कई सारे फैंसी प्लांट दिख रहे हैं। इसी साड़ी में एक्ट्रेस ने कई रील भी पोस्ट की है। रील्स में एक्ट्रेस के एक्सप्रेशन जानलेवा हैं।

काम की बात करें तो अक्षरा का लेटेस्ट रिलीज गाना पटना की जगुआर सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है। एक्ट्रेस ने गाने में उन लड़कों से लड़ने का तरीका बताया है जो सड़क पर लड़कियों को परेशान करते हैं। गाने पर 4.79 लाख व्यूज आ चुके हैं। इस गाने को एक्ट्रेस ने अपने ऑफिशियल चैनल पर रिलीज किया है। एक्ट्रेस ने नवरात्रि को देखते हुए भोली सी मईया भक्ति गीत भी रिलीज किया है। फैंस गाने को अच्छा रिस्पांस दे रहे हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस ने 'अम्बे हैं मेरी मां' की शूटिंग पूरी कर ली है। फिल्म को यशी फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया है। फिल्म का पहला पोस्टर भी जल्द रिलीज किया जाएगा।

'बिग बॉस 19' : अशनूर कौर ने फरहाना भट्ट को दी चेतावनी, कहा

परवरिश पर मत जाओ

रियलिटी शो बिग बॉस 19 के आने वाले एपिसोड में कंटेस्टेंट अशनूर कौर और फरहाना भट्ट के बीच जबरदस्त बहस देखने को मिलेगी। इसके प्रोमो में इसकी झलक देखने को मिली है। मेकर्स ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इसे शेयर किया है। इसमें बिग बॉस सभी लोगों को असेंबली हॉल में आने को कहते हैं। इसके बाद वो घर की कप्तान फरहाना को सभी कंटेस्टेंट की घर में रहने की काबिलियत को रैंक करने को कहते हैं। कंटेस्टेंट गौरव खन्ना के बारे में बात करते हुए फरहाना ने कहा, जीके, अपने शब्दों को जुबान पर लाएं जो भी आप सोचते हों।

फिर उन्होंने मृदुल के बारे में बात की और कहा, मृदुल का इस घर में आने का मकसद है कुछ किए बगैर ही आगे बढ़ जाना।

लेकिन जब उन्होंने अशनूर के बारे में अपनी राय दी, तो दोनों में तीखी बहस हो गई। फरहाना ने कहा, अशनूर, तुम सबसे ज्यादा पाखंडी हो।

इस पर अशनूर ने जवाब दिया, पाखंडी आप हैं, मैं नहीं। फिर फरहाना कहती हैं, मेरी परवरिश आपकी तरह नहीं है। फिर गुस्से में अशनूर फरहाना को चेतावनी देते हुए कहती हैं, परवरिश पर तो जाओ ही मत इसके बाद फरहाना उन्हें नकली कहती हैं। इसके जवाब में अशनूर कहती हैं कि उन्हें पता है कि वो नकली नहीं हैं और वह अपने इस फैसले के साथ खड़ी हैं।

यह बहस कितनी आगे जाती है यह तो आने वाले एपिसोड में ही पता चलेगा। वहीं दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर लोग कह रहे हैं कि फरहाना जानबूझकर उनसे लड़ रही हैं ताकि शो से अशनूर कौर को बाहर किया जा सके। इस शो को सलमान खान होस्ट करते हैं।

बता दें कि 'बिग बॉस' के घर से आवेज दरबार बाहर हो गए। उन्हें सबसे कम वोट मिले। उनके शो से बाहर निकलने के बाद 'बिग बॉस' के घर में गौरव खन्ना, अमाल मलिक, अशनूर कौर, मृदुल तिवारी, कुनिका सदानंद, बसीर अली, अभिषेक बजाज, तान्या मित्तल, जीशान कादरी, नेहल चुडासमा, प्रणित मोरे, फरहाना भट्ट और नीलम गिरी ही रह गए हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपनी सेहत के बारे में ज़रूरत से ज़्यादा चिंता न करें। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे. आज आप महसूस करेंगे कि जीवनसाथी के साथ की एहमियत कितनी हे। आज की शाम दोस्तों के साथ कहीं बाहर आप जा सकते हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। ग्रह नक्षत्रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है, आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं। दिन भर लोगों के साथ बिताने के बाद शाम का पूरा वक्त आप अपने जीवनसाथी को दे सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। कोई पुराना परिचित आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। अपने प्रिय की बातों के प्रति आप ज़रूरत से ज़्यादा संवेदनशील रहेंगे– आपको अपने जज़्बात पर क़ाबू रखने की ज़रूरत है और ऐसा कुछ करने से बचें जो मामले को और भी बिगाड़ दे। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे। अपनी खुशी को जाहिर करें इससे आपसे जुडे लोगों को भी खुशी मिलती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

घरेलू परेशानियाँ आपको तनाव दे सकती हैं। अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। पुराने संपर्क और दोस्त मददगार रहेंगे। आज प्यार के नज़रिए से दिन काफ़ी विवादास्पद रहेगा। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ लोग खेल खेल सकते हैं, वर्ग–पहेली हल कर सकते हैं, कहानी लिखने वाले लेखक समुदाय रा–ईटर भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। वैवाहिक जीवन मे सामांजस्य बनाकर चले नही तो साइड इफ़ेक्ट्स भी होते हैं; आज आपको इनका सामना करना पड़ सकता है। ठंडा पानी पीना आज आपके स्वास्थ्य को खराब कर सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। बाहरी चीज़ों का अब कोई ख़ास मायने आपके लिए नहीं बचा है, आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल–खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं। ज़िन्दगी बहुत ख़ूबसूरत नज़र आएगी, क्योंकि आपके जीवनसाथी ने आपके लिए कुछ ख़ास योजना बनाई है। दोस्तों के साथ खाली वक्त मे आप गपशप से कर सकते हैं ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। पुराने निवेशों के चलते आय में बढ़ोत्तरी नज़र आ रही है। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि आपका जीवन–साथी आपको ख़ुशी देने का हर प्रयास करेगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। आज आपको अचानक किसी अनचाही यात्रा पर जाना पड़ सकता है जिसकी वजह से घरवालों के साथ समय बिताने का आपका प्लान खराब हो सकता है। यदि आपसे कोई बात करना चाहे और आपका मूड बात करने का न हो तो आपको शांति से उसे यह बात समझानी चाहिए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप मानसिक और शारीरिक तौर पर थकान महसूस कर सकते हैं, थोड़ा–सा आराम और पौष्टिक आहार आपके ऊर्जा–स्तर को उठाए रखने में अहम साबित होगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आज आपको अपने प्रिय का एक अलग ही अन्दाज़ देखने को मिल सकता है। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना–देना नहीं है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग अब तक पैसे को बेवजह खर्च कर रहे थे आज उन्हें समझ आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है क्योंकि आज अचानक आपको पैसे की जरुरत पड़ेगी और आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने बच्चों के लिए कुछ ख़ास योजना बनाएँ। सुनिश्चित करें कि आपकी योजनाएँ यथार्थवादी हैं और उन्हें अमली जामा पहनाना मुमकिन है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना–जुलना होगा। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा। किसी करीबी और पुराने मित्र से मिलकर आज आप अतीत के सुनहरे दिनों में खो सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

छोटी–छोटी चीज़ों को ख़ुद के लिए परेशानी का सबब न बनने दें। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी/प्रिय से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो।जो काम आप आज पूरे करने में सक्षम हैं उन्हें कल पर ना ही टालें तो आपके लिए अच्छा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. सामाजिक समारोह में परिवार के साथ शामिल होना सबके लिए अच्छा अनुभव रहेगा। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा रह जाएगा। संभव है कि आज आपकी जीभ को भरपूर मज़ा मिले – किसी उम्दा रेस्तराँ में जाना मुमकिन है और लज़ीज़ खाने का लुत्फ़ उठा सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। अपनी पत्नी/पति के साथ पि–कनिक पर जाने का बेहतरीन दिन है। यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। आज आपके और आपके प्यार के बीच कोई आ सकता है। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 02 अक्टूबर 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 07:12 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा प्रातः 09:14 तक
योग : सुकर्मा रात्रि 11:28 तक
करण : तैतिल प्रातः 07:13 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:04 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:08 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:01 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 05:55 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : विजया दशमी, दशहरा, शमी पूजन, गांधी–शास्त्री जयंती , श्री माध्वाचार्य जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में मनाया जीएसटी बचत उत्सव

जयपुर, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में 22 सितंबर से 29 सितंबर तक जीएसटी बचत उत्सव मनाया गया। इस बचत उत्सव के दौरान प्रदेशभर में आमजन और व्यापारियों को जीएसटी रिफॉर्म्स की जानकारी देते हुए इसके फायदों के बारे में अवगत करवाया गया। इस उत्सव के अंतर्गत आयोजित जीएसटी सुधार एवं दर युक्तिकरण जन जागरूकता अभियान में प्रदेशवासियों ने बढ़–चढ़कर सहभागिता की। मुख्यमंत्री, मंत्रीपरिषद् के सदस्यों ने आमजन को किया जगरूक मुख्यमंत्री शर्मा ने जयपुर के मानसरोवर क्षेत्र और भीलवाड़ा के सदरबाजार में जाकर व्यापारियों और आमजन को जीएसटी सुधार के संबंध में जागरूक किया। बचत उत्सव के अंतर्गत प्रत्येक जिले में प्रभारी मंत्री, जनप्रतिनिधि, जिला कलेक्टर एवं वाणिज्यिक कर विभाग के संयुक्त तत्व–ाधान में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई, जिससे आमजन को जीएसटी सुधारों की जानकारी दी गई। व्यापार मंडल, डॉक्टर, सीए–सीएस एवं अन्य प्रोफेशनल्स को शामिल कर इन्टरेक्टिव सेशन्स भी आयोजित किए गए, जिसमें उद्यमियों एवं आमजन को जीएसटी सुधारों से मिलने वाले लाभों के बारे में जागरूक किया है। साथ ही, भीड़–भाड़ वाले स्थानों पर 'सेविंग वॉल' भी लगाई गई, जिसमें सामान्य वस्तुओं पर पुराने एवं नये जीएसटी दरों का उल्लेख किया गया है।

वाणिज्यिक विभाग द्वारा जीएसटी सुधार से आमजन को हुई बचत की जानकारी देने के लिए मोबाइल ऐप भी बनाई है। साथ ही, दुकानदारों को डिजिटल/फिजिकल स्टिकर बांटे गए, जिसमें 'जीएसटी 2.0 के फायदें लागू हैं' का उल्लेख किया गया। इससे आमजन को उत्पादों में हुई रेशनलाइज्ड दरों की जानकारी दी गई। बचत उत्सव के दौरान एफएम और रेडियो चैनलों पर छोटे–छोटे जिंगल्स, 'सफलता की कहानियों' के कैम्पेन, सोशल मीडिया पर प्रचार–प्रसार, विभागीय वेबसाइट पर जीएसटी सुधारों की जानकारी एवं आईटी विभाग के वीडियो वॉल्स पर संबंधित एनिमेशन सहित विभिन्न नवाचार किए गए। इस अभियान के सफल क्रियान्वयन से आमजन, किसान, व्यापारी एवं उद्योगपतियों सहित समाज के सभी वर्गों को जीएसटी दरों में कटौती का लाभ मिलना सुनिश्चित हुआ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से जीएसटी में सुधार की घो–षणा की जो 22 सितंबर 2025 से प्रभावी हुई। जीएसटी रिफॉर्म्स लागू होने के बाद अब देश में मुख्य रूप से जीएसटी की दो दरें 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत प्रभावी हो गई हैं। विलासिता से संबंधित वस्तुओं को ही 40 प्रतिशत टैक्स की श्रेणी में रख गया है। वहीं नई कर संरचना में कम्पन्सेशन सेस भी हटा दिया गया है। जीएसटी के नए प्रावधानों का सीधा प्रभाव आम आदमी पर हुआ है। अब जीवन की मूलभूत आवश्यकता रोटी, कपड़ा और मकान सस्ते हो गए हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र को भी नए जीएसटी प्रावधानों का लाभ मिला है। इन जानकारियों को आमजन तक पहुंचाने के क्रम में प्रदेश में 22 से 29 सितम्बर तक जीएसटी बचत उत्सव का आयोजन किया गया।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017 में जीएसटी लागू होने से लेकर अब तक जीएसटी करदाताओं की संख्या 66.5 लाख से बढ़कर 1.51 करोड़ हो गई है। वहीं, राजस्थान में भी जीएसटी करदाता 4.34 लाख से बढ़कर 9.31 लाख हो गए हैं। इसी प्रकार, राज्य के जीएसटी राजस्व में निरंतर वृद्धि दर्ज हुई है और वित्त वर्ष 2024–25 में यह 42 हजार 518 करोड़ हो गया है।

अंता विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूचियों का अन्तिम प्रकाशन

जयपुर, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बुधवार को अंता विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में आगामी उप चुनाव के दृष्टिगत मतदाता सूचियों का अन्तिम प्रकाशन किया गया। अर्हता 1 जुलाई, 2025 के संदर्भ में मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाता सूचियों का अन्तिम प्रकाशन किया गया है। इस संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर की अध्यक्षता में बैठक आहूत की गई। इसमें राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि व मीडिया कर्मी भी मौजूद रहे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी, बारां द्वारा अर्हता 1 जुलाई, 2025 के संदर्भ में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के बारे में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को जानकारी प्रदान की गई है। साथ ही, मतदाता सूचियों का अन्तिम प्रकाशन किया गया। इस क्रम में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को मीडिया की उपस्थिति में मतदाता सूची की प्रति हार्ड कॉपी में एवं सॉफ्ट कॉपी सीडी एवं पेनड्राइव में उपलब्ध करवाई जाकर प्राप्ति रसीद प्राप्त की गई। नवीन महाजन ने बताया कि मतदाता सूचियों के प्रारूप प्रकाशन के समय अंता विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में कुल 2,26,227 मतदाता थे, जिसमें 1,15,982 पुरूष मतदाता, 1,10,241 महिला एवं 4 अन्य मतदाता थे। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की तिथियों के तहत प्रारूप प्रकाशन के पश्चात् 3 से 17 सितंबर 2025 तक दावे आपत्तियां प्राप्त की गईं। सभी प्राप्त दावे व आपत्तियों का निस्तारण 25 सितम्बर, 2025 तक किया गया।एक अक्टूबर 2025 को मतदाता सूची के अन्तिम प्रकाशन के तहत अंता विधानसभा क्षेत्र में कुल 2,27,563 मतदाता पंजीकृत हैं।

इनमें 1,16,405 पुरूष, 1,11,154 महिला एवं 4 अन्य मतदाता नामांकित हैं. मतदाता सूचियों के मतदाताओं के संबंध में तथा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नवीनतम दिशा–निर्देशों को मीडिया व राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया।

वासुदेव देवनानी ने लोहागल में 100 बेड के कामकाजी महिला छात्रावास का किया शिलान्यास

जयपुर, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि कामकाजी महिला छात्रावास का निर्माण केवल भवन निर्माण नहीं बल्कि नारी सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वर्तमान सरकार महिलाओं को सुरक्षित वातावरण और सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। इस छात्रावास के बन जाने से निजी एवं राजकीय क्षेत्र में कार्यरत महिलाएं शहर में कार्य करने के बाद निश्चित होकर सुरक्षित वातावरण में रह सकेंगी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को अजमेर के लोहागल में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा स्वीकृत 618 लाख रुपये की लागत के 100 बेड के कामकाजी महिला छात्रावास निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। देवनानी ने कहा कि आज की महिला प्रत्येक क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही है और नौकरी के अवसर मिलने पर कई बार उन्हें दूसरे शहरों में रहना पड़ता है। ऐसी स्थिति में उनके लिए सुरक्षित आवास, भोजन, पुस्तकालय जैसी सुविधाओं की आवश्यकता होती है। महिला घर के संचालन के साथ–साथ आर्थिक सहयोग भी दे रही है और देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान कर रही है। इस अवसर पर उन्होंने नवरात्रि और नवमी के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि नारी को शक्ति का स्वरूप माना गया है। यह महत्वपूर्ण है कि छात्रावास का शिलान्यास भी इसी पावन अवसर पर किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संभागीय मुख्यालयों पर कामकाजी महिला छात्रावास बनाए जा रहे हैं। इसकी शुरुआत अजमेर से हो रही है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा कहा कि अगले वर्ष नवरात्रि में इसका लोकार्पण करने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में करोड़ों रुपये के विकास कार्य कराए जा रहे हैं। अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र की प्रत्येक गली–मोहल्ले को सड़कों से जोड़ा जा रहा है। लोहागल में रिजर्वायर टैंक का निर्माण किया जाएगा। इससे पेयजल आपूर्ति और बेहतर होगी। इसके साथ ही पानी, बिजली और रोजगार जैसे क्षेत्रों में विकास कार्य तीव्र गति से चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोहागल में साइंस पार्क सहित कई अन्य विकास परियोजनाएं क्षेत्र की कायापलट कर देंगी।

इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक श्री जय प्रकाश, स्थानीय पार्षद, जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

दुर्गा पूजा भारतीय संस्कृति और सभ्यता की निरंतरता का प्रतीक : प्रो. असीम कुमार घोष

चंडीगढ़, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि दुर्गा पूजा केवल मातृ पूजा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और सभ्यता की निरंतरता का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस उत्सव के माध्यम से हम न केवल देवी की आराधना करते हैं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक पहचान को भी जीवित रखते हैं। राज्यपाल आज गुरुग्राम में सहस्राब्दि दुर्गा पूजा समिति द्वारा आयोजित 26वें वार्षिक दुर्गा पूजा कार्यक्रम में उपस्थित जन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपनी धर्मपत्नी मित्रा घोष के साथ कार्यक्रम में भाग लिया और प्रदे–शवासियों को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने मां दुर्गा की पूजा करने उपरांत अपने संबोधन में कहा कि वैश्विक इतिहास इस बात का साक्षी है कि यूनानी, रोमन, मिस्र और फारसी जैसी अनेक महान सभ्यताएँ कालक्रम में विलुप्त हो गईं। इन सभ्यताओं के पतन का प्रमुख कारण उनकी सांस्कृतिक नींव का कमजोर पड़ जाना था। इसके विपरीत भारतीय सभ्यता पाँच हज़ार वर्षों से भी अधिक पुरानी है और आज भी निरंतरता और प्राणशक्ति के साथ जीवित है।

स्वदेशी अभियान विकसित भारत के निर्माण की दिशा में मजबूत कदम : बड़ौली

चंडीगढ़, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि स्वदेशी अपनाओ अभियान विकसित भारत के निर्माण की दिशा में एक मजबूत कदम है। उन्होंने कहा कि यह त्याहारों का समय है, इसलिए हम सभी का दायित्व है कि स्वदेशी अभियान को जन–जन का संकल्प बनाना है। बड़ौली ने बुधवार को खरखौदा, सोनीपत में सेवा ही संकल्प – सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत कार्यक्रम को संबोधित किया। इससे पहले उन्होंने विद्यार्थियों को स्वदेशी अपनाओ अभियान के अंतर्गत प्रेरित करते हुए साइकिल यात्रा को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर विधायक पवन खरखौदा, पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकता उपस्थित रहे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत व वोकल फॉर लोकल जैसे अभियानों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें इस अभियान के तहत अपने परिचितों को भी स्वदेशी उत्पादों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। बड़ौली ने कहा कि स्वदेशी अपनाओ सिर्फ अभियान नहीं है, यह हमारा दृढ़ संकल्प है और घर–घर तक पहुंचाना है।

औमप्रकाश धनखड़ ने एमएसपी बढ़ोतरी पर जताया पीएम मोदी और शिवराज चौहान का आभार

चंडीगढ़, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रबी सीजन की बिजाई शुरू होने से पहले ही न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित कर देशभर के किसानों को दिवाली का तोहफा दिया है। बिजाई सीजन से पहले एमएसपी घोषित होने से किसान भाई अपनी सुविधा और फायदे के अनुसार रबी की फसल की बिजाई कर सकेंगे । भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने रबी की फसलों के भाव बढ़ाने पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान का धन्यवाद किया। धनखड़ ने कहा कि इनकम में 12 लाख रुपए तक छूट का उत्सव , फिर जीएसटी सुधार से बचत उत्सव और अब किसानों को तोहफा। पीएम मोदी के निर्णयों से देश में त्योहारी सीजन से पहले ही उत्सव का माहौल बन गया है। इन फसलों का बड़ा एमएसपी किसान मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष धनखड़ ने बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कैबिनेट ने कुसुम के एमएसपी में सबसे ज़्यादा 600 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की घोषणा की है। मसूर के एमएसपी में 300 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की। सरसों के लिए 250 रुपये प्रति क्विंटल, चना के लिए 225 रुपये प्रति क्विंटल, जौ के लिए 170 रुपये प्रति क्विंटल और गेहूं के लिए 160 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। किसान बंधु धनखड़ ने बताया कि 2026–27 मार्केटिंग सीजन के लिए अनिवार्य रबी फसलों के लिए एमएसपी में यह बढ़ोतरी, 2018–19 के केंद्रीय बजट में की गई घोषणा के अनुरूप है, जिसमें एमएसपी को भारत में उत्पादन की औसत लागत का कम से कम 1.5 गुना तय करने की बात कही गई थी। उस पर मोदी सरकार खरी उतरी है।

बारिश और बाढ़ से प्रभावित किसानों को बड़ी राहत

सीएम सैनी ने किए कई बड़े ऐलान

चंडीगढ़, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बारिश और बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए बड़ी राहत योजनाओं की घो–षणा की। उन्होंने बताया कि पिछले दिनों भारी बारिश के कारण कई जगहों पर जान–माल का नुकसान हुआ है। सरकार ने त्वरित राहत पहुंचाने के लिए 'ई–क्षति' पोर्टल के माध्यम से अब तक घरों और पशुओं की हानि का मुआवजा जारी किया है। इसके तहत 4 करोड़ 72 लाख रुपए की राशि सीधे पीड़ितों तक पहुंचाई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 सितंबर तक ई–क्षति पूर्ति पोर्टल खुला रहा, जिस पर करीब 5 लाख 37 हजार किसानों ने 31 लाख एकड़ जमीन का पंजीकरण करवाया। जिन इलाकों में पानी भर गया है, वहां किसानों को प्रति एकड़ 15 हजार रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। यह राशि दीपावली से पहले खातों में ट्रांसफर कर दी जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि बाढ़ से प्रभावित किसानों को बिजली बिलों में भी बड़ी राहत दी गई है। अब ट्यूबवेलों के बिजली बिलों का भुगतान दिसंबर 2025 तक नहीं लिया जाएगा। इस फैसले से करीब 7 लाख 10 हजार किसानों को राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि बाढ़ पीड़ित किसानों के लिए फसलों के ऋण स्थगित कर दिए गए हैं। जिन इलाकों में 50 प्रतिशत से अधिक फसल का नुकसान हुआ है, वहां किसानों से ऋण की वसूली नहीं की जाएगी। इसके साथ ही आगामी रबी फसलों के लिए भी नए ऋण उपलब्ध करवाए जाएंगे। इस कदम से 3 लाख किसानों को ऋण के बोझ से राहत मिलेगी।

फसल खरीद पर बोलते हुए सीएम ने कहा कि प्रदेश में 22 सितंबर से खरीद प्रक्रिया शुरू हुई है और 30 सितंबर तक 5 लाख मीट्रिक टन की आवक हो चुकी है। इसमें से 3 लाख 58 हजार मीट्रिक टन की खरीद की जा चुकी है। किसानों को उनकी फसल की कीमत का भुगतान भी तेजी से किया जा रहा है। अब तक 109 करोड़ रुपए सीधे किसानों के खातों में पहुंचाए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए कटिबद्ध है। बाजरे की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2,757 रुपये प्रति क्विंटल तय की गई है। यदि बाजार में बाजरा 2,300 रुपये प्रति क्विंटल में बिक रहा है, तो उसकी भरपाई राज्य सरकार किसानों को दे रही है।

नवादा से जुड़ेगा पावापुरी, 25 किलोमीटर नई रेल लाइन को मिली मंजूरी

बिहटा-अनुग्रह नारायण रोड को भी सौगात

पटना (एजेंसियां)। बिहार में रेल कनेक्टिविटी के विस्तार और क्षेत्रीय विकास को गति देने के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए नवादा और पावापुरी को जोड़ने वाली नई रेल परियोजना को स्वीकृति प्रदान की। यह रेल लाइन 25.10 किलोमीटर लंबी होगी और इसके निर्माण पर लगभग 492.14 करोड़ की लागत आएगी। यह प्रस्ताव भारतीय रेल द्वारा नई रेल लाइनों के निर्माण हेतु निर्धारित अम्ब्रेला वर्क्स 2024-25 के अंतर्गत रखा गया था।

इस नई रेल लाइन से नवादा को पावापुरी तक सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। पावापुरी एक प्रमुख जैन तीर्थ स्थल है, जहाँ प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। इस परियोजना के पूरा होने से पावापुरी की कनेक्टिविटी सड़क मार्ग के साथ-साथ रेल मार्ग से भी संभव होगी, जिससे सड़क यातायात का दबाव कम होगा और पारसनाथ व जल मंदिर की यात्रा भी सुविधाजनक होगी।

नवादा-पावापुरी नई रेल लाइन परियोजना से जैन सर्किट में धार्मिक पर्यटन को नई दिशा मिलेगी। राजगीर और बिहार शरीफ से जुड़ाव और अधिक मजबूत होगा तथा नवादा-नालंदा-राजगीर क्षेत्र में यात्रा का समय कम हो जाएगा। पर्यटन के अलावा यह रेल लाइन सामाजिक और आर्थिक विकास में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। नवादा क्षेत्र को नालंदा और प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्र से जोड़ा जाएगा।

इसके साथ ही कादिरगंज के पारंपरिक रेशमी उद्योग को बड़े बाजारों तक बेहतर पहुँच मिलेगी और भागलपुर तक व्यापारिक गतिविधियों को नई ऊर्जा मिलेगी।

यह परियोजना नालंदा विश्वविद्यालय और बोधगया जैसे महत्वपूर्ण शिक्षा और सांस्कृतिक केंद्रों तक पहुँच को भी सरल बनाएगी। निर्माण कार्य के दौरान स्थानीय स्तर पर बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर पैदा होंगे और परियोजना के पूर्ण होने के बाद व्यापार और उद्योगों को भी लाभ पहुंचेगा। इसके अतिरिक्त यह पहल रजौली में प्रस्तावित 2000 मेगावाट परमाणु ऊर्जा संयंत्र तथा क्षेत्रीय विकास की अन्य योजनाओं को भी बल देगी।

नवादा-पावापुरी नई रेल लाइन न केवल धार्मिक महत्व को नया आयाम देगी, बल्कि शिक्षा, पर्यटन, उद्योग और सामाजिक-आर्थिक प्रगति का मार्ग भी प्रशस्त करेगी। यह परियोजना संपूर्ण क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को मजबूती देते हुए विकास की नई गाथा लिखेगी। इस परियोजना की स्वीकृति पर नवादा के सांसद विवेक ठाकुर ने हर्ष व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार जताया है। उन्होंने कहा कि बिहार राज्य रेल क्रांति का अनुभव कर रहा है। इस परियोजना के पूरा हो जाने से नवादा और नालंदा जिला के लाखों लोग लाभान्वित होंगे।

पटना, अरवल, जहानाबाद एवं औरंगाबाद जिले के लाखों लोगों को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से रेल मंत्रालय ने बिहटा-अनुग्रह नारायण रोड नई लाइन का निर्माण कार्य तत्काल प्रभाव से चालू करने का फैसला लिया है । इसके लिए राशि की स्वीकृति दे दी गई है और पूर्व मध्य रेल को निर्देश दिया गया है कि परियोजना के लिए समेकित तरीके से कार्य को प्रारंभ किया जाए। सूत्रों के अनुसार इस परियोजना से मगध एवं शाहाबाद क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

परियोजना से संबंधित विस्तृत विवरण तैयार कर दिया गया है जिसके अनुसार इस परियोजना के निर्माण पर कुल लागत रुपये 3606.42 करोड़ की लागत आएगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने परियोजना पर काम चालू करने के प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदान कर दी है।

117 किमी लंबी इस रेल लाइन से बिहटा-अनुग्रह नारायण रोड के बीच सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी ।

यहां ध्यान देने बात यह है कि अनुग्रह नारायण रोड से औरंगाबाद के बीच लगभग 13 किमी लंबी रेल लाइन को पहले ही स्वीकृति मिल चुकी है और इस पर कार्य प्रगति पर है । कुल मिलाकर, पटना से अरवल, औरंगाबाद की सीधा रेल संपर्क स्थापित हो जाएगा और इस क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी होगी। बिहटा में आरओआर को इस परियोजना के तहत स्वीकृति मिली है जिससे निर्बाध तरीके से इस प्रस्तावित लाइन पर यातायात सुनिश्चित किया जा सकेगा ।

इस परियोजना के पूर्ण होने से एक ओर जहां इस क्षेत्र में सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा वहीं दूसरी ओर डीडीयू-पटना-झाझा मेन लाइन और डीडीयू-गया-कोडरमा ग्रैंड कॉर्ड लाइन के मध्य एक और नया वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध हो जाएगा।

वैशाली के बाबा भुईया मंदिर में बहती दूध की नदी, लाखों श्रद्धालु करते हैं दुग्धाभिषेक

वैशाली (एजेंसियां)। वैशाली जिले में हाजीपुर प्रखंड के बाबा भुईया स्थान पर एक ऐसा प्राचीन मंदिर है, जहां पर दूध की नदी बहती है। यह सुनकर अजीब लग सकता है, लेकिन यह सच्चाई है। दशहरा और बसंत पंचमी के मौके पर भारी संख्या में लोग इस मंदिर में दूध चढ़ाने पहुंचते हैं।

किसान अपने गाय-भैंस की खरीदारी या पशुओं के जन्म के समय सबसे पहले भुईया बाबा के मंदिर में दूध चढ़ाते हैं। इसके अलावा, किसान अपने घर में शादी, विवाह या कोई शुभ कार्य शुरू करने से पहले भी दूध चढ़ाकर अपने पशुओं की सेहत और खुशहाली की कामना करते हैं।

मंदिर में चढ़ाए गए दूध से इतनी आय होती है कि वृद्धों को पेंशन तक दी जाती है। वैशाली जिला मुख्यालय से यह मंदिर लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थित है। मंदिर समिति के अनुसार, सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को दुग्धाभिषेक का विशेष महत्व है। इन दिनों लगभग 30 से 35 क्विंटल दूध अर्पित किया जाता है।

हालांकि श्रद्धालु साल भर दूध चढ़ाने आते हैं, लेकिन खास तौर पर बसंत पंचमी और दशहरे के अवसर पर पूरे बिहार, विशेषकर उत्तर बिहार से लोग यहां आते हैं। इस दौरान लगभग 2 लाख से अधिक श्रद्धालु दूध चढ़ाने पहुंचते हैं। बसंत पंचमी के मौके पर मंदिर के आसपास लगभग एक महीने तक मेला भी लगता है। इस मेले में विशेष रूप से पशुओं के लिए सामान और लकड़ी से बने वस्तुएं बेची जाती हैं।

मंदिर समिति के जरिए घर में मंगल कार्य के अवसर पर लोगों को सस्ते दाम पर दूध उपलब्ध कराया जाता है। वहीं, जरूरतमंदों को निःशुल्क दूध भी दिया जाता है। जो दूध चढ़ाया जाता है, वह एक टैंक में जमा होता है और फिर प्रोसेसिंग मशीन के माध्यम से लोगों के उपयोग के लिए तैयार किया जाता है।

मंदिर का संचालन समिति द्वारा किया जाता है। सालाना इस मंदिर से लगभग 55-60 लाख रुपये की आय होती है। इसके जरिए 40-50 वृद्धों को हर माह 400 रुपये की पेंशन दी जाती है। साथ ही, लोगों को बीमारी में मदद मिलती है और एक सामुदायिक विवाह भवन भी बनाया गया है।

लोक देवता के रूप में प्रसिद्ध बाबा बसावन भुईयां में इलाके के राजनेताओं की भी गहरी आस्था है। पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय भी दुग्धाभिषेक के लिए आते रहे हैं। पिछली बार चुनाव के दौरान भूपेंद्र यादव, भाजपा के बिहार प्रभारी, ने भी यहां दुग्धाभिषेक किया। यह मंदिर अति प्राचीन है। वर्ष 1993 में वैशाली के तत्कालीन जिलाधिकारी उदय प्रताप सिंह और हाजीपुर सदर की एसडीएम निधि खरे ने यहां भव्य मंदिर निर्माण की नींव रखी थी। मंदिर की ऊंचाई 102 फीट है।

बाइक दुर्घटना में 15 वर्षीय युवक की मौत, दोस्त गंभीर रूप से घायल

हाजीपुर (एजेंसियां)। हाजीपुर-मुजफ्फरपुर एनएच 22 के काजीपुर थाना क्षेत्र में एकरा ओवर ब्रिज के पास मंगलवार को एक बाइक दुर्घटना में 15 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। मौके पर स्थानीय लोग जमा हो गए और घटना की सूचना डायल 112 पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को सदर अस्पताल लाया। डॉक्टरों ने

प्रणव कुमार को मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायल हिमांशु कुमार का प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया गया।

मृतक की पहचान दिग्गी पचकुरवा निवासी स्वर्गीय अजय सिंह के पुत्र 15 वर्षीय प्रणव कुमार के रूप में हुई है। वह 11वीं का छात्र था और दो भाइयों में बड़ा था। हादसे में घायल युवक की पहचान उतक गांव निवासी पशुपति कुमार के पुत्र 16 वर्षीय हिमांशु कुमार के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, प्रणव और हिमांशु दोस्त थे और दोनों घर से बाइक लेकर घूमने निकले थे। घर लौटते समय बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे की सूचना मिलते ही प्रणव की मां अस्पताल पहुंच गई और बेटे का शव देखकर बार-बार बेसुध हो रही थीं। प्रणव के पिता की दो वर्ष पहले ही मृत्यु हो चुकी थी। इस दुर्घटना ने परिवार और गांव में शोक और मातम फैला दिया है।

बिहार में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का बड़ा बयान

हर विधानसभा में उतारेंगे गौ भक्त प्रत्याशी

छपरा (एजेंसियां)। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने बिहार में सनातनी राजनीति का शंखनाद कर दिया है। गौ मतदाता संकल्प यात्रा के दौरान उन्होंने घोषणा की कि बिहार की सभी विधानसभा क्षेत्रों में गौ भक्तों को चुनाव लड़ाया जाएगा और उनके लिए व्यापक स्तर पर प्रचार भी किया जाएगा। साथ ही सनातनी हिन्दुओं से अपील की गई कि वे गौ माता को राष्ट्र माता घोषित कराने के लिए मतदान करें।

छपरा में गौ सेवकों और गौ रक्षकों को संबोधित करते हुए शंकराचार्य ने कहा कि ङ्गआप जो

कर रहे हैं वही धर्म है और वही अधर्म भी हो सकता है। यदि आपका वोट धर्म हो सकता है, तो अधर्म भी हो सकता है। अगर आपने गौ हत्या समर्थकों को वोट दिया तो वह अधर्म होगा।ङ्घ उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि वोट की ताकत से देश में गौ हत्या पर रोक लग सकती है।

अपने संबोधन में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए आठ हजार करोड़ का विमान खरीदा गया है और यह उनकी चाय बेचने की कमाई से नहीं आया, बल्कि जनता के वोट की ताकत से आया है। ङ्गहमारी ही मां (गौ माता) के हत्यारों को सत्ता दिलाकर हम खुद शर्मिंदा हैं।ङ्घ शंकराचार्य ने कहा कि सनातन धर्म की रक्षा तभी संभव है जब गौ माता का संरक्षण होगा। गौ रक्षा सिर्फ आस्था का विषय नहीं है, बल्कि समाज और संस्कृति की आधारशिला है।

मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि बिहार की वास्तविक समस्याओं से ध्यान भटकाने के लिए आई लव मोहम्मद और ङ्गआई लव महादेवङ्घ जैसी बयानबाजी कराई जा रही है। इससे जागरूक मतदाताओं का ध्यान भटकाने की कोशिश हो रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि जब नरेंद्र मोदी सत्ता में आने से पहले देशभर में गौ हत्या पर रोक की बातें करते थे, तो लोग उनसे उम्मीद करते थे। लेकिन बीते 12 वर्षों में गौ हत्या पर पाबंदी लगाने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। शंकराचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री की कथनी और करनी में बड़ा अंतर साफ झलक रहा है।

बेतिया में नवरात्र की धूम, 100 से अधिक भव्य दुर्गा पूजा पंडालों में उमड़ा जनसैलाब

बेतिया (एजेंसियां)। नवरात्र में बेतिया का माहौल भक्तिमय हो गया है। चारों ओर ङ्गजय माता दीङ्घ के नारों की गूंज सुनाई दे रही है। बेतिया नगर निगम क्षेत्र में 95 से 100 छोटे-बड़े दुर्गा पूजा पंडाल बनाए गए हैं, जो एक से बढ़कर एक आकर्षक और भव्य हैं। कहीं थावे वाली मां की स्वरूप प्रतिमा स्थापित की गई है, तो कहीं केदारनाथ की छवि दर्शाई गई है। किसी पंडाल में सम्पूर्ण शिव परिवार को दिखाया गया है, तो कहीं अग्नि से निकलती मां सती की अद्भुत झांकी नजर आ रही है। वहीं कई पंडालों में मां दुर्गा

को महिषासुर का वध करते हुए दर्शाया गया है। पूजा पंडालों के भव्य तोरण द्वार श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। चलंत प्रतिमा देखकर भक्तगण भावविभोर हो जा रहे हैं।

पावरहाउस, बंगाली टोला, बानू छापर, कालीबाग, दुर्गाबाग, पियुनीबाग समेत अन्य इलाकों में मां दुर्गा के दर्शन के लिए भारी भीड़ उमड़ रही है। इन भव्य पंडालों और प्रतिमाओं के निर्माण के लिए कारीगर कोलकाता से बुलाए गए हैं। हर साल सैकड़ों कारीगर दुर्गा प्रतिमा और सजावट के लिए बेतिया पहुंचते हैं।

दुर्गापूजा को लेकर पुलिस-प्रशासन भी पूरी तरह अलर्ट मोड पर है।

शहर से लेकर गांव तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। 710 स्थानों पर मजिस्ट्रेट के साथ पुलिसबल की तैनाती की गई है। सभी पूजा पंडालों के आसपास सादे वर्दी में पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। सोशल मीडिया पर भी पुलिस की पैनी नजर बनी हुई है ताकि किसी भी असामाजिक तत्व पर तुरंत कार्रवाई हो सके। बेतिया डीएम धर्मेंद्र कुमार और एसपी डॉ. शौर्य सुमन खुद पूजा पंडालों का लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। इस समय पूरा शहर मां दुर्गा के जयकारों से गूंज रहा है और नवरात्र का उत्सव अपने चरम पर है।

कुख्यात अपराधी सुरेश यादव की हावड़ा में गोली मारकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

गोपालगंज (एजेंसियां)। गोपालगंज जिले के नगर थाना क्षेत्र के कुकुरभुक्का गांव निवासी कुख्यात अपराधी सुरेश यादव को पश्चिम बंगाल के हावड़ा स्थित संध्या बाजार में गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस सनसनीखेज वारदात से स्थानीय अपराध जगत में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक सुरेश यादव बिहार पुलिस के लिए लंबे समय से एक बड़ा सिरदर्द बने हुए थे। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, सुरेश यादव पर ट्रिपल मर्डर, एक मुखिया हत्याकांड समेत दो दर्जन से अधिक गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे। इन मामलों में वह लंबे

समय से फरार चल रहा था और पुलिस उसे तलाश रही थी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, सुरेश यादव अपनी पहचान छिपाकर हावड़ा में रह रहे थे। मंगलवार रात वह हावड़ा के संध्या बाजार इलाके में थे, तभी अज्ञात अपराधियों ने उन्हें घेर लिया और गोलियों से छलनी कर दिया। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। गोपालगंज पुलिस ने इस घटना की पुष्टि की है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि सुरेश यादव की हत्या पुरानी रंजिश या आपसी गैंगवार का नतीजा हो सकती है। चूंकि अपराधी बिहार का था और उसकी हत्या पश्चिम बंगाल में हुई, इसलिए गोपालगंज पुलिस ने हावड़ा पुलिस से संपर्क साधा है और मामले से जुड़ी विस्तृत जानकारी मांगी है।

पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि सुरेश यादव इतनी दूर हावड़ा में क्या कर रहे थे और वहां किन अपराधियों के साथ उनका संबंध था। साथ ही उनके आपराधिक नेटवर्क के बंगाल तक फैले होने की संभावना पर भी जांच जारी है।

दुर्गा पूजा के दौरान युवक की गोली मारकर हत्या, तीन दोस्तों पर परिवार ने लगाए आरोप

जहानाबाद (एजेंसियां)। दुर्गा पूजा के मौके पर मंगलवार को जहानाबाद में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। मेला घूमने गए एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है, लेकिन मृतक के परिजन घटना के लिए उसके तीन दोस्तों को जिम्मेदार बता रहे हैं। घटना घोसी थाना क्षेत्र के वंशीबिगहा पुल के पास हुई। मृतक की पहचान इस्लामपुर थाना अंतर्गत तहवल बीघा गांव निवासी 21 वर्षीय संतोष कुमार, पुत्र शिव कुमार यादव के रूप में

हुई है।

संतोष हाल ही में बिहार पुलिस में चयनित हुआ था और जल्द ही सेवा में शामिल होने वाला था। सोमवार की शाम वह मेला घूमने के लिए अपने तीन दोस्तों के साथ हुलासगंज बाजार गया था, लेकिन देर रात तक वह घर नहीं लौटा।

मंगलवार सुबह उसकी लाश वंशीबिगहा पुल के पास गोली लगने की हालत में मिली।

परिजनों ने बताया कि संतोष पटना में रहकर पढ़ाई करता था और सोमवार को ही अपने गांव लौटा था। परिवार ने हत्या का आरोप उसके साथ गए तीन दोस्तों पर लगाया है।

संतोष की हत्या ने परिवार को तोड़ कर रख दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस संबंध में घोसी थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। घोसी एसडीपीओ संजीव कुमार ने बताया कि हत्या के कारणों की जांच की जा रही है और पुलिस मामले की छानबीन शुरू कर चुकी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com